07 अगस्त 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

कल्याणकारी योजनाएं वंचित वर्गों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का सशक्त माध्यम हैं : डीएम

2

स्टांप ड्यूटी की आड़ में फर्जी कंपनियों से जुटाए 39 करोड़, पत्नी के लिए खरीदी मछली पकड़ने वाली पांच नाव

- धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मैंगलोर में 5 परिसरों पर छापेमारी की
- विभिन्न व्यापारियों से स्टांप ड्यूटी की आड़ में कम ब्याज दरों पर ऋण दिलाने और वादा किए गए ऋण न देकर ठगी करने का आरोप ह

एजेंसी/मैंगलोर

प्रवर्तन निदेशालय के मैंगलोर उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने ठग रोशन सलदान्हा एवं अन्य के मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मैंगलोर में 5 परिसरों पर छापेमारी की। आरोप है कि रोशन ने व्यापारियों से स्टांप ड्यूटी की आड़ में फर्जी कंपनियों के माध्यम से 39 करोड़ रुपये जुटाए थे। इसके बाद उसने इन रुपयों से अपनी पत्नी के लिए मछली पकड़ने वाली 5 नाव खरीदी। हालांकि, ईडी ने सभी नाव जब्त कर ली हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने रोशन सलदान्हा, डैफनी नीतू डिसूजा और अन्य के खिलाफ कानून प्रवर्तन एजेंसी द्वारा दर्ज कई एफआईआर के आधार पर उक्त मामले की जांच शुरू की थी। इन पर विभिन्न व्यापारियों से स्टांप ड्यूटी की आड़ में कम ब्याज दरों पर ऋण दिलाने और वादा किए गए ऋण न देकर ठगी करने का आरोप है। मुख्य आरोपी रोशन सलदान्हा फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। कई आपत्तिजनक साक्ष्य जब्त तलाशी अभियान के दौरान, डायरियों और दस्तावेजों के रूप में आपत्तिजनक साक्ष्य मिले और उन्हें जब्त कर

लिया गया। इससे रोशन सलदान्हा, उनकी पत्नी डैफनी नीतू डिसूजा और अन्य आरोपियों की संलिप्तता का पता चलता है। उन्होंने स्टांप शुल्क की आड़ में विभिन्न व्यापारियों से ऋण दिलाने का वादा करके, नव निर्मित फर्जी कंपनियों के माध्यम से लगभग 39 करोड़ रुपये की धनराशि जुटाई।

फर्जी संस्थाओं का किया उपयोग

जांच में यह भी पता चला कि इस प्रकार जुटाई गई धनराशि का उपयोग आरोपियों ने बाद में अपने निजी और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया और फर्जी संस्थाओं का उपयोग करके धनराशि का एक बड़ा हिस्सा भी निकाल लिया गया। तलाशी अभियान के दौरान, बैंक खातों के रूप में 3.75 करोड़ रुपये की शेष राशि वाली संपत्तियां जब्त कर ली गईं। इसके अलावा, जांच के दौरान, यह पाया गया कि आरोपी रोशन सलदान्हा ने अपनी पत्नी डैफनी नीतू डिसूजा के नाम पर पांच मछली पकड़ने वाली नाव खरीदने के लिए अपने द्वारा प्रबंधित काल्पनिक संस्थाओं से 5.75 करोड़ रुपये की आपराधिक आय का उपयोग किया था। उन मछली पकड़ने वाली नावों की पहचान कर उन्हें फ्रीज कर दिया गया है, जिससे तलाशी के दौरान फ्रीज की गई कुल राशि लगभग 9.5 करोड़ रुपए हो गई। वहीं विभागीय सूत्रों ने बताया कि इससे जुड़े अन्य ठिकानों की तलाश की जा रही है। इससे संबंधित राशि देश के साथ-साथ विदेशों में भी निवेश करने की बात सामने आ रही है। जिसे लेकर विशेष टीम बनायी है। टीम महत्वपूर्ण मुद्दों की जांच में जुटी हुई है।

5.75 करोड़ संपत्तियां हुई जब्त

तलाशी अभियान के दौरान, डेयरियों और दस्तावेजों के रूप में आपत्तिजनक साक्ष्य मिले और उन्हें जब्त कर लिया गया। इससे रोशन सलदान्हा, उनकी पत्नी डैफनी नीतू डिसूजा और अन्य आरोपियों की संलिप्तता का पता चलता है। उन्होंने स्टांप शुल्क की आड़ में विभिन्न व्यापारियों से ऋण दिलाने का वादा करके, नव निर्मित फर्जी कंपनियों के माध्यम से लगभग 39 करोड़ रुपये की धनराशि जुटाई। जांच में यह भी पता चला कि इस प्रकार जुटाई गई धनराशि का उपयोग आरोपियों ने बाद में अपने निजी और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया और फर्जी संस्थाओं का उपयोग करके धनराशि का एक बड़ा हिस्सा भी निकाल लिया गया। वहीं इस मामले में सभी आरोपियों के कॉल रिकार्ड को खंगालने का प्रयास किया जा रहा है।

अमृत काल में इन्हीं भवनों में विकसित भारत की नीतियां बनेंगी

किराए के 1500 करोड़ रुपये बचेंगें, यहां विकसित भारत की नीतियां बनेंगी : पीएम

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्तव्य भवन के शुभारंभ के अवसर पर बुधवार को एक एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ये केवल कुछ नये भवन और सामान्य मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं, अमृत काल में इन्हीं भवनों में विकसित भारत की नीतियां बनेंगी। विकसित भारत के लिए यहीं से महत्वपूर्ण निर्णय होंगे। आने वाले दशकों में यहीं से राष्ट्र की दिशा तय होगी।कर्तव्य भवन देशवासियों के सपनों को साकार करने की तपोभूमि

उन्होंने कहा कि कर्तव्य भवन सिर्फ इमारत का नाम भर नहीं है। ये करोड़ों देशवासियों के सपनों को साकार करने की तपोभूमि है। कर्तव्य पथ पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा,, हम आधुनिक भारत के निर्माण से जुड़ी उपलब्धियों के साक्षी बन रहे हैं। कर्तव्य पथ, नया संसद भवन, नया रक्षा भवन, भारत मंडपम, यशोभूमि, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा और अब कर्तव्य भवन - ये सिर्फ साधारण सुविधाएं नहीं हैं। यहां विकसित भारत की नीतियां बनेंगी,

100 साल पुरानी इमारत में चल रहा था गृह

आजादी के बाद दशकों तक देश की प्रशासनिक मशीनरी उन इमारतों से चलाई जाती रही है, जो ब्रिटिश शासन काल में बनी थीं। आप भी जानते हैं दशकों पहले बने इन प्रशासनिक भवनों में वर्किंग कंडीशन कितनी खराब थी। अभी वीडियो में कुछ झलक भी देखी हमने। यहां काम करने वालों के लिए न पर्याप्त जगह है, न रोशनी है, न जरूरी वेंटिलेशन है। आप कल्पना कर सकते हैं, गृह मंत्रालय जैसा महत्वपूर्ण मंत्रालय करीब सौ साल से एक ही इमारत में अपर्याप्त साधनों से चल रहा था। किराए के डेढ़ हजार करोड़ रुपये बचा पाएगी सरकारप्रधानमंत्री ने कहा, काम की वजह से कर्मचारियों का यहां से वहां आना-जाना होता है। अनुमान है कि हर रोज आठ से दस हजार कर्मचारियों को एक मंत्रालय से दूसरे मंत्रालय में आना जाना पड़ता है। इसमें भी सैकड़ों गाड़ियों की आवाजाही होती है। खर्च होता है। सड़कों पर ट्रैफिक बढ़ता है। कितना समय खराब होता है। इन सबसे काम की दक्षता नहीं रहती है। इक्कीसवीं सदी के भारत को 21वीं सदी की व्यवस्थाएं चाहिए। इमारतें भी चाहिए। ऐसी इमारतें जो तकनीकी, सुरक्षा और सुविधा के लिहाज से बेहतरीन हो। जहां कर्मचारी सहज हो। फैसले तेज हो और सेवाएं सुगम हो।

महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। आने वाले समय में राष्ट्र की दिशा यहीं से तय होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने काफी विचार-विमर्श के बाद इस भवन को कर्तव्य भवन नाम दिया। कर्तव्य पथ, कर्तव्य भवन नाम हमारे लोकतंत्र, संविधान के मूल मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं। नागरिक देवो भवः का मंत्र है कर्तव्य

उन्होंने कहा, कर्तव्य शब्द का मतलब भारतीय संस्कृति में केवल दायित्व तक सीमित नहीं है। कर्तव्य हमारे देश के कर्मप्रधान दर्शन की मूलभावना है। स्व की सीमा से परे सर्वस्व की दृष्टि कर्तव्य की वास्तविक परिभाषा है। इसलिए कर्तव्य सिर्फ इमारत का नाम भर नहीं है। ये करोड़ों देशवासियों के सपनों को साकार करने की तपोभूमि है। कर्तव्य ही आरंभ है। कर्तव्य है प्रारब्ध है। करुणा और कर्मणता के स्नेहसूत्र में बना कर्म ही तो कर्तव्य है। सपनों का साथ है कर्तव्य। संकल्पों की आस है कर्तव्य। परिश्रम की पराकाष्ठा है कर्तव्य। हर जीवन में ज्योत जला दे, वहीं इच्छा शक्ति है कर्तव्य। करोड़ों देशवासियों की रक्षा का आधार है कर्तव्य। मां भारती की प्राण उर्जा का ध्वजवाहक है कर्तव्य। नागरिक देवो भवः का मंत्र है कर्तव्य। राष्ट्र के प्रति भक्तिभाव से किया हर कार्य है कर्तव्य। ये तो पहला कर्तव्य भवन पूरा हुआ है। अभी कई कर्तव्य भवनों का निर्माण तेजी से चल रहे हैं। ये कार्यालय जब आसपास होंगे तो इससे कर्मचारियों को काम करने के लिए सही माहौल मिलेगा। जरूरी सुविधाएं मिलेंगी।

उत्तरकाशी में जलप्रलय: राहत-बचाव कार्यों में जुटे 225 से अधिक जवान

एजेंसी/उत्तरकाशी

बादल फटने के बाद धराली गांव और हर्षिल स्थित सेना के कैंप में आए मलबे में दूसरे दिन बुधवार को भी जिंदगियों को तलाशने का अभियान जारी रहा। सेना, आईटीबीपी और एसडीआरएफ की टीमें लगातार खोज और बचाव कार्य में जुटी रहीं। इस दौरान धराली के एक 32 वर्षीय युवक आकाश पंवार का शव मलबे से बरामद किया गया। हर्षिल में मलबे में फंसे 11 घायल जवानों को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया। उन्हें हेलीकॉप्टर की मदद से जिला अस्पताल, आईटीबीपी अस्पताल और देहरादून भेजा गया। वहीं, सेना के अनुसार, बादल फटने के बाद भारतीय सेना ने एक त्वरित और समन्वित मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियान शुरू किया है। कई सड़कों के टूटने और एक पुल के ढह जाने के कारण यह क्षेत्र वर्तमान में उत्तर और दक्षिण दोनों से कटा हुआ है।225 से अधिक सैन्यकर्मी, जिनमें पैदल सेना और इंजीनियरिंग टीमें शामिल हैं, खोज, बचाव और राहत कार्यों के लिए जमीन पर तैनात हैं। टेकला के पास रीको रडार के साथ सात टीमें काम कर रही हैं। हर्षिल में खोज एवं बचाव कुत्ते तैनात हैं।बता दें कि मंगलवार को हर्षिल घाटी में तीन जगह बादल फटने से आए सैलाब व मलबे की वजह से धराली गांव में कई बहुमंजिला होटल और रेस्टोरेंट जमींदोज हो गए थे। वहीं कई लोग मलबे में फंस गए थे।हर्षिल स्थित सेना के कैंप के 21 जवान भी लापता हो गए थे। घटना की सूचना मिलते ही सबसे पहले सेना और आईटीबीपी के जवान मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। हालांकि पहले दिन खीर गंगा में बार-बार आ रहे मलबे और गंगोत्री हाईवे के जगह-जगह क्षतिग्रस्त होने के कारण प्रशासनिक अमला और अन्य राहत टीमें घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाईं थीं।बुधवार को मौसम खुलने के बाद हेलिकॉप्टरों ने उड़ान भरी और बचाव दल मौके पर पहुंचे। जिला प्रशासन के अनुसार अभी भी मलबे में धराली के 8 स्थानीय युवक, 2 नेपाली मूल के व्यक्ति और सेना के 10 जवान लापता हैं। उन्हें ढूंढने के लिए बचाव अभियान जारी है।उत्तरकाशी के धराली में आपदा के बाद आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मौसम की चुनौतियों के बीच ग्राउंड जीरो पर पहुंचे और प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। इसके साथ ही उन्होंने प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया है। इसके साथ ही राहत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने मौके पर तैनात राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे कर्मियों से भी मुलाकात की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत सामग्री और सहायता समयबद्ध तरीके से सभी प्रभावितों तक पहुंचे।राहत कार्यों को गति देने के उद्देश्य से दो हेलिकॉप्टरों के माध्यम से आवश्यक खाद्य सामग्री और राहत सामग्री धराली क्षेत्र में पहुंचाई गई है। इसके अतिरिक्त, भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से भारी मशीनरी भी पहुंचाई जा रही है, जिससे मार्गों की मरम्मत, मलबा हटाने और अन्य आवश्यक कार्यों को शीघ्रता से अंजाम दिया जा सके।

प्रियंका गांधी के खिलाफ दायर करेंगे अवमानना याचिका : मनन मिश्रा

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के सांसद और वरिष्ठ वकील मनन कुमार मिश्रा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के हाल ही में दिए गए बयानों को लेकर उनके खिलाफ अवमानना याचिका दायर की जाएगी। मिश्रा का यह बयान तब सामने आया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने हाल में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर टिप्पणी की। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि प्रियंका गांधी ने उनके बचाव में जो बयान दिए हैं, वह अदालत की अवमानना के दायरे में आते हैं। मिश्रा ने कहा कि उन्होंने (प्रियंका गांधी) मीडिया के सामने कई तरह के बयान देकर अदालत की अवमानना की है। इसलिए हम उनके खिलाफ अवमानना की याचिका दायर करने जा रहे हैं, यह याचिका बार और वकीलों की ओर से दायर की जाएगी। इस देश की जनता ऐसे गैर-जिम्मेदाराना बयानों को बर्दाश्त नहीं करेगी।

एक दिन पहले प्रियंका गांधी ने अपने भाई और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का बचाव किया था। यह तब हुआ जब सुप्रीम कोर्ट ने भारत-चीन सीमा विवाद पर राहुल गांधी के बयानों को लेकर सख्त टिप्पणी की थी।

ट्रंप धमका रहे, मोदी सामना नहीं कर पा रहे : राहुल

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी, ट्रम्प की धमकियों के सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि अडाणी के खिलाफ अमेरिकी जांच चल रही है। ऐसे में मोदी के हाथ बंधे हुए हैं। मोदी का अडाणी-अंबानी के साथ क्या संबंध है, यह उजागर हो चुका है। पिछले साल अमेरिका में अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे थे। अमेरिकी अटॉर्नी ऑफिस आरोप पत्र के मुताबिक, अडाणी की कंपनी ने भारत में रिन्यूएबल एनर्जी के प्रोजेक्ट गलत तरीके से हासिल किए थे। इसके लिए सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी गई थी। इसकी जांच जारी है।कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यवस्था) बताने पर कहा- मुझे खुशी हुई कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फैक्ट बताया है। राहुल ने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि भाजपा ने अडाणी की मदद के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। ट्रम्प सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं कि भारत की इकोनॉमी डेड है।लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर दूसरे दिन बहस में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा- ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने युद्ध रुकवाया। अगर दम है तो प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल रहे हैं। पीएम मोदी में इंदिरा गांधी की तरह 50 प्रतिशत भी दम है तो कह दीजिए कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत का एक भी फाइटर जेट नहीं गिरा।

सुप्रीम कोर्ट ने मांगी नई नीति की रूपरेखा, अलग अलग किया जाए मूल्यांकन

स्थाई कमीशन पर महिला अफसरों को पुरुषों के बराबर आंकना गलत

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को स्पष्ट किया कि भारतीय सेना की महिला और पुरुष अधिकारी दो अलग-अलग श्रेणियां हैं, जिन्हें स्थायी सेवा देने के लिए समान मापदंडों पर नहीं आंका जा सकता। कोर्ट में यह टिप्पणी उन 75 से अधिक महिला शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारियों की याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान आई, जिन्होंने यह दावा किया है कि उन्हें लिंग भेदभाव के चलते परमानेंट कमीशन नहीं दिया गया। महिला अधिकारियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं

हुजेफा अहमदी, मेनका गुरुस्वामी और वी. मोहना ने कोर्ट में दलीलें रखीं। अहमदी ने कहा कि सितंबर 2010 में कमीशन पाने वाली महिला अधिकारियों को 15 जनवरी 1991 की नीति के अनुसार परमानेंट कमीशन मिलना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2020 में सेलेक्शन बोर्ड नंबर 5 ने महिला और पुरुष अधिकारियों को एक ही कट-ऑफ और समान चयन मापदंडों पर आंका, जो समानता के सिद्धांत का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, उज्जल भुइयां और एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि वह इस मामले में सभी पक्षों की बात सुनने के बाद एक समान गाइडलाइन का प्रस्ताव रख सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि मूल्यांकन के दौरान विशेष प्रशिक्षण जैसे पहलुओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। कोर्ट ने अधिकारियों से यह भी पूछा कि उनके अनुसार परमानेंट कमीशन के लिए मूल्यांकन की उचित कसौटी क्या होनी चाहिए। महिला याचिकाकताओं ने 17 फरवरी 2020 को आए सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले का भी हवाला दिया। उस फैसले में कोर्ट ने कहा था कि केवल स्टाफ पोस्टिंग तक महिलाओं को सीमित रखना और उन्हें कमांड नियुक्तियों से बाहर रखना कानूनन सही नहीं है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह भी दोहराया कि केंद्र सरकार को महिला अधिकारियों का मनोबल गिराने से बचना चाहिए। एसएससी महिला अधिकारियों को परमानेंट कमीशन न देकर बाहर करने की जल्दबाजी ना हो।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक, कार्यक्रम की रूपरेखा तय

स्वतंत्रता दिवस पर विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोग होंगे सम्मानित : डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में 15 अगस्त को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों ने भाग लिया और समारोह की रूपरेखा पर चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्य झंडोत्तोलन कार्यक्रम किला मैदान, बक्सर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं आमजन भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त जिले के सभी सरकारी कार्यालयों एवं महादलित टोलों में वरीय पदाधिकारियों द्वारा झंडोत्तोलन किया जाएगा। समारोह को भव्य एवं गरिमामय बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों को तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। डॉ. सिंह ने यह भी बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अगले दिन 16 अगस्त को डुमरांव अनुमंडल में ॑शहीद दिवस॒ का आयोजन किया जाएगा। यह दिन 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के अमर शहीदों की स्मृति में राजकीय समारोह के रूप में मनाया जाएगा।

प्रभात फेरी और झंडोत्तोलन कार्यक्रमों का समय तय

जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि वे जिले के विद्यालयों से समन्वय स्थापित कर स्वतंत्रता दिवस की सुबह प्रभात फेरी का आयोजन कराएं। बैठक में झंडोत्तोलन कार्यक्रमों का विस्तृत समय भी तय किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार सुबह 8.40 बजे कारगिल शहीद स्मारक, नौ बजे किला मैदान, 9.50 बजे समाहरणालय परिसर तथा 11.05 बजे पुलिस लाइन में झंडोत्तोलन किया जाएगा। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला सामान्य शाखा को निर्देशित किया कि प्रत्येक कार्यक्रम के बीच पर्याप्त समय का अंतराल सुनिश्चित किया जाए, ताकि वरीय पदाधिकारी सभी प्रमुख स्थलों पर समय से उपस्थित हो सकें।

डीएम ने सुरक्षा, सफाई और अन्य व्यवस्थाओं के दिए निर्देश

बारिश की आशंका को देखते हुए नजारत उपसमाहर्ता एवं भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया गया कि मुख्य समारोह स्थल पर वाटरप्रूफ सामियाना और मजबूत बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाए। नगर परिषद को समारोह स्थल के आस-पास समुचित सफाई एवं सजावट सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया जाएगा सम्मानित

इस अवसर पर जिले के उन नागरिकों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। इसके लिए सभी विभागीय प्रमुखों को निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे व्यक्तियों की सूची एवं उनके कार्यों का विवरण जिला सामान्य शाखा को जल्द उपलब्ध कराएं। जिलाधिकारी ने अंत में सभी संबंधित पदाधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमामय और यादगार बन सके।

नगर के मोहल्लों में मच्छरों का प्रकोप रोकने के लिये फॉगिंग मशीन से शुरू हुआ दवा का छिड़काव

डुमरांव । नगर में लगातार हो रहे बारिश के कारण जगह-जगह जलजमाव की स्थिति बन गई है। जलजमाव के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ता चला जा रहा है। मच्छरों के प्रकोप बढ़ने के कारण महिलाएं और बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। इसको लेकर नगरवासियों द्वारा मच्छरों के प्रकोप को कम करने के लिये नगर परिषद पर दबाव बनाया जा रहा था। बढ़ हरे दबाव को देखते हुए नगर परिषद ने मच्छर मारने की दवा का छिड़काव फॉगिंग मशीन से करना शुरू कर दिया है। हालांकि नालियों में भी दवा का छिड़काव करने की मांग की जा रही है। मालूम हो कि नगर में दर्जनों ऐसे स्थान हैं, जहां जलजमाव की स्थिति बनी हुई है। अधिक दिनों तक जलजमाव होने से पानी खराब होने लगता है और मच्छरों की संख्या में वृद्धि होने लगती है। इतना ही नहीं नालियों की सफाई भी प्रतिदिन नहीं होकर सप्ताह में एक या दो दिन होने से मच्छरों की संख्या में बेतहासा वृद्धि हुई है, जिसका प्रभाव नगरवासियों पर पड़ा है। इससे निजात दिलाने के लिये नगरवासियों का दबाव नप पर काफी बढ़ गया है। ऐसे में नप ने शहर के मुख्य सड़क से लेकर गलियों में फॉगिंग मशीन के सहारे दवा का छिड़काव शुरू कर दिया है। केवल रोड और गली में दवा का छिड़काव होने से नालियों में बैठे मच्छर नहीं मरते है। लोगों ने मांग किया है कि नालियों की सफाई हमेशा किया जाए और दवा का नालियों में भी किया जाएगा। नालियों में दवा का छिड़काव फॉगिंग मशीन से नहीं होकर सिलेंडर के माध्यम से किया जा सकता है। नगर परिषद को इसकी भी तैयारी करना चाहिए, जिससे नगरवासियों को मच्छरों से छुटकारा मिल सके। दवा छिड़काव शुरू होने से लोगों में खुशी है कि मच्छरों की संख्या में वृद्धि रूक जाएगी।

पंचायत की पहल से चिलहरी विद्यालय में बच्चों को मिली शीतल जल की सौगात

डुमरांव। डुमरांव प्रखंड के चिलहरी ग्राम पंचायत की एक सराहनीय पहल के तहत मंगलवार को मध्य विद्यालय चिलहरी में विद्यार्थियों के लिए शीतल और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। पंचायत प्रतिनिधि राजू राय की उपस्थिति में विधिवत रूप से वाटर कूलर का उद्घाटन किया गया, जिसे विद्यालय को समर्पित कर दिया गया। इस नई सुविधा से स्कूल के सैकड़ों बच्चों को अब गर्मी में ठंडा और स्वास्थ्यवर्धक पानी मिलेगा। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनीष श्रीवास्तव ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि लंबे समय से विद्यालय में पेयजल की बेहतर व्यवस्था की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में बच्चों को ठंडा और स्वच्छ पानी मिलना अत्यंत आवश्यक है। इससे जहां बच्चों को राहत मिलेगी, वहीं जलजनित रोगों से भी बचाव होगा। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक, छात्र-छात्राएं और अभिभावक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बच्चों में वाटर कूलर को लेकर काफी उत्साह देखा गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से पंचायत प्रतिनिधि राजू राय और पूरी ग्राम पंचायत को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।पंचायत प्रतिनिधि राजू राय ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों को पंचायत द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा, बच्चों को अच्छा माहौल और बुनियादी सुविधाएं देना समाज की साझा जिम्मेदारी है। हम आगे भी विद्यालय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए हरसंभव सहायता करते रहेंगे।उल्लेखनीय है कि सरकारी विद्यालयों में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही है। ऐसे में ग्राम पंचायत द्वारा स्कूल में वाटर कूलर की स्थापना एक प्रेरणादायक कदम है। यह पहल अन्य पंचायतों और जनप्रतिनिधियों के लिए भी एक मिसाल बन सकती है कि सामूहिक प्रयासों से शिक्षा व्यवस्था को कैसे मजबूत किया जा सकता है।

कल्याणकारी योजनाएं वंचित वर्गों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का सशक्त माध्यम हैं : डीएम

- बक्सर में कल्याण योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न, विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग तथा पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागीय पदाधिकारियों के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का गहन मूल्यांकन किया गया।

बैठक की शुरूआत डॉ. भीमराव अंबेडकर समग्र सेवा अभियान की समीक्षा से की गई।

बैठक में जिलाधिकारी को जानकारी दी गई कि इस अभियान के तहत बक्सर जिले में अब तक कुल 45,516 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 33,392 आवेदनों का निष्पादन कर दिया गया है। निष्पादन की दर 84.30 प्रतिशत दर्ज की गई है। जिलाधिकारी ने इस पर संतोष जताते हुए शेष आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में यह भी उजागर हुआ कि आधारभूत संरचना से संबंधित योजनाओं की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी रही है। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को निष्पादन शत-प्रतिशत करने हेतु त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास योजनाओं में किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।

विभागीय भवन निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग बक्सर को निर्देशित किया कि अदफा डुमरांव स्थित 520 आसन्न क्षमता वाले अन्य पिछड़ा वर्ग बालिका प्लस टू आवासीय विद्यालय एवं पाण्डेयपट्टी स्थित सावित्रीबाई फुले बालिका छात्रावास के निर्माण कार्यों में शीघ्र गति लाई जाए।

इसी क्रम में, नवनिर्मित डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय, महदह बक्सर के 720 आसन्न क्षमता वाले भवन निर्माण कार्य की प्रगति पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने भवन निर्माण निगम लिमिटेड, पटना के कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में लंबित प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने यह भी कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है, ताकि छात्र-छात्राओं को उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षणिक सुविधाएं प्राप्त हो सकें।

बैठक में बक्सर के जिला कल्याण पदाधिकारी, अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी (बक्सर एवं डुमरांव), जिला पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी सहित सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति पर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया गया।

जिलाधिकारी ने अंत में कहा कि कल्याणकारी योजनाएं समाज के वंचित वर्गों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं की सफलता तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब जमीनी स्तर पर इनका प्रभावी क्रियान्वयन हो। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि योजनाओं को केवल कागजों तक सीमित न रखें, बल्कि सुनिश्चित करें कि लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक समय पर पहुंचे।

इस समीक्षा बैठक से यह स्पष्ट हो गया है कि जिलाधिकारी योजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए पूरी तरह गंभीर है और इसके लिए ठोस कदम भी उठाए जा रहे हैं। आगामी महीनों में इन निर्देशों के प्रभाव के रूप में योजनाओं की जमीनी स्थिति में सकारात्मक बदलाव देखने की उम्मीद की जा रही है।

किसानों ने नहर में पानी की आपूर्ति को लेकर भाजपा नेताओं संग उठाई आवाज

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल के केसठ और आसपास के गांवों के किसानों ने धान की रोपनी को लेकर उत्पन्न संकट पर आवाज बुलंद की है। इस क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा नहीं होने और नहरों में नियमित रूप से पानी की आपूर्ति नहीं होने के कारण किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं। इन समस्याओं को लेकर किसानों ने भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत तिवारी के साथ मिलकर भाजपा नेत्री प्रतिभा सिंह के नेतृत्व में पूर्व कृषि मंत्री एवं आरा सदर से वर्तमान विधायक अमरेंद्र प्रताप सिंह से मुलाकात की। किसानों ने बताया कि केसठ, रामपुर और चौगाईं क्षेत्रों की नहरों में समय पर और पर्याप्त पानी नहीं छोड़ा जा रहा है, जिससे खेतों में धान की रोपाई रुक गई है। किसानों ने रोष जताते हुए आरोप लगाया कि स्थानीय जनप्रतिनिधि उनकी समस्याओं को लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं। गांवों में कई किसान ऐसे हैं जिन्होंने धान की बिचड़ा तो डाल दी, लेकिन नहर में पानी नहीं आने से रोपाई नहीं हो पा रही है। बिजली की अनियमित आपूर्ति ने भी ट्यूबवेल के जरिए पटवन को मुश्किल बना दिया है। किसानों की इस चिंता को गंभीरता से लेते हुए अमरेंद्र प्रताप सिंह ने तत्काल बक्सर के जिलाधिकारी, सोन नहर परियोजना के कार्यपालक अभियंता एवं विक्रमगंज के इंजीनियरों से बात कर मामले से अवगत कराया। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि किसानों के लिए शीघ्र पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि कृषि कार्य प्रभावित न हो। अधिकारियों ने भी किसानों की समस्याओं को गंभीर मानते हुए त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि तकनीकी और प्रशासनिक बाधाओं को दूर कर जल्द ही नहरों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

इस पहल से क्षेत्र के किसानों को उम्मीद जगी है कि जल्द ही उनके खेतों तक पानी पहुंचेगा और धान की रोपाई दोबारा गति पकड़ेगी। किसानों ने भाजपा नेताओं का आभार जताया कि उन्होंने उनकी बात को सही मंच तक पहुंचाया और समाधान की दिशा में प्रयास किया।

राजस्व की बढ़ोतरी को लेकर डीसीएलआर ने कर्मियों के साथ की बैठक

केटी न्यज/डुमरांव

सरकार राजस्व की वृद्धि को लेकार काफी तत्पर है, लिहाजा इससे जुड़े प्रखंड, अंचल और नगर परिषद के कर्मियों को आदेश-निर्देश दिये जा रहे हैं। छोटे अधिकारियों व कर्मियों के साथ बड़े अधिकारी बैठक कर उन्हें राजस्व में कैसे वृद्धि होगी उसे बता रहे हैं। बुधवार को इसी को लेकर अंचल कार्यालय में डीसीएलआर ने प्रभारी सीओ के साथ राजस्व कर्मियों के साथ बैठक की। बैठक में प्रखंड और अंचल कर्मियों के साथ ही अमीन, पर्यवेक्षक, पंचायत सचिव ने भाग लिया। सभी का बताया गया की गुरूवार को 11 बजे दिन में प्रखंड कार्यालय के मिटिंग हॉल में बैठक होगी, जिसमें सभी का रहना अनिवार्य किया गया है। डीसीएलआर ने बैठक में सभी कर्मियों को बताया की सरकार राजस्व बढ़ाने पर जो दे रही है, यह किसी एक विभाग का काम नहीं है, इसमें सभी को मिलकर काम करना होगा। अनुमंडल से लेकर प्रखंड और अंचल तक के राजस्व कर्मचारी, अमीन, पर्यवेक्षक, पंचायत सचिव, नाजिर का सहयोग रहेगा। बैठक में आर ओ कुमार दिनेश ने भी सभी को संबोधित करते हुए बताया की प्रखंड और अंचल के कर्मी राजस्व वसूली में सक्रीयता से काम करेंगे। उन्होंने अपने कर्मियों से भी कहा की राजस्व वसूली में अभी से लग जाना है। अनुमंडल का प्रखंड है, ऐसे में हमें आगे रहते हुए काम करना होगा। सरकारी राजस्व की वसूली से पूरे राज्य को फायदा होता है, हमें आपसी सहयोग से राजस्व वसूली में लग जाना होगा।

ग्रामीणों के लिए राहत, चौगाई सीएचसी में शुरू हुई नियमित नेत्र जांच सेवा

केटी न्यूज/चौगाई

चौगाई के ग्रामीण अब आंखों की समस्याओं के लिए शहर की ओर नहीं दौड़ेंगे, क्योंकि राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम के तहत समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), चौगाई में प्रतिदिन नेत्र जांच सुविधा की शुरूआत हो गई है। इस नई स्वास्थ्य सेवा का विधिवत शुभारंभ बक्सर सदर अस्पताल के डीपीएम मनीष कुमार और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मितेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डीपीएम मनीष कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र रोगों की समय रहते पहचान और उपचार न होने के कारण अंधापन जैसी गंभीर समस्याएं सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से न केवल रोगों की पहचान संभव होगी, बल्कि सही समय पर इलाज भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि अब चौगाई सीएचसी में प्रतिदिन नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. आमिर प्रवेज और विजन तकनीकी सहायक उदयभानु सिंह अपनी सेवाएं देंगे। मरीजों को चश्मे से संबंधित सलाह और उपचार भी यहीं पर उपलब्ध कराया जाएगा।

उद्घाटन के पहले ही दिन इस सुविधा का ग्रामीणों ने लाभ उठाना शुरू कर दिया। कुल 25 मरीजों की आंखों की जांच की गई, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि लोगों में इस सेवा को लेकर काफी उत्साह है। डॉ. मितेंद्र कुमार ने कहा कि यह पहल दूर-दराज के लोगों के लिए वरदान साबित होगी। उन्होंने कहा कि अब ग्रामीणों को आंखों की सामान्य या गंभीर जांच के लिए शहर का रुख नहीं करना पड़ेगा, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी।

इस मौके पर डॉ. निशांत कुमार, बीएचएम चिंतामणि, बीसीएम विकास कुमार सिंह, प्रधान लिपिक अनिल कुमार, राजू कुमार सिंह, अनिल कुमार, मेहताब आलम समेत अन्य चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

स्वास्थ्य विभाग की यह पहल क्षेत्र में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और अंधापन जैसे संकट को रोकने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। आने वाले दिनों में इसके और भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

बिहार सरकार की शराबबंदी नीति को सख्ती से लागू करने की दिशा में प्रशासन लगातार सक्रिय

शराबबंदी को लेकर प्रशासन सख्त, सिमरी थाने में 748 लीटर शराब नष्ट

केटी न्यूज/सिमरी

बिहार सरकार की शराबबंदी नीति को सख्ती से लागू करने की दिशा में प्रशासन लगातार सक्रिय दिख रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को सिमरी थाना परिसर में छह अलग-अलग कांडों में जब्त कुल 748 लीटर देशी और विदेशी शराब का विधिवत विनष्टीकरण किया गया। इस कार्रवाई से यह स्पष्ट संकेत गया है कि प्रशासन शराबबंदी कानून को लेकर किसी भी तरह की ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है।

यह कार्रवाई जिला प्रशासन के स्पष्ट दिशा-निर्देशों के आलोक में की गई। शराब विनष्टीकरण की प्रक्रिया प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी अंचलाधिकारी भगवती शंकर पांडे और पुलिस पदाधिकारी एसआई राखी कुमारी की देखरेख में पूरी की गई। नष्ट की गई शराब विभिन्न आपराधिक मामलों में जब्त की गई थी, जिसे न्यायालय से आदेश प्राप्त होने के बाद तय प्रक्रिया के तहत नष्ट किया गया। शराब को खुले मैदान में लाकर नष्ट किया गया, ताकि भविष्य में इसका कोई दुरुपयोग न हो सके।

विनष्टीकरण के दौरान थानाध्यक्ष ज्योति कुमारी समेत कई पुलिसकर्मी व अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि शराबबंदी कानून को लेकर राज्य सरकार की नीति स्पष्ट है और इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं भी शराब निर्माण, बिक्री या तस्करी की सूचना मिले तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें। उन्होंने यह भी कहा कि शराबबंदी सिर्फ एक कानून नहीं, बल्कि सामाजिक सुधार का अभियान है, जिसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है।

एक नजर

धान की रोपनी करने गई महिला की करंट से मौत, एक घायल

बक्सर । इटाढ़ी थाना के मितनपुरवा गांव में बुधवार को धान की रोपनी के दौरान करंट लगने से 55 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी स्थिति अब स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, मितनपुरवा निवासी स्व. रामाधार राय की 55 वर्षीय पत्नी महदेइया देवी गांव की अन्य महिलाओं के साथ खेत में धान की रोपनी करने गई थीं। इसी दौरान खेत के पास बोरिंग का एक कटा हुआ विद्युत तार जमीन पर गिरा हुआ था, जिसमें करंट प्रवाहित हो रहा था। महदेइया देवी उसी की चपेट में आ गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वहीं, एक अन्य युवक भी करंट की चपेट में आकर घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही इटाढ़ी थानाध्यक्ष सोनू कुमार पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि यह हादसा खेत के समीप खुले में पड़े विद्युत प्रवाहित तार के संपर्क में आने से हुआ। मामले की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

चौसा प्रखंड कार्यालय में स्वच्छता सेवा की शुरूआत, जीविका दीदियों को मिला रोजगार

बक्सर । चौसा प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में स्वच्छता सेवा का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस पहल का संचालन आदर्श जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, चौसा द्वारा किया गया। इसका उद्देश्य कार्यालय परिसर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा ग्रामीण महिलाओं को सम्मानजनक एवं सतत रोजगार से जोड़ना है। 7इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक जीविका दयानिधि चौबे, प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार एवं प्रखंड परियोजना प्रबंधक शोभना गुप्ता की उपस्थिति रही। सभी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया एवं महिला सफाईकर्मियों को उनके कार्य के लिए प्रेरित किया। चयनित महिला सफाईकर्मियों को औपचारिक रूप से कार्यभार सौंपा गया। इनका चयन जीविका के संकुल स्तरीय संघ द्वारा पारदर्शी प्रक्रिया के तहत किया गया है। पर्यवेक्षक के रूप में महिला एवं पुरुष दोनों को नियुक्त किया गया है। सफाईकर्मियों को पूर्व में प्रशिक्षण दिया गया है तथा उन्हें आवश्यक सामग्री जैसे झाड़ू, फिनाइल आदि उपलब्ध कराए गए हैं। यह पहल स्वच्छता के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जो अन्य प्रखंडों के लिए भी एक अनुकरणीय मॉडल बन सकती है।

शराब की खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने थाना क्षेत्र के दखिनांव गांव से शराब की खेप के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से पांच लीटर देशी शराब भी बरामद किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान खखनु राय के रूप में की गई है। कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दखिनांव गांव में एक तस्कर शराब की तस्करी कर रहा है। इस सूचना पर उसके अड्डे पर छापेमारी कर पुलिस ने उसे रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को कागजी कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

बाढ़ की विभीषिका में घिरा चौसा, जनजीवन अस्त-व्यस्त, सड़कों से लेकर स्कूल तक हुआ जलमग्न

❍ प्रखंड की कई सड़कों पर बह रहा है बाढ़ का पानी, स्थिति और बिगड़ने की जताई जा रही है आशंका

केटी न्यूज/चौसा, बक्सर

चौसा प्रखंड में गंगा और उसकी सहायक नदियों के उफान ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया है। लगातार बढ़ते जलस्तर के चलते जहां एक ओर ग्रामीण इलाकों में लोगों का जीवन संकट में है, वहीं नगर क्षेत्र भी इसकी चपेट में आ गया है। गंगा के साथ-साथ कर्मनाशा नदी का जलस्तर भी तेजी से बढ़ रहा है, जिससे गांवों से लेकर नगर पंचायत तक, खेतों से लेकर स्कूलों और मुख्य सड़कों तक पानी का सैलाब फैल गया है।

सड़कें बनीं तालाब आवागमन बाधित

सबसे चिंताजनक स्थिति सड़कों की हो गई है। चौसा-मोहनिया पथ पर अखौरीपुर गोला के समीप सड़क पूरी तरह से जलमग्न हो गई है, जिससे आवागमन पर पूर्ण विराम लग गया है। वहीं चौसा-कोचस मार्ग पर बुधवार को कर्मनाशा के विकराल रूप धारण करने से करीब 50 फीट के क्षेत्र में आधा फीट पानी बहने लगा है। फिलहाल इस रास्ते से वाहन गुजर रहे हैं, लेकिन अगर यही स्थिति बनी रही, तो गुरुवार तक इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप हो सकता है।

स्थिति और बिगड़ने की आशंका

अगर बारिश और जलस्तर की यही गति बनी रही, तो आने वाले दिनों में चौसा प्रखंड की स्थिति और अधिक भयावह हो सकती है। प्रशासन को तत्काल प्रभाव से राहत एवं बचाव कार्य तेज करना होगा, ताकि जान-माल का अधिक नुकसान न हो सके।

फिलहाल चौसा प्रखंड बाढ़ की त्रासदी से गुजर रहा है। जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो चुका है और हालात हर बीतते दिन के साथ बिगड़ते जा रहे हैं। ऐसे में प्रशासनिक तत्परता और ठोस राहत व्यवस्था ही इस संकट से निजात दिला सकती है।

शिक्षा व्यवस्था पर भी असर

बाढ़ का असर अब शैक्षणिक गतिविधियों पर भी दिखने लगा है। सुरक्षा कारणों से चौसा प्रखंड के पांच विद्यालयों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इनमें बनारपुर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, उच्च विद्यालय, मध्य विद्यालय, अखौरीपुर गोला मध्य विद्यालय और सोनपा प्राथमिक विद्यालय शामिल हैं। इन स्कूल परिसरों में कर्मनाशा नदी का पानी भर जाने से बच्चों की पढ़ाई बाधित हो गई है। वहीं शिक्षकों को आसपास के सुरक्षित स्कूलों में स्थानांतरित कर दिया गया है, जिससे वे शैक्षणिक कार्यों से जुड़े रह सकें।

पंचायतों में पानी का कहर

चौसा अंचल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली नगर पंचायत चौसा समेत पांच पंचायतकृबनारपुर, सिकरौल, जलीलपुर, डिहरी और रामपुरकृबाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हैं। इन पंचायतों के कई गांवों में घरों तक पानी पहुंच चुका है। नगर पंचायत के वार्ड संख्या 1, 2, 4, 7 और 8 में हालात गंभीर हैं, जबकि गंगा किनारे बसे तटीय क्षेत्र पहले से ही जलमग्न हो चुके हैं। स्थानीय लोग चारों ओर से पानी से घिरे हुए हैं और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए नावों का सहारा लेना पड़ रहा है।

प्रशासनिक कार्य भी प्रभावित

नगर पंचायत कार्यालय जाने वाली मुख्य सड़क पर लगभग ढाई फीट पानी जमा हो चुका है। इस कारण से कर्मचारियों और अधिकारियों को कार्यालय पहुंचने में काफी परेशानी हो रही है। परिणामस्वरूप कई जरूरी प्रशासनिक कार्य बाधित हो रहे हैं, जिससे आम लोगों को सेवाओं के लिए भटकना पड़ रहा है।

कृषि और पशुपालन पर दोहरा संकट

बाढ़ ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। हजारों एकड़ में लगी धान की फसलें पानी में डूब गई हैं, जिससे भारी नुकसान हुआ है। कई किसानों ने कर्ज लेकर फसल लगाई थी, अब उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। इसके साथ ही पशुपालकों को मवेशियों के चारे की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। प्रभावित इलाकों में चारा उपलब्ध न होने से पशुओं की देखभाल एक बड़ी चुनौती बन चुकी है।

स्थानीय प्रशासन की तैयारी पर सवाल

बढ़ते संकट के बीच स्थानीय प्रशासन की तैयारियों पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। कई गांवों से लोगों ने शिकायत की है कि अब तक राहत शिविरों की कोई व्यवस्था नहीं की गई है और न ही खाद्यान्न या पीने के पानी की आपूर्ति हो पाई है। लोग खुद ही अपनी सुरक्षा के उपाय कर रहे हैं, जिससे प्रशासन की कार्यशैली पर नाराजगी बढ़ती जा रही है।

जलजमाव से नगरवासियों की बढ़ी परेशानी, नगर परिषद बना अनजान

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद सफाई में प्रतिमाह 90 लाख रूपया खर्च करता है, लेकिन डोर टू डोर सफाई करने में अक्षम साबित हो रहा है। जहां प्रतिदिन मोहल्लों और गलियों की सफाई प्रतिदिन होती है, वहीं हफ्ते भर कूड़ा पड़ा रह जाता है, लेकिन उसे उठाने के लिये मजदूर नहीं आते हैं। इसको लेकर नगर में नप के के खिलाफ तरह-तरह की बातें नगरवासी करते हैं। कोई कहता है कि मार्च 2025 तक सफाई में जहां 46 लाख रूपया खर्च होता था, वह एकाएक दोगुना कैसे हो गया। दोगुना सफाई पर खर्च करने के बाद भी लोगों की शिकायत दूर नहीं हो रही है। नगरवासियों की शिकायत है कि जब 46 लाख सफाई में खर्च होता था या अब 90 लाख हो रहा है तो व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं होकर समस्या और खड़ी हो गई है। शहर की नालियां जाम पड़ी हुई हैं, बारिश का पानी निकल नहीं पाता और जलजमाव की स्थिति का नगरवासियों को सामना करना पड़ रहा है। डुमरांव की संभ्रांत कॉलोनी टैक्सटाइल्स कॉलोनी की बात की जाए तो कुछ गलियों का पक्कीकरण तो किया गया, लेकिन नाली की व्यवस्था नहीं की गई, लिहाजा पानी रोड पर ही जमा हो जाता है, जिससे छोटे बच्चों और महिलाओं को बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। उसी तरह से निशा नगर की स्थिति बनी हुई है। जलजमाव होने से कई घर और दीवार गिर गए हैं, बावजूद नप इस पर कोई संज्ञान नहीं ले रहा है, लोग परेशानी झेलने पर मजबूर हैं। उसी तरह से सफाखाना रोड की मुख्य सड़क से लेकर आधा दर्जन गलियों में पानी जमा हो गया है। इस कॉलोनी शिक्षण संस्थानों की भरमार है, जहां सुबह-शाम छात्र-छात्राएं पढ़ने के लिये पहुंचते हैं, लेकिन जलजमाव होने के कारण उन्हें जूता, चप्पल खोलकर रोड पार कर जाना पड़ता है। रोड पार करते समय नीचे का का कपड़ा भींग जाता है। ऐसे में उन्हें भींगे हुए कपड़े के साथ क्लास करने पर मजबूर होना पड़ता है। कई छात्र-छात्राओं ने बताया की पानी में भींग घंटो पढ़ाई करने से कई बीमार पड़ गए हैं। इस तरफ नप का ध्यान ही नहीं है। इसी तरह से लाला टोली रोड, चारमोटिया ईनार सहित अन्य मोहल्लों की जलजमाव से स्थिति भयावह बनी हुई है। लोगों के इस बात को लेकर और आक्रोश है कि इस संबंध में कोई वार्ड पार्षद नगरवासियों के पक्ष में नहीं बोल रहा है। स्टेशन रोड में नयाथाना से लेकर रेलवे स्टेशन तक नाली का कहीं अतापता ही नहीं है, लिहाजा घर का पानी रोड पर तो बहता ही है, बारिश होने पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इस रोड में महरौरा मोड़ के पास जलजमाव इतना हो गया है की महीनों से रोड पर पानी बहता है, लेकिन इसको भी सुधार नहीं किया जा सका है, ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि 90 लाख रुपए खर्च होने के बाद शहर की सफाई व्यवस्था में कितनी कोताही सफाई एनजीओ के द्वार बरती जा रही है। नप के अधिकारी और वार्ड पार्षदों की चुप्पी से शहर में तरह-तरह की बातें हवा में तैर रही है। लोग अब आंदोलन की मूड बना रहे हैं।

मुख्य सड़क पर पेड़े गिरने से चंदा गांव में जनजीवन अस्त-व्यस्त, बिजली आपूर्ति भी ठप

केटी न्यूज/चक्की

चंदा गांव की मुख्य सड़क पर बीती रात एक बड़ा हादसा टल गया, जब करीब 12 बजे एक विशाल पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया। पेड़ गिरने की वजह से जहां सड़क से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया, वहीं बिजली के तार टूटकर पोखरे में गिरने से पूरे इलाके की विद्युत आपूर्ति भी ठप हो गई। यह घटना उस समय हुई जब अधिकांश लोग गहरी नींद में थे, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि यह घटना दिन के समय होती, तो गंभीर जान-माल की क्षति से इनकार नहीं किया जा सकता था, क्योंकि यह सड़क गांव की मुख्य संपर्क मार्ग है और यहां दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। गांव के ही निवासी संतोष नकुमार ने बताया कि रात में तेज आवाज सुनाई दी, जिसके तुरंत बाद बिजली चली गई। जब बाहर आकर देखा तो पाया कि पेड़ पूरी सड़क को अवरुद्ध कर चुका है और बिजली के तार पोखरे में गिर चुके हैं, जिससे और भी खतरा बढ़ गया है। सुबह 9 बजे तक न तो स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई राहत कार्य शुरू किया गया था और न ही बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची थी। इस लापरवाही को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। उन्होंने बताया कि घटना के तुरंत बाद ही विभागीय अधिकारियों को सूचित कर दिया गया था, बावजूद इसके कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। मुख्य सड़क बंद हो जाने से बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी हो रही है, वहीं राहगीर और अन्य ग्रामीण अपने दैनिक कार्यों के लिए बाहर नहीं जा पा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि पेड़ को अविलंब हटाकर आवागमन बहाल किया जाए और टूटे बिजली तारों को दुरुस्त कर बिजली आपूर्ति पुनः शुरू की जाए। हालांकि, शाम तक मजदूरों द्वारा टूटे पेड़ को हटाने की कवायद जारी थी। देर शाम ही बिजली के दर्शन हुए।

बक्सर में कांग्रेस पर्यवेक्षक मनीष यादव का जोरदार स्वागत, विस चुनाव की तैयारी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में आगामी विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी कड़ी में एआईसीसी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक व विधायक मनीष यादव के बक्सर आगमन पर कांग्रेस कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया। बक्सर परिषदन में आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकताओं ने पगड़ी और फूल मालाओं से उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने कहा कि बक्सर जिला कांग्रेस अब पूरी ताकत से चुनावी मैदान में उतरने को तैयार है। उन्होंने कहा, हर एक कांग्रेस कार्यकर्ता माननीय राहुल गांधी और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के निदेशों का पालन करते हुए एक सच्चे सिपाही की तरह काम करेगा। उन्होंने दोहराया कि पार्टी सांप्रदायिक और फिरकापरस्त ताकतों का डटकर मुकाबला करेगी।

डॉ. पांडेय ने कहा कि 38 वर्षों की सेवा में मैंने अनुशासन, मयार्दा और संगठन के संस्कार को प्राथमिकता दी है। गांव-गांव जाकर जनता से जुड़ना ही हमारी असली पूंजी है और आने वाले चुनाव में इसका असर साफ दिखेगा। उन्होंने कांग्रेस कार्यकताओं से स्वार्थी तत्वों से दूर रहने की अपील करते हुए संगठन की एकजुटता पर जोर दिया।

कार्यक्रम में प्रदेश प्रतिनिधि डॉ. प्रमोद ओझा ने भी सभी कांग्रेसजनों से एकता बनाए रखने और पार्टी के सिद्धांतों पर चलने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह समय है जब कांग्रेस कार्यकर्ता एक साथ खड़े हों और बक्सर में पार्टी को मजबूत बनाएं।

मनीष यादव का स्वागत करने वालों में वरिष्ठ नेता त्रिलोकी नाथ मिश्रा, भोला ओझा, संजय कुमार पांडे, वीरेंद्र राम, अजय यादव, राकेश यादव, त्रिजोगी नारायण मिश्रा सहित महिला कांग्रेस की अध्यक्ष निर्मला देवी, कुमकुम देवी, रूनी देवी और सोनू कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम में मौजूद कार्यकताओं में उत्साह और जोश साफ देखा गया।

धान की रोपनी के लिए तरस रहे किसान, नहरों में पानी की कमी और बिजली कटौती बना संकट

❍ किसानों ने दी आंदोलन की चेतावनी

केटी न्यूज/केसठ

बारिश की बेरुखी और नहरों में पर्याप्त पानी नहीं होने केसठ तथा आस पास के क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ गई है। पानी के अभाव में धान की रोपनी प्रभावित हो रही है। धान की खेती पर निर्भर यह इलाका इस समय खेती की सबसे अहम प्रक्रिया रोपनी में पिछड़ता जा रहा है, जिससे किसान आर्थिक और मानसिक रूप से टूटने लगे हैं।

किसानों का आरोप है कि नहरों में पानी की उपलब्धता होने के बावजूद जल संसाधन विभाग के अधिकारी मनमाने तरीके से पानी छोड़ रहे हैं। इस कारण न तो खेतों में समय से सिंचाई हो पा रही है, न ही धान की रोपनी तय समय पर पूरी हो पा रही है। कई किसानों ने बताया कि वे कई दिनों से अपने खेतों में पानी पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन या तो नहरों में पानी नहीं रहता, या फिर जब पानी आता है तब तक खेत की स्थिति बिगड़ चुकी होती है।

इसके अलावा, बिजली की अनियमित आपूर्ति ने भी किसानों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। डीजल पंप से खेतों में पानी भरना महंगा पड़ता है और बिजली की आंख-मिचौली के कारण ट्यूबवेल भी सुचारु रूप से नहीं चल पा रहे हैं। इससे हालात और खराब हो गए हैं।

आक्रोशित किसानों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जल प्रबंधन और बिजली आपूर्ति की समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे जल संसाधन विभाग के कार्यालय का घेराव करेंगे और अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेंगे। किसानों का कहना है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी ने उनकी समस्याओं को और गंभीर बना दिया है। उनका कहना है कि वे पिछले कई वर्षों से इसी तरह की समस्याओं से जूझते आ रहे हैं, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया।

किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि जल संसाधन विभाग के अधिकारी केवल कागजों पर योजनाएं बनाते हैं, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही होती है। उनका कहना है कि विभाग केवल दिखावे के लिए समय पर पानी छोड़ने की बात करता है, जबकि सच्चाई यह है कि समय और क्षेत्र के अनुसार जल वितरण असमान और अनियमित है।

इस संबंध में जल संसाधन विभाग के जूनियर इंजीनियर सुरेश कुमार ने बताया कि विभाग द्वारा नहरों में निर्धारित नियमों के अनुसार पानी छोड़ा जा रहा है ताकि सभी इलाकों के किसानों को बराबर लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि विभाग लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा है और जरूरत के अनुसार समन्वय किया जा रहा है।

फिलहाल, केसठ के किसान अपने हक की लड़ाई के लिए संगठित होने लगे हैं। यदि प्रशासन ने जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो यह मुद्दा आंदोलन का रूप ले सकता है, जिससे स्थिति और भी जटिल हो सकती है। ऐसे में जरूरत है कि संबंधित विभाग, जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधि मिलकर किसानों की समस्याओं का समय रहते समाधान करें, ताकि खेत भी बचे और किसान भी।

आपदा : नुक्कड़ नाटक जागो तभी सवेरा की कला प्रस्तुति से लोगों को किया जागरूक

केटी न्यूज/रोहतास

स्थानीय काराकाट बाजार स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय के प्रांगण में स्पैन इंटरनेशनल अनीसाबाद पटना बिहार की टीम के बैनर तले जब जागो तभी सवेरा थीम पर आधारित नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं आम लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के उपायों को लेकर जागरूक करना था। इस अवसर पर कलाकारों ने लू , आंधी, वज्रपात,बिजली हादसे, नहर या पोखर में डूबने जैसी आपदाओं से बचाव को लेकर सरल और व्यवहारिक सुझावों को मंचित किया। नुक्कड़ नाटक के जरिए आपदा प्रबंधन की बारीकियों को इस तरह प्रस्तुत किया गया कि छात्र-छात्राएं न केवल आकर्षित हुए बल्कि उसे गंभीरता से ग्रहण भी किया। कार्यक्रम में कलाकार सानाउल्ला खान, सुधांशु रंजन, बलिंद्र शर्मा, रागिनी कुमारी,सानिया परवीन और विकास कुमार समेत अन्य ने सराहनीय अभिनय करते हुए जीवन रक्षक संदेशों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से बताया गया कि प्राकृतिक आपदाओं से घबराने की जगह सतर्कता और सही जानकारी से जान-माल की हानि को रोका जा सकता है। नाटक के दौरान विद्यार्थियों ने भी सक्रिय भागीदारी दिखाई और प्रश्नोत्तर सत्र में उत्साह से भाग लिया। इस मौके पर राधा-रमेश बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीयकृत मध्य विद्यालय काराकाट के प्रधानाध्यापक, शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। सभी ने कार्यक्रम की सराहना की और इस तरह के आयोजन को समय-समय पर किए जाने की आवश्यकता जताई। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों ने विद्यार्थियों से कहा कि वे इन संदेशों को अपने परिवार और समुदाय में भी साझा करें, ताकि आपदा के समय हर व्यक्ति सजग और सुरक्षित रहे।

दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय विद्यालय मशाल कार्यक्रम संपन्न, प्रतिभागी छात्र हुए पुरस्कृत

रोहतास। दो दिवसीय मशाल कार्यक्रम का समापन किया गया। मंच संचालन मो.युसूफ अफरीदी,जितेंद्र कुमार सिंह तथा राम अवतार सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा विभाग और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। खेल प्रतियोगिता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महत्त्वकांक्षी सोंच है। यह कार्यक्रम सरकारी विद्यालयों के प्रतिभावन खिलाडियों को खोजने एवं उन्हें खेल के विभिन्न विधाओं में नये अवसर प्रदान करने हेतु आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अंडर 14 में कबड्डी बालक व बालिका फुटबॉल, बालक अंडर 16 में फुटबॉल बालक तथा बॉलीबॉल की विधाएं आयोजित की गई। सभी विधाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को रितेश कुमार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बिक्रमगंज द्वारा प्रमाण पत्र और पुरस्कार से सम्मनित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जयप्रकाश, मो. शमशाद अली, जितेंद्र कुमार सिंह, कुमार चंद्रशेखर,आनंद प्रकाश,चन्दन मिश्रा,अतहर खान,आशीष पाठक, अब्दुल रशीद,अभिमन्यु पटेल, नीरज राय,धर्मेंद्र कुमार, हरेराम कुमार,अजय कुमार सिंह,भरत प्रसाद साह, पिंकी सिंह,अनीता रानी,अजुमंद बानो,पिंकी सिंह,भास्कर सिंह,रमेश कुमार,अविनाश दत्त,विश्वनाथ मउवार,जाकिर हुसैन,पदमा रानी, अशोक कुमार सिंह,धर्मराज सिंह, अजीत कुमार सिंह,भरत साह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

एक नजर

भोजपुर में ट्रैफिक थाना भवन का निर्माण कार्य जोरों पर, माह के अंत तक होगा पूरा

आरा। जिले का ट्रैफिक थाना अब अपने भव्य और आधुनिक भवन में शिफ्ट होने जा रहा है। अगस्त माह के अंत तक इसका निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। फिलहाल कार्य अंतिम चरण में है और तय समयसीमा के भीतर इसे पूरा करने के लिए तेजी से काम चल रहा है। रंग-रोगन का कार्य पूर्ण हो गया है। पांच मंजिला जी 4 नवनिर्मित भवन में लिफ्ट की सुविधा दी जाएगी। भवन में कुल 32 कमरे बनाए गए हैं, जिनमें थाना संचालन से लेकर पुलिसकर्मियों के आवास तक की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं होंगी। इससे न केवल पुलिसकर्मियों को काम करने में सुविधा होगी बल्कि यातायात प्रबंधन की व्यवस्था भी मजबूत होगी। वर्तमान में ट्रैफिक थाना पकड़ी टीओपी से संचालित हो रहा है, जहां जगह और सुविधाओं की कमी के कारण कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। नए भवन के बन जाने के बाद यह समस्या खत्म हो जाएगी। नए भवन मिलने से न केवल पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि यातायात व्यवस्था और कानून-व्यवस्था पर भी बेहतर नियंत्रण किया जा सकेगा। करीब चार करोड़ 57 लाख रुपये की लागत से इस भवन का निर्माण किया जा रहा है। 23 फरवरी 2024 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने धरहरा के पास इसका शिलान्यास किया था। अधिकारियों का मानना है कि भवन मिलने के बाद थाना संचालन में तेजी आएगी और यातायात व्यवस्था में सुधार होगा। आरा में ट्रैफिक थाना का गठन 6 फरवरी 2018 को मुख्यालय के आदेश से किया गया था। इसके बाद से ही इसका संचालन पकड़ी टीओपी से किया जा रहा है। भवन निर्माण का काम पूरा होने पर लगभग सात साल बाद थाने को अपना स्थायी ठिकाना मिल जाएगा। जिले में आने वाले दिनों में पांच और थानों को अपने-अपने नए भवन मिलने वाले हैं। इनमें धोबहा, बिहिया, कृष्णागढ़, नारायणपुर और खवासपुर शामिल हैं। इन सभी भवनों के निर्माण पर कुल 30 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च होगी।बबुरा और गीधा थाना भवन के लिए फिलहाल जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। उम्मीद है कि आने वाले समय में इनका भी निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। बीते वर्ष 2024 में जिले के करनामेपुर, चांदी और हसनबाजार थानों को नए भवन मिले थे। इसके अलावा धोबहा, कृष्णागढ़, गीधा, सिन्हा और बबुरा ओपी को थाना के रूप में अपग्रेड किया गया था। फिलहाल भोजपुर जिले में कुल 38 थाना और ओपी हैं, जिनमें कई अभी भी निजी भवनों या अन्य सरकारी भवनों से संचालित हो रहे हैं। उदाहरण के तौर पर कृष्णागढ़ थाना किराए के भवन, धोबहा थाना यात्री शेड, यातायात थाना पकड़ी पुलिस चौकी और नारायणपुर थाना सिलाई केंद्र से संचालित हो रहा है।

संझौली पुलिस ने 30 लीटर देसी शराब किया बरामद,कारोबारी फरार

संझौली। संझौली पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के घोपतपुर गांव से 30 लीटर देसी शराब बरामद किया है। हालांकि पुलिस की भनक लगते ही कारोबारी मौके से फरार हो गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष शिव कुमार मंडल ने बताया कि शराब तस्करी की सूचना पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घोपतपुर गांव में छापेमारी की। मौके से 30 लीटर देसी शराब बरामद की गई, लेकिन तस्कर पुलिस की मौजूदगी से पहले ही भाग निकला। फरार कारोबारी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है और किसी भी हाल में इस तरह की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जल्द ही कारोबारी की गिरफ्तारी कर उसे कानून के हवाले किया जाएगा।

पानी प्लांट के विस्तार से बड़हरा प्रखंड में युवाओं को मिलेंगे रोजगार

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के छात्र साहिल कुमार कौशिक पीजी की परीक्षा पास कर नौकरी नहीं की। बल्कि दूसरों को नौकरी देने का रास्ता तलाशा। बैंक से फाइनेंस कराकर बड़हरा प्रखंड के सरैया रोड के समीप जादोपुर में खुद का पानी का प्लांट लगा दिया। यह प्लांट करीब 2700 स्क्वायर फीट में फैला है। इस प्लांट में प्रति घंटा दो हजार पानी की बोतल तैयार की जाती है। बातचीत उन्होंने बताया कि एनोन मिनरल वाटर के नाम से प्रोजेक्ट लगाया गया है। इस प्रोजेक्ट में मिनरल वाटर तैयार कर बोतल में भरा जाता है। इस प्लांट से आसपास के ग्रामीण लोगो को रोजगार मिल रहा है। प्लांट के उद्घाटन में पूर्व विधायक इंद्रेश विक्रम सिंह, अजीत कुमार सिंह, डॉक्टर शैलजा सिंह, डॉ कमल कुमार सिंह, डॉ रमाशंकर, डॉ पदमा ओझा, चंद्रभानू गुप्ता और हरे राम सिंह सहित कई शामिल थे।

बाढ़ से घिरे बड़हरा के दर्जनों गांव, राम बाबू सिंह ने किया दौरा, प्रशासन से राहत की मांग

केटी न्यूज/आरा

बड़हरा प्रखंड के गंगा किनारे बसे गांव एक बार फिर बाढ़ की चपेट में आ रहे हैं। गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से बड़हरा पंचायत के बड़हरा, एकावना, केशोपुर, नेकनाम टोला, नथमलपुर, सबलपुर, ज्ञानपुर, ज्ञानपुर सेमरिया, मरहा, छीने गांव, गाज़ियापुर, ध्रुव टोला, फरहदा, सरैया, मिल्की, परशुरामपुर, नरागदा, पिपरपाती, केवटीया, सलेमपुर, धोबहा और करजा जैसे दर्जनों गांवों में पानी भर गया है। इससे ग्रामीणों में दहशत और चिंता का माहौल है। राजद के युवा नेता राम बाबू सिंह उर्फ अशोक कुमार सिंह लगातार इन बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और हालात की निगरानी कर रहे हैं। बुधवार को उन्होंने सलेमपुर, बाघा गोला तेतरिया, मनीपुर का टोला, नेकनाम टोला और केशोपुर का दौरा किया। जहां तक वाहन पहुंच सका वहां तक गाड़ी से, और फिर बाकी क्षेत्रों में नाव से पहुंच कर उन्होंने स्थिति का जायजा लिया। दौरे के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनका हालचाल जाना और भरोसा दिलाया कि वे इस आपदा की घड़ी में अकेले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पूरी टीम लगातार लोगों के संपर्क में है और हरसंभव सहायता पहुंचाई जा रही है। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के हालात की जानकारी लेकर राम बाबू सिंह ने बड़हरा अंचलाधिकारी से मुलाकात की और मांग की कि बाढ़ में फंसे लोगों के लिए सामुदायिक रसोई, दवाइयां, जानवरों के लिए चारा, त्रिपाल, बांस का बल्ला और अन्य जरूरी सामग्री तुरंत मुहैया कराई जाए। उन्होंने बताया कि जानवर भूख से बेहाल हैं और मवेशियों के लिए चारे का अभाव गंभीर समस्या बन चुकी है। उन्होंने निचले इलाकों में नाव की भी मांग की, ताकि लोगों का आना-जाना सुरक्षित हो सके।

जल्द पहुंचेगी राहत, प्रशासन कर रहा तैयारी

राम बाबू सिंह से मुलाकात के बाद बड़हरा अंचलाधिकारी ने भरोसा दिलाया कि प्रशासन राहत कार्य को लेकर पूरी तरह गंभीर है और तेजी से तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि ह्लबहुत जल्द राहत सामग्री गांवों तक पहुंचाई जाएगी और प्रशासन की टीमों को भी सक्रिय कर दिया गया है।

गुरुवार से शुरू होगी भोजन वितरण योजना

राम बाबू सिंह ने बताया कि गुरुवार से उनकी टीम और राजद कार्यकर्ता मिलकर बाढ़ पीड़ितों के लिए भोजन बनाएंगे और पैकेट तैयार कर उसका वितरण करेंगे। इससे पहले भी वे हर आपदा में सक्रिय रूप से लोगों की मदद करते रहे हैं। राम बाबू सिंह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का निर्देश है कि पार्टी के कार्यकर्ता हर आपदा की घड़ी में जनता के साथ खड़े रहें। उन्होंने कहा, ह्लहम अपने नेता के उस निर्देश का पालन करते हुए पूरी संवेदनशीलता और तत्परता से जनता की सेवा में लगे हैं। गांवों में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है और आवागमन के साधन सीमित हैं। लोगों को नावों का सहारा लेना पड़ रहा है, लेकिन नावों की संख्या भी कम है। ऐसे में प्रशासन की त्वरित कार्रवाई ही लोगों को राहत दे सकती है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य पर विशेष प्रेक्षक ने की समीक्षा बैठक

आरा। आज विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के संदर्भ में भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा नियुक्त विशेष प्रेक्षक, निर्वाचक सूची श्री नजमुल होदा की अध्यक्षता में भोजपुर जिले के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्ष/सचिव/प्रतिनिधि के साथ समाहरणालय सभागार, आरा में समीक्षा बैठक की गई। बैठक का उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा करना एवं राजनीतिक दलों से सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त करना था। बैठक में उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने पुनरीक्षण प्रक्रिया की पारदर्शिता, समग्रता एवं निष्पक्षता पर संतोष व्यक्त किया तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप चल रहे कार्य की सराहना की। प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रत्येक गतिविधि के संबंध में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी द्वारा लगातार सूचनाएं साझा की जा रही हैं, जिससे सभी पक्षों को अद्यतन जानकारी मिल रही है।इस अवसर पर विशेष प्रेक्षक श्री नजमुल होदा ने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे मतदाता सूची में सुधार, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, तथा मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपित करने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि आगामी चुनावों में त्रुटिरहित एवं अद्यतन मतदाता सूची तैयार की जा सके। इसके साथ ही, निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार सभी दलों से बीएलए-2 की नियुक्ति अतिशीघ्र करने की अपील भी की गई। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी श्री तनय सुल्तानिया, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता ,उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी सेविका सहायक ने की मानदेय बढ़ाने की मांग में प्रदर्शन

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट। प्रखंड मुख्यालय स्थित सीडीपीओ के ऑफिस पर आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के बैनर तले सेविका सहायिका के द्वारा अपने मांग के समर्थन में प्रदर्शन किया गया। जिसमें सेविका सहायिका को दैनिक मजदूरी के जैसा वेतन लागू नहीं हुआ संघ के द्वारा बार-बार मांग करने पर अभी बिहार में आंगनबाड़ी सेविका को मात्र 7000 एवं सहायिका को मात्र 4000 मानदेय मिलते हैं। जबकि आंगनबाड़ी स्थापना के बाद नियुक्त हुए अन्य कर्मचारियों को दैनिक मजदूर का दर्जा मिल गया है। जबकि आंगनबाड़ी स्थापना के बाद नियुक्त हुए अन्य कर्मचारियों के दैनिक मजदूर का दर्जा मिल गया है उनका मानदेय 25000 मिलता है विभाग और सरकार आंगनवाड़ी से बराबर अन्य कार्य विवरण किया करती है । आंगनबाड़ी सेविकाओं का कार्य करने को 4 घंटे का है पर अन्य कार्यों में लगभग 10 घंटा कार्य लिया जाता है। विभाग द्वारा मोबाइल कई वर्षों से खराब है फिर भी पोषण ट्रैकर पर कार्य लिया जाता है फर्स कराया जाता है और ऊपर से मैट्रिक पास बहाली हुई है उसके बाद भी सभी गांव में बी एल ओ का कार्य दिन-रात मानसिक दबाव देकर कराया जाता है बिहार आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के निर्माण अनुसार सेविकाओं की मांग के समर्थन में दिनांक 6 अगस्त 2025 को परियोजना कार्यालय पर धरना दिया गया। आंगनवाड़ी सेविकाओं को सरकारीकरण किया जाए। (गुजरात हाई कोर्ट के निर्णयनुसार, सुप्रिम कोर्ट के निर्णयानुसार ग्रेच्यूटी लागू किया जाए) जब तक सरकारी करण नहीं किया जाता है। तबतक अन्य एन.डी.ए. शासित राज्यों के अनुरूप मानदेय बढ़ोतरी की जाए। सभी एनडीए शासित राज्यों में लगभग 15 हजार रुपये का मानदेय है। हमारी मानदेय भी एनडीए सरकार के जैसे बढ़ने होंगे। मांग नहीं माने जाने पर 12 और 13 अगस्त 2025 को पटना में माननीय मुख्यमंत्री बिहार सरकार के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जाएगा धरना के दिन आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहेंगे। धरना प्रदर्शन में मौके पर गीता देवी, रामवती देवी, उर्मिला देवी, संगीता देवी, निर्मला कुमारी, आशा देवी, रूपा कुमारी, वंदना कुमारी, मंजू देवी सहित सैकड़ो सेविका और सहायिका ने भाग लिया।

बिहार : आरा और मुजफ्फरपुर में पकड़ी गई शराब की बड़ी खेप

- **तस्करी में शामिल थे दिल्ली-हरियाणा और पटना के तस्कर**

केटी न्यूज/रोहतास

आरा। शराबबंदी वाले बिहार में पुलिस और उत्पाद विभाग की टीम को दो जिलों में बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने मुजफ्फरपुर और आरा में शरा की बड़ी खेप पकड़ी है। मुजफ्फरपुर जिले के पियर थाना पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए विदेशी शराब के साथ दिल्ली और हरियाणा के दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पियर थाना क्षेत्र के बरियारपुर गांव के पास जांच अभियान के तहत पुलिस ने एक स्कॉर्पियो और एक टाटा पंच कार को रोककर जब तलाशी ली तो दोनों गाड़ियों से कुल 726 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। कार में सवार दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिल्ली के नजफगढ़ थाना क्षेत्र के ढोसा गांव निवासी ललित डागर और हरियाणा के रोहतक जिले के अर्बन स्टेट थाना क्षेत्र स्थित रामगोपाल कॉलोनी निवासी नितिन के रूप में की गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से दो कार, दो फर्जी नंबर प्लेट और तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। पूरे मामले को लेकर पियर थाना प्रभारी पंकज यादव ने बताया कि इस मामले में पियर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे आरोपियों से पूछताछ कर उनके नेटवर्क की जांच कि जा रही है।

आरा में बिना नंबर की कार से विदेशी शराब बरामद

इधर भोजपुर जिले में उत्पाद एवं मध्य निषेध विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। उत्पाद एवं मध्य निषेध के सहायक आयुक्त रजनीश को मिली गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने बक्सर-पटना फोर लेन पर ओवर ब्रिज के पास एक बिना नंबर प्लेट की सेंट्रो कर से 207 लीटर विदेशी शराब बरामद की है।

वाहन जांच के दौरान पकड़ी गई गाड़ी

बताया जा रहा है कि उत्पाद विभाग की टीम फोरलेन पर वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी, तभी पुलिस को देखकर कार के ड्राइवर ने गाड़ी को मुड़ाया और भागने लगा। इसका पीछा करते हुए पुलिस ने उसको पकड़ लिया। आरोपी की पहचान पुष्प रंजन कुमार पिता कमल राय खुसरूपुर थाना खुसरूपुर जिला पटना के रूप में हुई है।

इस खास मौके को लेकर कस्बों से लेकर गांवों तक उत्साह का माहौल

भाई-बहन के रिश्ते की पवित्रता,स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन

केटी न्यूज/रोहतास

बिक्रमगंज। भाई-बहन के रिश्ते की पवित्रता, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व 9 अगस्त को पूरे बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र में हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। इस खास मौके को लेकर कस्बों से लेकर गांवों तक उत्साह का माहौल है। हर गली,हर चौक,हर बाजार रक्षाबंधन की तैयारियों में रंगा हुआ नजर आ रहा है। बाजारों में रौनक देखते ही बन रही है। रंग-बिरंगी राखियों से दुकानें सजी हैं,जिनमें पारंपरिक रेशमी धागों से लेकर बच्चों के लिए कार्टून राखियों और डिजाइनर राखियों तक की भरमार है। दुकानदारों के चेहरे पर रक्षाबंधन की चहल-पहल से रौनक लौट आई है। मिठाइयों की दुकानों पर भी खास तैयारी की गई है। काजू कतली,बर्फी,लड्डू और गुलाब जामुन की मांग चरम पर है। छोटे बच्चों से लेकर वृद्ध महिलाएं तक बहनों में जोश और भावनात्मक लगाव झलकता नजर आ रहा है। बहनें राखियों के साथ पूजा की थाल सजाने और भाई के पसंद की मिठाइयों का इंतजाम करने में लगी हुई हैं। वहीं भाई भी अपनी बहनों को खास तोहफे देने की तैयारी कर रहे हैं। बिक्रमगंज, काराकाट, नासरीगंज, दिनारा, राजपुर, सूर्यपुरा, दावथ व संझौली सहित पूरे अनुमंडल क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में भी रक्षाबंधन को लेकर विशेष तैयारी है । भाई-बहन के रिश्तों को समर्पित यह त्योहार केवल घरों तक सीमित नहीं रहा। अब यह समाज में प्रेम,सम्मान और एकता का संदेश भी देने लगा है। कुछ सामाजिक संगठनों ने वृद्धाश्रमों और अनाथालयों में जाकर वहां रहने वालों के साथ रक्षाबंधन मनाने की योजना बनाई है,ताकि इस पर्व की मिठास समाज के हर कोने तक पहुंच सके। रक्षाबंधन सिर्फ एक धागा नहीं बल्कि भावनाओं की डोर है। जो एक उम्र तक भाई-बहन को जोड़ती है और ये डोर कभी नहीं टूटती ।

बाढ़ के पानी में डूबने से घर के बाहर खेल रहे बच्चे की मौत

- **इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में तोड़ा दम**

केटी न्यूज/आरा

जिले के सिन्हा थाना क्षेत्र के गजियापुर गांव में बुधवार की दोपहर बाढ़ के पानी में डूबने से घर के बाहर खेल रहे मासुम बच्चे की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृत बच्चा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बरौली गांव निवासी रामरहन बिंद उर्फ मुसाफिर बिंद का 3 वर्षीय पुत्र सूरज कुमार है। इधर, मृत बच्चे के दादा सरिखन प्रसाद ने बताया कि एक माह पूर्व मां व बहन के साथ सिन्हा थाना क्षेत्र के गजियापुर गांव अपने ननिहाल घूमने गया था और राखी बाद वापस आने वाला था। गंगा का जलस्तर बढ़ जाने के कारण पूरे गांव बाढ़ का पानी भर गया है। बुधवार की दोपहर वह खेलने के लिए घर से बाहर निकल गया। घर से कुछ दूरी पर ही बाढ़ का पानी आया हुआ है। वह उसी पानी में डूब गया। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने जब उसे डूबता देख तो स्थानीय ग्रामीण सहयोग से उसे पानी से बाहर निकल गया। इसके बाद परिजन अपनी संतुष्टि को लेकर उसे आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पर परिजन उसे वापस गांव ले गए। उसके बाद उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी।सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंचे शव अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृत बच्चा अपने एक भाई व एक बहन में बड़ा था एवं अपने मां-बाप का इकलौता चिराग था। उसके परिवार में मां मुन्नी देवी एवं एक बहन पार्वती है। घटना के बाद मृत बच्चे के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृत बच्चे की मां एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

चेतावनी स्तर को पार कर अब खतरे के निशान के बेहद करीब

गंगा की बाढ़ से मचा हाहाकार, कई स्कूलों में घुसा पानी, पढ़ाई-लिखाई ठप

गांवों में भी हालात भयावह, घर-खेत डूबने लगे

सदर प्रखंड के कुतलूपुर, जफरनगर और तारापुर दियारा क्षेत्र के कई गांवों में गंगा का पानी घुस चुका है। निचले इलाकों में घर और खेत जलमग्न हो चुके हैं, जिससे ग्रामीणों के जीवन पर संकट गहराता जा रहा है। कई लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं तो कुछ लोग उंचे स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हैं।

बाढ़ का कहर, डूबने से दो लोगों की मौत

मुंगेर जिले में बाढ़ ने एक बार फिर जानलेवा रूप ले लिया है। जिले के अलग-अलग प्रखंडों में बाढ़ के पानी में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई है। जबकि एक बच्ची की हालत गंभीर बनी हुई है और उसे भागलपुर के मायागंज अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, पहली घटना हवेली खड़गपुर प्रखंड के अग्रहण पंचायत अंतर्गत सठबिग्गी गांव की है। यहां के निवासी सुशांत कुमार (25) सरसों की पेराई करने के बाद साइकिल से घर लौट रहे थे। रास्ते में सड़क किनारे बने एक गड्ढे में भरे बाढ़ के पानी में वे अचानक गिर गए और डूबने से उनकी मौत हो गई।

एजेंसी/पटना

विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने बताया कि स्थिति की गंभीरता से जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को सूचित कर दिया गया है। हालांकि शिक्षकों ने विद्यालय तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन परिसर में भरे पानी के कारण कक्षा कक्ष तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो गया है। जिले में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे बाढ़ जैसे हालात बनते जा रहे हैं। बुधवार को गंगा का जलस्तर 39.13 मीटर दर्ज किया गया, जो चेतावनी स्तर को पार कर अब खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच चुका है। इस कारण न केवल खेत-खलिहान जलमग्न हो रहे हैं, बल्कि शैक्षणिक संस्थानों का भी संचालन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। गंगा के बढ़ते प्रभाव से मुंगेर शहरी क्षेत्र के हेरुदियारा स्थित मध्य विद्यालय सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहां तीन से चार फीट तक बाढ़ का पानी विद्यालय परिसर में जमा हो गया है। पानी इस कदर भर गया है कि शिक्षक विद्यालय के अंदर प्रवेश करने से डर रहे हैं। नतीजन, विद्यालय में पठन-पाठन पूरी तरह से बाधित हो गया है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने बताया कि स्थिति की गंभीरता से जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (सर्व शिक्षा अभियान) और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को सूचित कर दिया गया है। हालांकि शिक्षकों ने विद्यालय तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन परिसर में भरे पानी के कारण कक्षा कक्ष तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो गया है।

एक नजर

सड़क हादसे में एक युवक की मौत

मधेपुरा। बिहार के मधेपुरा जिले के मुरलीगंज थाना क्षेत्र के पड़वा नवटोल के पास NH-107 पर मंगलवार शाम एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि उनकी छोटी बहन गुड़िया कुमारी (20) गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक की पहचान श्रीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलासद्दी वार्ड संख्या दो के निवासी कुमोद कुमार झा के बेटे गौरव कुमार (21) के रूप में हुई।परिजनों के अनुसार गौरव कोटा में मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था और हाल ही में घर लौटा था। मंगलवार को वह अपनी बहन गुड़िया को मधेपुरा में स्नातक द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा दिलाने ले गया था। परीक्षा के बाद दोनों बाइक से घर लौट रहे थे, तभी पड़वा नवटोल के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।हादसे में गौरव को सिर में गंभीर चोटें आई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तुरंत जननायक कपूरी ठाकुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने गौरव को मृत घोषित कर दिया। गुड़िया का इलाज अस्पताल में चल रहा है और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। गौरव तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। उनके पिता कुमोद झा एक किसान हैं। गौरव के चाचा अनिल कुमार झा ने बताया कि गौरव स्वभाव से शांत और पढ़ाई में मेधावी था। उसका सपना डॉक्टर बनना था।

कमजोर दीवार अचानक सड़क की ओर गिरने से हुआ हादसा

चहारदीवारी गिरने से पांच मासूम बच्चे घायल, दो की हालत नाजुक

घायलों में तीन बच्चियों सहित दो बालक

घायलों की पहचान अदिति कुमारी (4) पिता रोशन कुमार, अनुराधा कुमारी (5) पिता गंगा पासवान, शिवानी कुमारी (5) पिता जयप्रकाश कुमार, ऋषभ कुमार (4) और मोहम्मद आरिफ (4) पिता नदीम अंसारी के रूप में की गई है। इनमें से मोहम्मद आरिफ की स्थिति गंभीर बताई जा रही है और उसे बेहतर इलाज के लिए सीतामढ़ी रेफर किया गया है।

एजेंसी/शिवहर

शिवहर जिले के पिपराही थाना क्षेत्र अंतर्गत मेसौढ़ा गांव में बुधवार की दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें चहारदीवारी गिरने से पांच मासूम बच्चे घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे गांव में अफरातफरी का माहौल बन गया। घायलों में एक बच्चे की स्थिति गंभीर होने के कारण उसे सीतामढ़ी सदर अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बारे में बताया गया कि गांव के निवासी केश्वर साह द्वारा एक नए मकान के निर्माण के लिए चहारदीवारी बनाई गई थी, जिसे अधूरा छोड़ दिया गया था। बुधवार की दोपहर अचानक एक बंदर घर के कैंपस में घुस आया। उसे देखने के लिए गांव के कई छोटे बच्चे और किशोर जमा हो गए। कुछ किशोर चहारदीवारी पर चढ़कर बंदर को देखने लगे। तभी अस्थायी और कमजोर दीवार अचानक सड़क की ओर गिर गई, जिसकी चपेट में पास में खड़े पांच मासूम बच्चे आ गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। गांववाले दौड़कर मौके पर पहुंचे और तुरंत बच्चों को मलबे से बाहर निकाला। आसपास के लोग, महिलाएं और बुजुर्ग मंदिर की ओर भागते हुए पहुंचे। कुछ ही देर में भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। भाजपा नेता रामबाबू गुप्ता ने घायलों को फौरन सरोजा सीताराम सदर अस्पताल में पहुंचाने में मदद की। वहां सभी घायलों का इलाज जारी है। मौके पर पहुंचे लोगों ने अस्पताल प्रशासन से तुरंत इलाज शुरू करने की अपील की और स्थानीय प्रशासन से निर्माण कार्य में लापरवाही की जांच की मांग की।

शिक्षक की हैवानियत पांच छात्राओं की बेरहमी से की पिटाई

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सन्हौला प्रखंड के मध्य विद्यालय मडड्वा में मंगलवार को सहायक शिक्षक संजय कुमार साह ने कक्षा में पढ़ रही पांच छात्राओं की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिसके चलते सभी छात्राएं बेहोश हो गईं। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और अभिभावकों ने स्कूल में तालाबंदी कर दी और आरोपी शिक्षक को बर्खास्त करने की मांग की।बताया जा रहा है कि छात्राएं स्कूल की प्रार्थना सभा में शामिल हो रही थीं, तभी शिक्षक संजय साह ने बिना किसी उकसावे के उनकी पिटाई शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों और छात्राओं के अनुसार, शिक्षक ने बाल पकड़कर उन्हें जमीन पर पटक दिया और गर्दन पर मुक्के मारे। पिटाई से घायल छात्राओं को तत्काल सन्हौला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

पटना में मुठभेड़, फायरिंग कर भाग रहे कुख्यात को पुलिस ने मारी गोली

एजेंसी/पटना

पटना के फुलवारीशरीफ में बुधवार की अहले सुबह पुलिस और कुख्यात अपराधी रौशन कुमार के बीच मुठभेड़ हुई। रौशन पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहा था। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो एक गोली रौशन के पैर में लगी है। वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे आननफानन में एम्स में भर्ती करवाया। यहां से उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। वहां पर उसका इलाज चल रहा है। फुलवारीशरीफ थाना अध्यक्ष घटना की पुष्टि की। पुलिस का कहना है कि रौशन को गिरफ्तार कर पुलिस कुरकुरी के रास्ते फुलवारीशरीफ ला रही थी। इसी दौरान उसने भागने की कोशिश की। इतना ही नहीं सिपाही का हथियार छीनकर पुलिस पर फायरिंग भी किया। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की। इसमें रौश कुमार के पैर में गोली लगी। घटना के बाद मौके पर एफएसएल टीम द्वारा जांच की जा रही है। आसपास के कई थानों की पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन में जुटी है। पुलिस का कहना है कि रौशन पर हत्या, आर्म्स एक्ट जैसे मामले दर्ज हैं। इतना ही नहीं रामकृष्ण नगर इलाके कृपा शंकर नाम के युवक की हत्या के मामले में भी वह फरार चल रहा था। रौशन शर्मा पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस पूछताछ में उसने कई अहम खुलासे किए हैं। उसकी निशानदेही पर पटना पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार और गोलियां बरामद और एक मिनी गन फैक्ट्री का भी भंडाफोड़ किया गया है। पुलिसिया पूछताछ में उसने अपने सहयोगी के बारे में भी जानकारी दी। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है।

तबादले की चाह रखने वाले शिक्षकों के लिए खुशखबरी

शिक्षकों का म्यूचुअल ट्रांसफर पोर्टल पर आज से आवेदन प्रक्रिया हुई शुरू

एजेंसी/पटना

इस दिन तक कर सकते हैं रजिस्ट्रेशनबिहार के शिक्षकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। शिक्षा विभाग ने म्यूचुअल ट्रांसफर के लिए ई-शिक्षा पोर्टल आज शाम 4 बजे से फिर से खोल दिया है, जिससे शिक्षक अपने तबादले के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह पोर्टल एक महीने तक खुला रहेगा, जिससे सभी शिक्षकों के पास आवेदन करने के लिए पर्याप्त समय होगा।बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने इस बात की पुष्टि की है कि यह पोर्टल विशेष रूप से उन शिक्षकों के लिए फायदेमंद होगा जो पिछली बार ट्रांसफर प्रक्रिया में पीछे रह गए थे। म्यूचुअल ट्रांसफर के तहत एक ही संवर्ग और विषय के शिक्षक अपने-अपने पदों का आपस में आदान-प्रदान करते हैं। दोनों पक्षों के ऑनलाइन आवेदन के बाद, यदि नियमों के अनुसार सब कुछ सही पाया जाता है, तो दोनों शिक्षकों का ट्रांसफर एक-दूसरे के स्कूल में हो जाता है। इससे शिक्षक अपनी इच्छानुसार स्थान पर सेवाएं दे सकेंगे।इस बार शिक्षा विभाग ने पोर्टल की सुरक्षा और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए तकनीकी सुधार किए हैं।

बेतिया में महावीरी जुलूस से पहले चौगा लाने पर पथराव, एक दर्जन लोग घायल

एजेंसी/बेतिया

पश्चिम चंपारण के मझौलिया थाना क्षेत्र स्थित परसा दुमरिया गांव में महावीरी अखाड़ा जुलूस से पहले तनाव का महौल फैल गया। घटना उस वक्त की है, जब चौगा (साज-सज्जित वाहन) लाने के दौरान उपद्रवियों ने अचानक पथराव कर दिया। इस हमले में करीब 12 ग्रामीण घायल हो गए, जिनमें कुछ की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।जानकारी के मुताबिक, घटना 5 अगस्त 2025 की शाम करीब 7 बजे की है, जब सुगौली से चौगा लगा वाहन परसा दुमरिया गांव लाया जा रहा था। वाहन जैसे ही गांव के पास पहुंचा, कुछ उपद्रवियों ने उस पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। यह घटना अचानक हुई, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।घटना की सूचना मिलते ही बेतिया पुलिस ने तुरंत मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर स्थिति को नियंत्रित किया। पश्चिम चंपारण एसपी के निर्देश पर परसा दुमरिया गांव में सदर-1 के पुलिस पदाधिकारी, अंचल पुलिस निरीक्षक, मझौलिया थाना प्रभारी एवं अन्य बलों की टीम भेजी गई। घायलों को स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है, हालांकि कुछ लोगों को आगे इलाज के लिए रेफर भी किया गया है।घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि इस पथराव कांड में शामिल उपद्रवियों की पहचान की जा रही है और प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। घटनास्थल पर शांति बनी हुई है, और पुलिस गांव में कैंप कर रही है ताकि कोई दोबारा माहौल खराब न कर सके। बेतिया पुलिस ने स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और कहा है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें।

सहरसा में बुजुर्ग का शव बरामद होने से मची सनसनी शरीर पर जख्म के निशान

सहरसा। सहरसा के सोनवर्षा कचहरी थाना क्षेत्र में पाया नंबर 34/9 के पास रेलवे ट्रैक के समीप लगभग 55 वर्षीय बुजुर्ग का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान सुपौल जिले के छातापुर निवासी जगदेव डिलवार के रूप में हुई है। शव पर एक हाथ कटा हुआ, दूसरा हाथ टूटा हुआ है और दाढ़ी सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर जख्म के निशान पाए गए हैं। स्थानीय लोगों ने शव देखकर तुरंत सोनवर्षा कचहरी पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में थानाध्यक्ष अंजली भारती ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि बुजुर्ग की मौत ट्रेन से गिरने के कारण हुई है। हालांकि, शरीर पर जख्म के निशान और कटे हुए हाथ को देखते हुए अन्य संभावनाओं की भी जांच की जा रही है।

21 हजार से अधिक जवानों को एक साथ ट्रेनिंग शुरू

बिहार के सिपाही प्रशिक्षण केंद्रों में जीविका दीदी बनाएंगी भोजन

एजेंसी/पटना

बिहार पुलिस में नवनियुक्त 21 हजार 391 सिपाहियों को एक साथ प्रशिक्षण देने की शुरूआत इस वर्ष 21 जुलाई से की गई है। पहली बार इतनी बड़ी संख्या में सिपाहियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। इनके सभी प्रशिक्षण केंद्रों में भोजन की समुचित व्यवस्था जीविका दीदियों को सौंपी गई है। इसे लेकर जीविका के साथ एमओयू (समझौता पत्र) पर हस्ताक्षर किया गया है। यह जानकारी अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) (प्रशिक्षण) संजय कुमार सिंह ने दी। वह बुधवार को पुलिस मुख्यालय के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहली बार इतनी बड़ी संख्या में सिपाहियों को इकट्ठे 9 महीने का बेसिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें 10 हजार 207 पुरुष, 11 हजार 176 महिला और 8 ट्रांसजेंडर शामिल हैं। 8 ट्रांसजेंडरों में 5 महिला और 3 पुरुष ट्रांसजेंडर शामिल हैं।एडीजी ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में सिपाहियों को ट्रेनिंग देने के लिए खासतौर से 1500 ट्रेनरों को इस काम में लगाया गया है। इन सभी ट्रेनरों को महंगाई भत्ता 20 फीसदी करने की तैयारी है। इसका प्रस्ताव चला गया है। अभी छठवें वेतन आयोग के आधार पर यह भत्ता दिया जाता है। उन्होंने कहा कि सभी बीएसएपी (बिहार स्पेशल सशस्त्र पुलिस) के बटालियन, नाथनगर समेत अन्य ट्रेनिंग केंद्रों, जिला पुलिस बल के केंद्रों के अलावा सीआरपीएफ एवं एसएसबी के ट्रेनिंग केंद्रों में भी पुलिस जवानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बाढ़ स्थिति सीआरपीएफ के ट्रेनिंग केंद्र में महिला सिपाहियों की ट्रेनिंग चल रही है। इनकी ट्रेनिंग थोड़ी अलग और अधिक सशक्त है। उन्होंने कहा कि इस बार सिपाहियों को इंडोर प्रशिक्षण देने के लिए नया कंपेडियम तैयार किया गया है। इसमें 70 फीसदी बदलाव करते हुए नया बीएनएसएस कानून के सभी जरूरी प्रावधानों को जोड़ा गया है। इसके अलावा छापेमारी, हथकड़ी, अपराधियों को गिरफ्तार करने के तरीके समेत अन्य सभी जरूरी बातों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सुभाषितम्

विफलता का मौसम सफलता के बीज बोने का सर्वश्रेष्ठ समय है।

-परमहंस योगानंद

गोदी मीडिया ने बिगाड़े भारत और ईरान के संबंध

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि, भरोसे की कूटनीति, कई देशों से गहरे रिश्तों की बुनियाद रही है। हालिया वर्षों में देश की तथाकथित गोदी मीडिया ने जिस गैर-जिम्मेदाराना और भड़काऊ पत्रकारिता को अपनाया है। दूसरे देशों के नेताओं और दूसरे देशों के बारे में जिस तरह से अपमानजनक शब्दों का उपयोग किया जा रहा है, उसने न केवल भारत के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर किया है बल्कि विदेशों में भी भारत की साख को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। ईरान और भारत के पारंपरिक रूप से घनिष्ठ रिश्ते कई दशकों से हैं। 1971 के युद्ध में ईरान भारत के साथ खड़ा रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के दौरान भी ईरान ने हमेशा भारत का साथ दिया है। पिछले एक दशक में भी ईरान में चाहे चाबहार पोर्ट हो या गाजा जैसे संवेदनशील मुद्दे पर ईरान के साथ भारत के रिश्ते बेहतर रहे हैं। इन रिश्तों में जब कथित भारतीय गोदी मीडिया ने ईरान के सर्वोच्च नेता को ड्रग्स एडिक्ट बताने जैसी खबरें चलाईं, जो न केवल ईरान के सर्वोच्च नेता का अपमान है, बल्कि ईरान का भी अपमान है। ईरानी दूतावास द्वारा भारत सरकार के संज्ञान में यह बात ले जाने के बाद भी भारत सरकार की चुप्पी ने भारत और ईरान के संबंध एक तरह से खत्म होने की कगार पर हैं। वर्तमान स्थिति में भारत सरकार की संजीदगी और कूटनीति पर गंभीर सवाल खड़े करता है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पिजिशियां का पाकिस्तान दौरा, वहां की सरकार से गर्मजोशी से मुलाकातों से स्पष्ट है, भारत अब ईरान की प्राथमिकताओं में नहीं रहा। इसका मुख्य कारण भारत के नेशनल चैनल और कुछ समाचार पत्रों में ईरान के सर्वोच्च नेता के खिलाफ जो मुहिम चलाई गई उसमे भारत सरकार की चुप्पी और भारतीय मीडिया की गैर-जिम्मेदार रिपोर्टिंग है। भारतीय मीडिया का एक धड़ा विदेश नीति को हिन्दू-मुस्लिम के चश्मे से देख रहा है। सरकार यदि चुप है, तो यही माना जाता है, मीडिया को सरकार का संरक्षण है। मीडिया जो कर रही है, उसका असर अब अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर पड़ने लगा है। जिसका खामियाजा अब पूरे देश को भुगतना पड़ सकता है। देश का मीडिया विदेशी नेताओं के खिलाफ अफवाहें फैलाएगा। अपमानजनक भाषा का प्रयोग करेगा। कूटनीतिक संवेदनशीलता को ताक पर रखेगा। इसका सीधा असर भारत की विदेश नीति पर पड़ेगा, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मीडिया की पत्रकारिता राष्ट्र हित में हो, पत्रकारिता जनहित में हो। मीडिया सरकार का अनुषांशिक अंग नहीं है, जो सरकार के हितों के संवर्धन के लिए काम करे। मीडिया की स्वतंत्रता और जिम्मेदारी वाली भूमिका है। गोदी मीडिया की जहरीली पत्रकारिता ने आज भारत को उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है जहां पुराने मित्र देश दूरी बनाकर दुश्मन देश के साथ खड़े हो रहे हैं। यह स्थिति राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत के सामरिक एवं आर्थिक हितों के लिए खतरनाक संकेत हैं। समय रहते इस प्रवृत्ति पर लगाम नही लगी, तो भारत का अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग पड़ना तय है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के पक्ष में कोई भी देश खड़ा नहीं हुआ, किसी भी देश ने पाकिस्तान की आलोचना नहीं की। चीन जिसके साथ हम सबसे बड़ा व्यापार कर रहे हैं उसने भी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की मदद करके यह बता दिया है कि भारत की विदेश नीति एवं व्यापार नीति कूटनीति के संबंध बेमानी है। केंद्र सरकार को इस दिशा में अब सजग रहने की जरूरत है। वास्तविक रूप से हमें अपने मित्र देश और दुश्मन देश की पहचान करनी पड़ेगी। सामरिक और आर्थिक लेन-देन में स्थिरता लानी होगी। दीर्घकालिक संबंधों की तरफ ध्यान देना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो आगे चलकर भारत अलग-थलग पड़ जाएगा। पड़ोसी देशों के साथ हमारे संबंध अच्छे नहीं रह गए हैं। भारत के पड़ोसी देशों के साथ चीन के संबंध बहुत मधुर हो गए हैं। जो पड़ोसी देश अभी हमारी सीमाओं की रक्षा मे खड़े रहते थे यदि वही विरोध में आ गए तो हम कैसे सुरक्षित रह पाएंगे, यह सोचने की जरूरत है। भारत की विदेश नीति कब और कैसे बदल गई। इसका पता ही नहीं चला। भारत के ऊपर कोई भी देश विश्वास क्यों नहीं कर रहा है। इसकी समीक्षा की जानी चाहिए। ईरान जैसा देश यदि पाकिस्तान को अपना दोस्त बना ले तो यह भारत के लिए खतरे की घंटी है।

चिंतन-मनन

मन ही जीवन की केंद्रबिंदु

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की।

भारतीय सेना ही देश के असली नायक

- संजय गोस्वामी

ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान को सबक भारतीय सेनाओं ने अपनी जान की परवाह किए बिना देश को सुरक्षित किया इसकी प्रशंसा करनी चाहिए इसे राजनीति के दृष्टिकोण के नजरिया से नहीं बल्कि देश हित मे देखना चाहिए क्योंकि उनकी हमेशा मानसिकता देश को बचाने की होती है और सेना का मनोबल हर उस देश का राष्ट्रपति सेना को उनकी बहादुरी पर सम्मान करता है इसे आप कितनी बार यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेस्की ने रूस से लड़ने वाले सेनाओं का सम्मान किया है ऐ अलग बात है भारत को इससे लेना देना नहीं है लेकिन यहाँ के यूट्यूबर्स और कुछ मीडिया चैनलों पर देश में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सियासत करते नजर आते हैं लेकिन सेना के पराक्रम को नजरअंदाज कर देते हैं इसका फायदा शत्रु देश उठाते हैं और भारत माता के प्रति अपनी नकारात्मक छवि को दर्शाते हैं यू ट्यूब बना कर मीडिया में दिखाना बहुत आसान है हम भी बना लेंगे और डाउनलोड कर देंगे लेकिन इसपर सेना के प्रवक्ता ने जब सब कुछ खुल कर बता दिए हैं कि हम तीन मोर्चो पर पाकिस्तान से लड़ रहें थे और नुकसान भी हुआ लेकिन जो टारगेट था उसे प्राप्त किया है तो ऐसे में खुद यू ट्यूब बनाकर डालना बचकाना हरकत होगा और लोगों में गलत धारना पैदा होगा सेना का मनोबल गिरेगा याद होगा कारगिल का युद्ध जिसमें पाकिस्तान द्वारा धोखे से कारगिल की ऊंची चोटियों पर कब्जा करने के बाद, भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय के तहत अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प के साथ जवाबी कार्रवाई की। कैप्टन विक्रम बत्रा, कैप्टन मनोज कुमार पांडे, ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव जैसे वीरों ने सर्वोच्च बलिदान देकर इन चोटियों को वापस हासिल किया। इस युद्ध में भारतीय सेना ने पहाड़ी युद्ध में अपनी अद्वितीय क्षमता साबित की। इन युद्धों में भारतीय सेना ने न केवल देश की सीमाओं की रक्षा की, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पेशेवर दक्षता और नैतिक मूल्यों का भी प्रदर्शन किया।अतः भारतीय सेनाओ के पराक्रम के बारे में नकारात्मक वीडियो बनाकर यू ट्यूब पर दिखाना उचित नहीं इसमें प्रधानमंत्री को भी लपेटे में लेते हैं जो लोकतान्त्रिक तरीके से चुनकर आते हैं जब चुनाव आएगा तब आप अपने अधिकार का प्रयोग कर मनमुताबिक सरकार को चुन लेना लेकिन याद कीजियेगा वो दिन भी जब आतंकवादी की जड़ केवल जम्मू काश्मीर तक नहीं था बल्कि मुंबई, दिल्ली और गुजरात भी भुगता है असल में 26/11/2008 में आतंकी हमले में मारे गए लोगों से पूछिए की इससे उनको खुशी मिली या नहीं मिली उस समय पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन तो टीवी में साफ बोलरहें थे कि हैदराबाद को पाकिस्तान बनाने की बात जब सबको बंधक बनाए और बहुत ही बेहरहमी से कत्ल कर दिए गए किसी के पेट फाड दिया किसी का गर्दन काटा गया अतः आप खुद पहले अपने आप को देखिए कि आपने उस समय पाकिस्तान पर अटैक क्यों नहीं किया और जब आतंकवादी कसाब ने पाकिस्तान नाम खुलेआम लिया तो क्या आप सो रहें थे सेना उस समय बहुत गुस्से में थे और आर पार के मूड में थे लेकिन कोई भी आतंकी संगठन को एक खारोंज तक नहीं आने देना ऐ कितनी शर्म की बात है सेना के लिए ना तो दिन होता है ना रात लड़ाई में गोली लगने के बाद भी लड़ते हैं और अंतिम सांस तक भारत माता के लिए शहीद होते हैं क्या उनके पराक्रम को नजरअंदाज करना देशहित में है और यूट्यूबर एक्सपीरियंस मेहमानों को भी बुलाते हैं ये वहीं हैं जो किसी कारण सत्ता में जगह नहीं मिलने पर मोदीजी के खिलाफ नेरेटिव फैलाते है आप जब यूपीए शासन में थे तो हिम्मत तो दिखाना चाहिए और जहाँ आक्रमण करना चाहिए वहाँ केवल कागजी कार्यवाही यानि डोसियर देने से आतंकवादी जश्न मना रहें थे क्या 140 करोड़ भारतीय का अपमान नहीं है हमें कोई भी मार कर चला जाए यानि हमारी जान की कीमत नहीं है ऑपरेशन सिंदूर से आतंकवादी संगठन में खौफ पैदा हुआ है अतः दूसरे पर दोष देना या कागजी शेर बने रहने से सच्चा देशभक्त आपको कभी सपोर्ट नहीं करेगा क्योंकि सेनाओं पर सवाल उठाना गलत है जैसे पहले भी दो बार सर्जिकल स्ट्राइक में हुआ है मै सेना के चयन को देखा हैं मेरा सलेक्शन एसएसबी में भोपाल में हो जाता यदि हम दया का भाव नहीं दिखाते वो भी साइकोलोजिसस्ट को किसी लेख में कुछ पढ़ने के बाद सवाल किया और बाद में मै भी उनके निर्णय को सम्मान करते हुए वहाँ नहीं जाने का निर्णय लिया क्योंकि वहाँ आपको दुश्मन के साथ दया दिखाने से काम नहीं चलता बन्दुक चलाने का हौसला चाहिए अतःसेना का सम्मान करें जब कारगिल युद्ध हुआ तो ऊँची ऊँची पहाड़ी पर युद्ध लड़ा गया और भारतीय सेनाओ ने अपना दम दिखाया उस समय जो शहीद हुए वहाँ उनके गाँव में स्टैच्यू आज भी बना दीखता है और सड़क गली का नाम भी उनके सम्मान में रखा गया उस समय मात्र 21वर्ष का एक सेनानी मिला जो रेड लाइट एरिया में गया पूछा तो बताया सेक्स भी तो ईश्वर की देन है जाने से पहले इसे भी आजमा ले बाद में वो शहीद हो गया इसी तरह ट्रेन में दो सेना के लोग मिले एक बेचारा अपने परिवार को कोष रहा था और बाद में मेरी सीट में लेट गया और मै जमीन पर ही सो गया क्योंकि वो मातृभूमि की रक्षा के लिए जा रहें थे दूसरे ने जो ऊपर झोला लटका था उसमें शुद्ध घी के लड्डू बड़े शौक से रखा था देखा तो सुबह आधा गायब था तो सेनानी ने कहा की सर मुझे बहुत भूख लगी थी फिर वहाँ ड्यूटी करना है मैंने पूरा डब्बा ही दे दिया की रास्ते में भूख लगे तो खा लेना सेना की जिंदगी को आपने कभी करीब से नहीं देखा शराब पीना उनकी मजबूरी होती है घर परिवार से दूर देश की रक्षा के लिए अपने सारे अरमान को दबा कर दुश्मन का डटकर मुकाबला करते हैं उन्हें आप ठीक से पहचानेगें तो मालूम होगा सेना किसी से डरता नहीं है ना तो अपना कोई शौक पूरा कर पाता है ना ही घर परिवार के साथ हमेशा रह पाता है अतः सेना का सम्मान कीजिये और देश प्रेम की भावना से मीडिया में देखाना चाहिए इसमें भी राजनीती करेंगे तो उनका अपमान होता है।

टैरिफ दादागिरी के बीच स्वदेशी एक जनक्रांति बने

- ललित गर्ग

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दबाव की राजनीति और टैरिफ की दादागिरी का माकूल जवाब है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मोदी ने द्धआत्मनिर्भर भारत का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को द्धलोकल के लिए वोकल बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है। यह वही आत्मनिर्भरता है, जिसका बीजारोपण महात्मा गांधी ने चरखे और खादी के माध्यम से किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वदेशी जागरण के माध्यम से कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को द्धमृत अर्थव्यवस्थाद्ध तक कह दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता पर एक असभ्य एवं अक्षम्य आक्षेप भी है। इससे भी अधिक विडंबनापूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने इस अपमानजनक बयान को घरेलू राजनीति की ऑक्सीजन मानकर इसे आंतरिक राजनीति का हथियार बनाकर न केवल प्रचारित किया, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से उसका समर्थन भी किया। अक्सर विपक्षी दल देशविरोधी नैरेटिव को बढ़ावा देने में जुट जाते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का अंग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता पर आघात के समय एकजुटता ही राष्ट्रवाद की पहचान होती है। यह वही देशविरोधी मानसिकता है जो विदेशी मंचों पर देश की छवि को चोट पहुंचाती है और राजनीतिक स्वार्थों एवं मतभेदों को राष्ट्रीय स्वाभिमान से ऊपर रखती है। रत की अर्थव्यवस्था को जिस तरह ट्रंप ने मृतप्राय कहा, वह न केवल मौजूदा आर्थिक तथ्यों की अवहेलना है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दबाने का एक रणनीतिक षडयंत्र भी है। आईएमएफ, विश्व बैंक और ओईसीडी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भी लगातार यह संकेत देती रही हैं कि भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों के चलते भारत की अर्थव्यवस्था ने कोरोना महामारी के बाद जिस गति से पुनरुत्थान किया है, वह अनेक विकसित देशों के लिए भी उदाहरण है। सच्चाई यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था न तो मृत है, न ही दिशाहीन। हां, चुनौतियां हैं, बेरोजगारी, महंगाई, आय असमानता, लेकिन इनसे जूझते हुए भारत आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है। वैश्विक मंचों पर भारत की वाणी अब कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण है। ऐसे समय में जब अमेरिका जैसे देश एकतरफा फैसलों से वैश्विक व्यापार संतुलन को तोड़ने पर आमादा हैं, तब भारत को अपनी आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के मंत्र को एक संकल्प बनाकर व्यवहार में लाना होगा। अमेरिका हो या चीन, आर्थिक नीतियों में नैतिकता नही, स्वार्थ ही केंद्र में रहता है। इसीलिए भारत को अब यह समझना होगा कि केवल आयात पर निर्भर रहकर हम अपनी आर्थिक सुरक्षा नहीं कर सकते। जब तक हम उत्पादन, निर्माण और उपभोग के क्षेत्र में स्वदेशी विकल्प नहीं अपनाते, तब तक हम इस टैरिफ आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता के शिकार बने रहेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र द्धस्वदेशीद्ध है। यह विचार केवल देसी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दूध उत्पादन में श्वेत क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हों या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन बनाना, भारत ने दिखाया है कि यह किसी से कम नहीं। स्वदेशी का मंत्र सिर्फ द्धहां बनाएं तक सीमित नहीं है, यह यहां के लोगों द्वारा, यहां की सोच के साथ बनाया गया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी का द्धमेक इन इंडिया अभियान अब द्धमेड बाय इंडिया की दिशा में अग्रसर हो रहा है। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना बनानी होगी जिसमें विदेशी पूंजी या तकनीक की बजाय स्वदेशी नवाचार, स्वदेशी उद्योग, और स्वदेशी उद्यमिता को बल मिले। इस संदर्भ में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि जो नीतियां बनें, वे स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाली हों, न कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लॉबी के दबाव में चलने वाली। आज का समय वैसा ही है जैसा 1905 में बंग-भंग आंदोलन के समय था, जब बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और अरविंद घोष जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। आज फिर एक नई क्रांति की जरूरत है, लेकिन यह क्रांति फैक्ट्रियों में, बाजारों में, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लड़ी जाएगी। हमारे युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और तकनीकी प्रयोगों में विदेशी नकल न करें, बल्कि भारतीय जरूरतों और मूल्यों के अनुरूप नए समाधान विकसित करें। यही आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। हर भारतीय को यह समझना होगा कि जब वह विदेशी मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, या चीनी उत्पाद खरीदता है, तो वह सिर्फ एक उत्पाद नहीं ले रहा, बल्कि वह अपने देश के एक कारीगर, किसान या उद्यमी से रोजी-रोटी छीन रहा है। अब समय है कि उपभोक्ता भी जिम्मेदार बने। स्वदेशी उपभोग सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति का आधुनिक रूप है। आज जब वैश्विक पूंजीवाद लड़खड़ा रहा है और पश्चिमी देशों की नीतियों में आत्मकेंद्रितता हावी हो रही है, भारत को अपनी सांस्कृतिक, आर्थिक और बौद्धिक जड़ों की ओर लौटना ही होगा। यही समय है जब द्धस्वदेशीद्ध एक आंदोलन बने, एक जनक्रांति बने और एक ऐसी नई अर्थव्यवस्था की नींव डाले जो टिकाऊ, समावेशी और पूर्णतः आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री मोदी ने जो स्वदेशी का दीप जलाया है, वह केवल सरकार का काम नहीं, यह हम सभी का नैतिक, राष्ट्रीय और आत्मिक दायित्व है। तभी हम न केवल ट्रंप जैसी टैरिफ दादागिरी का जवाब दे पाएंगे, बल्कि एक सशक्त, सम्मानित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे, अपने स्वेद, अपने स्वप्न और अपने स्वदेश के बल पर। वर्तमान परिप्रेक्ष्यों में यह आवश्यक हो गया है कि देश की आलोचना के नाम पर विदेशी अपमान का समर्थन करने की प्रवृत्ति का जनतांत्रिक रूप से विरोध हो। लोकतंत्र की सच्ची परिपक्वता यही है कि सरकार की आलोचना करते हुए भी हम राष्ट्र की प्रतिष्ठा और आत्मगौरव की रक्षा करें।

ईसाई-विरोधी हिंसा का बढ़ता ग्राफ

-राम पुनियानी

कुछ दिन पहले (26 जुलाई 2025) दो ईसाई ननों को छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर हिरासत में लिया गया। उन पर जो आरोप लगाए गए, वे गंभीर थे जबकि मामला केवल इतना था कि उनके साथ तीन महिलाएं थीं, जो नर्स बनने का प्रशिक्षण लेना चाहती थीं। एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल, जिसमें सीपीएम की वृंदा करात भी शामिल थीं, को उनसे मिलने में बहुत कठिनाईयां पेश आईं। ननों पर मानव तस्करी एवं धर्मपरिवर्तन करवाने के आरोप लगाए गए। जहां राज्य के मुख्यमंत्री मानव तस्करी एवं धर्मपरिवर्तन के प्रयास के आरोपों पर अड़े हुए हैं, वहीं इन महिलाओं के अभिभावकों ने कहा कि उन्होंने उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर तलाशने के लिए इन ननों के साथ जाने की इजाजत दी थी। ईसाईयों को किसी न किसी बहाने डराने-धमकाने की घटनाएं पिछले 11 सालों के दौरान तेजी से बढ़ी हैं और यह हिंसा भाजपा शासित राज्यों में अधिक हो रही है। स्थानीय एवं वैश्विक संस्थाओं की कई रपटों में भारत में ईसाईयों के बढ़ते उत्पीड़न पर चिंता व्यक्त की गई है। प्रार्थना सभाओं पर यह आरोप लगाते हुए हमला किया जाता है कि उनका आयोजन धर्मपरिवर्तन के उद्देश्य से हो रहा है। दूरदराज के इलाकों में रहने वाले पॉस्टरों और ननों पर हमलों और उत्पीड़न का खतरा कहीं अधिक होता है। बजरंग दल दूरदराज के इलाकों में असहाय ननों और पॉस्टरों पर कानून अपने हाथ में लेकर सीधी कार्यवाही करने में अपनी शान समझता है। एक अन्य मसला है ईसाईयों के शवों को दफनाने का। ईसाईयों को साझा आदिवासी कब्रिस्तानों में अपने मृतकों को दफन करने से रोका जा रहा है। जैसे, 26 अप्रैल, 2024 को छत्तीसगढ़ में एक 65 वर्षीय ईसाई पुरुष की मौत एक अस्पताल में हो गई। उसके शोकग्रस्त परिवार को तब और अधिक पीड़ा झेलनी पड़ी जब स्थानीय धार्मिक उग्रपंथियों ने उसे गांव में दफनाए जाने में अवरोध खड़े कर दिए और उनसे मांग की कि वे पुनः धर्मपरिवर्तन कर हिंदू धर्म स्वीकार करें। पुलिस के संरक्षण में परिवार ने ईसाई रस्मों एवं रिवाजों के अनुरूप शव को दफनाया। गांव में शांति सुनिश्चित करने के लिए वहां लगभग 500 पुलिसकर्मियों को तैनात करना पड़ा। ईसाईयों के एक बड़े पंथ के उत्पीड़ित नेता ने 2023 में कहा था, द्धहर दिन गिरजाघरों और पॉस्टरों पर चार या पांच हमले होते हैं और हर रविवार यह संख्या दुगनी होकर 10 के करीब पहुंच जाती है। इतने बुरे हालात हमने पहले कभी नहीं देखे द्ध। उनके अनुसार भारत में ईसाईयों का प्रमुख उत्पीड़क संघ परिवार है, जो हिंदू उग्रपंथियों का संगठन है। शक्तिशाली अर्धसैनिक और रणनीतिक संगठन आरएसएस, प्रमुख राजनैतिक दल भाजपा और हिंसक युवा संगठन बजरंग दल इसके भाग हैं। दो प्रमुख संगठन - वैश्विक स्तर पर ओपन डोर्स और भारत में पर्सीक्यूशन रिलीफ द्ध इन अत्याचारों पर नजर रखने का अमूल्य कार्य कर रहे हैं क्योंकि प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया का ज्यादातर हिस्सा या तो इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है या सच्चाई नहीं बताता। पर्सीक्यूशन रिलीफ ने 2020 में जारी अपनी रपट में कहा द्धद्धभारत में ईसाईयों के प्रति नफरत के कारण किए जाने वाले अपराधों मे 40।87 प्रतिशत की डरावनी वृद्धि हुई है।

आज का राशिफल

मेष आज छोटे-छोटे कार्यों को पूरा करने के लिए उन लोगों की सहायता की जरूरत पड़ सकती है।

तुला आपको कोई भी जोखिम भरा कार्य करने या निर्णय लेने से बचना होगा।

वृषभ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। कार्यस्थल पर एक साथ कई काम करने पड़ सकते हैं।

वृश्चिक आज कुछ बदलावों का सामना करना पड़ सकता है और कई उतार-चढ़ाव का अनुभव भी करेंगे।

मिथुन कार्यक्षेत्र में कामकाज सही गति से चलेगा और आपके ऊपर से काम का प्रेशर भी थोड़ा कम होगा।

धनु आज आर्थिक मामलों में भी समय अनुकूल होगा। आपको कहीं से धन लाभ हो सकता है।

कर्क आज एक साथ कई सारे काम करने पड़ सकते हैं। इसी के चलते आप ज्यादा व्यस्त रहेंगे।

मकर किसी अच्छे काम का पुरस्कार प्राप्त हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह आज आपका दिन भागदौड़ भरा रह सकता है और एक साथ कई काम पूरे करने पड़ सकते हैं।

कुंभ आज कार्यक्षेत्र में विवाद उत्पन्न होने की संभावना बनी हुई है। ऐसे में शांति और संयम रखना होगा।

कन्या आपका दिन ज्यादा अच्छा नहीं रहने वाला है। आपको कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

मीन आज दिन शुभ रहेगा और आपके मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

विशेष

जहां चर्चा भी फजीहत बन जाए

संसद भवन में मंगलवार को आयोजित एनडीए की संसदीय पार्टी की बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांसदों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने जो कहा उस पर अब राजनीतिक बयानबाजी तेज हो जाए तो आश्चर्य नहीं होगा। दरअसल मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पीएम मोदी ने विपक्ष को खूब फटकारा और यहां तक कह दिया कि विपक्ष ने संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करके बड़ी गलती कर दी, इसमें उनकी ही फजीहत हुई। उनके मुताबिक ऐसा विपक्ष और कहां मिलेगा जो खुद अपना पैर पत्थर पर मारता हो।

अमेरिका अर्थात हाथी के दांत

बहुत ही प्रचलित कहावत है कि हाथी के दांत दिखाने के और, खाने के और। मतलब जिस बात के लिए अमेरिका दूसरे देशों को बतौर सजा टैरिफ के साथ जुर्माना लगा रहा है, उस पर वह खुद खरा उतरता नहीं दिख रहा है। यही कारण है कि अब रूस से जारी भारत की तेल खरीद पर अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) की आलोचना का भारत ने कराग जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि यूक्रेन विवाद की शुरूआत से ही अमेरिका और ईयू रूस से हमारी तेल खरीद को लेकर आलोचना कर रहे हैं। भारत रूस से तेल खरीद रहा है। क्योंकि यूक्रेन संघर्ष के बीच हमारी परंपरागत सप्लाई (खाड़ी क्षेत्र) को यूरोप की तरफ मोड़ दिया गया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1661 एक संधि के तहत पुर्तगाल ने ब्राजील पर और हालैंड ने श्रीलंका पर अपना कब्जा बरकरार रखा. 1726 रोम और रूस ने तुर्की के खिलाफ गठबंधन किया. 1806 फ्रांसिस द्वितीय ने आस्ट्रिया की गद्दी संभाली थी. 1809 अंग्रेजी भाषा के कवि अल्फ्रेड लार्ड टेनीसन का जन्म. 1828 मिस्त्र के शासक मेहमत अली यूनान से हटने पर राजी हुए. 1849 सार्जीनिया और आस्ट्रिया में युद्ध समाप्त हुआ था. 1862 मद्रास उच्च न्यायालय का उद्घाटन हुआ. 1906 चित्तरंजन दास और कांग्रेस के कुछ नेताओं ने वंदे मातरम पत्र का प्रकाशन शुरू किया. 1914 सर्विया और मोंटेनीग्रो ने जर्मनी के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1925 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ बनर्जी का निधन.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

2025 वर्ष का 218 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत 2082 शक संवत 1947
मास श्रावण पक्ष शुक्ल
तिथि द्वादशी 14.09 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 13.00 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 07.18 बजे को समाप्त।
करण बालव 14.09 बजे तदनन्तर कौलव 02.23 बजे रात्रि को समाप्त।
चन्द्रायु 12.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 41'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872428
जूलियन दिन 2460893.5
कलियुग संवत 5126
कल्पारंभ संवत 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत 1955885123
वीरनिर्वाण संवत 2551
हिजरी सन 1446
महीना सफर
तारीख 11
विशेष प्रदोष व्रत।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.23 बजे से
चंद्र	धनु में	कन्या	08.35 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.46 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.01 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.17 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.22 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.08 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.41 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.12 बजे से
		वृष	23.52 बजे से
		मिथुन	01.50 बजे से
		कर्क	04.03 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ≡ Jagrutidaur.com, Bangalore

माओवादियों पर सुरक्षाबलों का एक्शन, एके-47 की 83 गोलियों के साथ एक माओवादी गिरफ्तार

पिपरवार, एजेंसी। पिपरवार थाना क्षेत्र के खंधार गांव में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के घर से एके-47 राइफल में प्रयुक्त भारी मात्रा में जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। यह अवैध कारतूस (गोलियां) कथित तौर पर टीएसपीसी उग्रवादी संगठन से संबंधित बताए जा रहे हैं। पुलिस ने मौके से एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 33 वर्षीय मनोज तिग्गा पिता लिबनुस तिग्गा ग्राम खंधार पोस्ट बहेरा थाना पिपरवार जिला चतरा के रूप में हुई है। गुप्त सूचना के आधार पर टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन कर 5 अगस्त की रात को यह कार्रवाई की गई।

छापेमारी के दौरान मनोज तिग्गा के घर से एक एके-47 में प्रयुक्त 7.62 एमएम की कुल 83 जिंदा गोलियां बरामद की गईं। पुलिस के अनुसार, यह हथियार टीएसपीसी उग्रवादी संगठन से जुड़ा बताया जा रहा है।

आरोपी के विरुद्ध पिपरवार थाना कांड संख्या 23/2025 के तहत आर्म्स एक्ट और सीएलए एक्ट की

संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी को चतरा जेल भेज दिया गया।

इस छापेमारी अभियान में टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के अलावा पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार, पुअनि सुरेन्द्र उपाध्याय, सअनि बंसत कुमार महतो, आरक्षी शंभू यादव, संतोष यादव सहित पिपरवार थाना के अन्य सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पिपरवार पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में उग्रवाद के विरुद्ध एक बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। इससे माओवादी हमलों को रोकने में मदद मिलेगी।

पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को सूचना मिली थी कि खंधार गांव में टीएसपीसी के लिए काम करने वाला एक व्यक्ति संगठन द्वारा दिए गए हथियार छुपाकर रखे हुए है। सूचना की पुष्टि के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (डीएसपी) टंडवा प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

गांव के घर से बीती रात दबोचा गया: टीम ने 5 अगस्त की रात को खंधार गांव स्थित मनोज तिग्गा के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उसके घर से एके-47 की 83 जिंदा गोलियां बरामद हुईं। पुलिस ने मौके से मनोज तिग्गा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ कि वह टीएसपीसी उग्रवादियों के लिए काम करता था और उनके निर्देश पर हथियारों को छुपाकर रखा था। इस मामले में पिपरवार थाना में आर्म्स एक्ट और सीएलए एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

नक्सलियों को नियंत्रित करने के लिए चलता रहेगा अभियान: पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उग्रवादी गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। फिलहाल, पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए अन्य उग्रवादियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। इस ऑपरेशन में डीएसपी टंडवा प्रभात रंजन बरवार के साथ-साथ थाना प्रभारी अभय कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सुरेन्द्र उपाध्याय, सहायक अवर निरीक्षक बसंत कुमार महतो, आरक्षी शंभु यादव, संतोष यादव सहित अन्य सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

तीन बार राज्यसभा के लिए चुने गए गुरुजी, लेकिन कभी पूरा नहीं कर सके कार्यकाल, यहां जानिए कब और क्यों छोड़नी पड़ी सदस्यता

रांची, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन राज्यसभा के लिए तीन बार निर्वाचित हुए, लेकिन तीनों बार वे कार्यकाल पूरा नहीं कर सके।

पूर्व में दोनों बार किसी न किसी कारणों से उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। तीसरे कार्यकाल में उनके निधन होने के कारण कार्यकाल पूरा नहीं हो सका।

गुरुजी तीसरी बार 22 जून 2020 को राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे, जिनका कार्यकाल 21 जून 2026 को पूरा होना था। शिबू सोरेन सबसे पहली बार आठ जुलाई 1998 को राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। उस समय उनके विरुद्ध चुनाव में खड़े तथा प्राप्त मतों में दूसरे स्थान पर रहे दयानंद सहाय ने उनके निर्वाचन को पटना उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

यह कहते हुए चुनाव याचिका दायर थी कि वे झारखंड क्षेत्र स्वशासी परिषद (जैक) के अध्यक्ष होने के कारण लाभ के पद पर थे। न्यायालय ने चुनाव याचिका को स्वीकार करते हुए शिबू सोरेन के निर्वाचन को रद कर दिया था। शिबू सोरेन ने पटना उच्च न्यायालय के आदेश के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में अपील दाखिल की थी।

इनकी अपील शीर्ष न्यायालय ने जैक के अध्यक्ष का पद लाभ का पद बताते हुए 19 जुलाई 2001 को निरस्त कर दी थी। हालांकि शिबू ने इससे एक दिन पहले 18 जुलाई 2001 को ही राज्यसभा के सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया था।

शिक्षा मंत्री की हालत नाजुक, विश्व आदिवासी दिवस पर होने वाला कार्यक्रम स्थगित

रांची, एजेंसी। विश्व आदिवासी दिवस के खास मौके पर झारखंड में प्रस्तावित 9 अगस्त से 11 अगस्त तक तीन दिनों का कार्यक्रम स्थगित कर दिया है. राज्य सरकार ने शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के अस्वस्थ होने के कारण बताते हुए आदिवासी महोत्सव स्थगित कर दिया है. आदिवासी दिवस आयोजित करने के लिए इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी के चयन संबंधी टेंडर भी कल सोमवार को स्थगित कर दिया गया.

तीन दिवसीय आदिवासी महोत्सव स्थगित किये जाने के बाद अब राज्य सरकार एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने पर विचार कर रही है. यह एक दिवसीय कार्यक्रम 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के दिन करने का विचार किया जा रहा है. ऐसे में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर एक छोटा का कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा.

मालूम हो शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की स्थिति गंभीर बनी हुई है. शनिवार 2 अगस्त को वह अपने बाथरूम में बेसुध होकर गिर पड़े थे, जिसके बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दिल्ली ले जाया गया. दिल्ली के अपोलो अस्पताल में फिलहाल उनका इलाज चल रहा है. डॉक्टर के अनुसार उनके मस्तिष्क में ब्लड क्लोटिंग हो गयी है. डॉक्टर्स उनके ऑपरेशन पर विचार कर रहे हैं. अभी लाइफ सपोर्ट सिस्टम के सहारे उनकी सांसें चल रही हैं.

वास्को डी गामा एक्सप्रेस से चार नाबालिग किये गये रेस्क्यू

धनबाद, एजेंसी। आरपीएफ व जीआरपी की संयुक्त टीम ने सोमवार को बाल तस्करी का प्रयास विफल कर दिया. टीम ने गाड़ी संख्या 17323 (वास्को डि गामा एक्सप्रेस) से चार नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू किया. उन्हें काम कराने के लिए कर्नाटक ले जाया जा रहा था.

चाइल्ड हेल्प डेस्क धनबाद को सूचना मिली थी कि ट्रेन के जनरल कोच और बी वन कोच में कुछ नाबालिग बच्चे यात्रा कर रहे हैं, जिन्हें बालश्रम के लिए दक्षिण भारत भेजा जा रहा है. इसके बाद प्रभारी निरीक्षक, आरपीएफ पोस्ट धनबाद के नेतृत्व में और चाइल्ड लाइन की टीमों ने प्लेटफार्म संख्या छह पर ट्रेन की संयुक्त जांच की. इस दौरान जनरल कोच से तीन नाबालिग लड़कों को बरामद किया गया. इस दौरान ट्रेन कतरास के लिए रवाना हो गयी. इसके बाद टीम कतरास स्टेशन पहुंची, जहां जनरल कोच से एक और नाबालिग लड़के को रेस्क्यू किया गया. आरपीएफ ने बताया कि पूछताछ में लड़कों ने बताया कि उन लोगों को काम कराने कर्नाटक ले जाया जा रहा है. रस्क्यू किये गये लड़कों में बिहार के जमुई जिला के सोनो थाना क्षेत्र के बाबूडीह निवासी शहबाज अंसारी, बांका जिला के चूरौली निवासी अनीश अंसारी, झारखंड के गोड्डा जिला के बलबड़ा कुठिया निवासी अफताब शेख व गोड्डा के बसंत तराई स्थित मसटिकरी निवासी गुलाम अंसारी शामिल हैं. सभी चारों बच्चों को चाइल्ड लाइन अग्रतर कार्रवाई के लिए अपने साथ ले गयी.

चेक बाउंस मामले में बॉलीवुड अभिनेता विक्रम सिंह को एक साल जेल की सजा

रांची, एजेंसी। एक करोड़ रुपए का चेक बाउंस से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी दिव्या राघव की अदालत ने आरोपी बॉलीवुड अभिनेता रांझा विक्रम सिंह को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने अभिनेता को एक साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने उसे चेक बाउंस की राशि एक करोड़ रुपए एवं हर्जाना 20 लाख मिलाकर कुल 1.20 करोड़ रुपया मामले के शिकायतकर्ता निलोय कुमार झा के पक्ष में भुगतान करने का आदेश दिया है।

तेज रफ्तार हाइवा ने मजदूर को कुचला, मौके पर मौत, मचा कोहराम

केंदुआ, एजेंसी। धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग पर आज बुधवार की सुबह एक बार फिर रफ्तार का कहर टूटा और एक जिंदगी असमय थम गयी. केंदुआडीह थाना क्षेत्र के श्रीराम टी एंड स्वीट्स दुकान के समीप तेज रफ्तार हाइवा ने एक दिहाड़ी मजदूर को कुचल दिया. हादसे में मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गयी. मृतक की पहचान 55 वर्षीय जगदीश सिंह के रूप में हुई है. यह दर्दनाक घटना सुबह करीब 6 से 6:45 बजे के बीच की है. सुबह जगदीश सिंह रोजाना की तरह टहलने निकले थे और डिवाइडर के कट से सड़क पार कर रहे थे. इसी दौरान धनबाद की ओर से आ रही तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भयानक थी कि उनका सिर बुरी तरह कुचल गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी. मजदूर को टक्कर मारने के बाद चालक हाइवा लेकर मौके से फरार हो गया. मजदूर का शव देख मौके पर मौजूद लोग सन्न रह गये. घटना की जानकारी मिलते ही मृतक की पत्नी सोनी देवी समेत परिजन मौके पर पहुंचे. परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है. घटना के विरोध में आक्रोशित स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए और धनबाद-केंदुआ मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया.

फिल्मी अंदाज में फायरिंग, सीसीटीवी से पहचाने गए हमलावर, रवि यादव की पुरानी फाइल पर भी पुलिस की नजर

जमशेदपुर, एजेंसी। परसुडीह थाना क्षेत्र के कीताडीह, ग्वाला पट्टी में मंगलवार शाम करीब 5 बजे राष्ट्रीय जनता दल के जिला सचिव कन्हैया यादव के पुत्र रवि यादव पर अपराधियों ने सनसनीखेज ढंग से घेराबंदी कर ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस हमले में रवि को पांच गोलियां लगीं, जिससे उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

उन्हें पहले सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां से टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) रेफर किया गया। घटना की सूचना पर परसुडीह और बागबेड़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से चार खोखे बरामद हुए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो अपराधियों की पहचान कीताडीह पुराना पोस्ट ऑफिस रोड निवासी नेहाल तिवारी उर्फ शुभम और रेलवे ट्रैफिक कॉलोनी के समीर सिंह के रूप में हुई। अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। बुधवार की सुबह एक और संदिग्ध की पहचान लिए गए हैं। पुलिस का दावा है, सभी हमलावर जल्द शिकंजे में होंगे।

पुलिस ने एक अपराधी के घर के पास से घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रवि बाइक से घर लौट रहा था, तभी दो बाइक सवार अपराधियों ने उसका पीछा शुरू किया। रवि ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिया के पास स्कूटी सवार दो अन्य अपराधियों ने उसे घेर लिया। इसके बाद नौ राउंड गोलियां चलाई गईं, जिनमें पांच रवि को लगीं। भागते समय अपराधियों ने हवाई फायरिंग की, जिससे

इलाके में दहशत फैल गई।

लोग डर से घरों में दुबक गए। बाद में स्थानीय लोगों ने रवि को अस्पताल पहुंचाया। जांच में फायरिंग का कारण आपसी रंजिश सामने आया। रवि कुछ माह पहले जेल से रिहा हुआ था। नेहाल तिवारी का नाम जुगसलाई शिव घाट में पहले हुई फायरिंग से भी जुड़ा है। रवि ने पुलिस को बताया कि स्कूटी सवार अपराधी दोनों हाथों से गोलियां चला रहे थे।

पुलिस ने बुधवार सुबह एक अन्य संदिग्ध की पहचान की, जिसका नाम गोपनीय है। सीसीटीवी फुटेज से अपराधियों के भागने का रास्ता पता चला। पुलिस ने विशेष दस्ता गठित कर अपराधियों की तलाश तेज कर दी है। घटना से इलाके में आक्रोश है। भाजपा नेता ललन यादव समेत कई लोग टीएमएच पहुंचे। पुलिस ने शांति बनाए रखने की अपील की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, कीताडीह निवासी रवि यादव साकची थाना क्षेत्र कालीमाटी रोड में संपत्ति विवाद को लेकर हुए दो पक्ष में मारपीट, हरवे हथियार से जानलेवा हमला और पत्थरबाजी मामले में भी शामिल था, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। कीताडीह मनसा मंदिर के पास रिंकू खान के घर में घुसकर जबरदस्त मारपीट की थी। इस मामले में वह जेल गया था। टाटा मुख्य अस्पताल में दाखिल रवि यादव से पुलिस टीम पूछताछ कर रही है।

जर्जर सड़क के कारण नहीं पहुंची एम्बुलेंस, खाट पर लादकर मरीज को ले जाया गया अस्पताल, हुई मौत

खूंटी, एजेंसी। जिले में एम्बुलेंस नहीं मिलने के कारण परिजन बेहोश बुजुर्ग को कंधों पर ढोकर सड़क तक लाये और किसी तरह सदर अस्पताल पहुंचे. लेकिन अफसोस बुजुर्ग बच नहीं सका. अस्पताल में उसकी मौत हो गई. मृतक की पहचान तोरपा प्रखंड क्षेत्र के चुरगी पंचायत के अंबाटोली गांव निवासी दयाल भेंगरा के रूप में हुई, जो घर में गिरने के कारण बेहोश हो गए थे.

मृतक की बेटी पुष्पा भेंगरा ने बताया कि दयाल भेंगरा 11 बजे के लगभग घर में गिरा और बेहोश हो गया. करीब एक घंटे बाद उसे होश आया तो लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस को फोन किया, लेकिन 4 बजे तक एम्बुलेंस नहीं पहुंचा. जिसके बाद गांव वाले दयाल को खटिया के सहारे बांस बांध कर उसे गांव से बाहर निकाला और निजी वाहन से सदर अस्पताल खूंटी ले गए. जहां उसकी मौत हो गई.

विडंबना है कि खूंटी सिमडेगा हाइवे से महज 2 किमी अंदर बसा गांव आमटोली में वाहन जाने तक की सुविधा नहीं है. करीब पांच बजे सदर पहुंचने के बाद चिकित्सकों ने दयाल को रिम्स रेफर कर दिया. जबकि साथ गए ग्रामीणों का कहना है कि जब उसकी मौत हो चुकी थी तो उसे रेफर क्यों किया गया. इस बात को लेकर ग्रामीणों ने सदर अस्पताल में जमकर बवाल काटा.

सिविल सर्जन नागेश्वर मांझी ने परिजनों को समझाकर शांत कराया और मृतक के लिए शव वाहन उपलब्ध कराकर गांव भेज दिया. सिविल सर्जन ने बताया कि एम्बुलेंस गांव तक क्यों नहीं पहुंचा, इसकी जांच की जाएगी. इसमें जो भी दोषी होंगे उसके खिलाफ कार्रवाई होगी.

उत्पादन में अविलंब सुधार करें बीसीसीएल - कोयला सचिव

धनबाद, एजेंसी। लगातार हो रही बारिश के कारण बीसीसीएल की कई महत्वपूर्ण कोयला खदानों भर गयी हैं. ऐसे में कंपनी का उत्पादन आधे से भी कम हो गया है. वर्तमान में कंपनी रोज औसतन 70 से 80 हजार टन ही कोयला उत्पादन व डिस्पैच कर पा रही है. स्थिति यह है कि बीसीसीएल का वार्षिक उत्पादन ग्रोथ घट कर 17.22 प्रतिशत व डिस्पैच ग्रोथ 12.2 प्रतिशत निगेटिव हो गया है. इधर कोयला उत्पादन, उत्पादकता व डिस्पैच में सुधार को लेकर कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने वीडियो कांफ्रेंसिंग कर बीसीसीएल की समीक्षा बैठक की. उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधन को उत्पादन में अविलंब सुधार करने और सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी जरूरी एहतियात बरतने का निर्देश दिया. उन्होंने खदानों से पानी की निकासी के लिए पंप समेत अन्य जरूरी उपाय करने पर जोर दिया, ताकि उत्पादन में बढ़ोतरी सुनिश्चित हो सके. बीसीसीएल के आंकड़ों के मुताबिक कंपनी का लक्ष्य अगस्त माह में (1 से 4 अगस्त तक) 0.440 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित था. जिसके मुकाबले कंपनी अबतक महज 0.300 मिलियन टन ही कोयला उत्पादन कर सकी है.

गुमला में मुठभेड़;15 लाख का इनामी नक्सली ढेर

गुमला, एजेंसी। झारखंड में पीपल्स लिब्रेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) को बड़ा झटका लगा है। गुमला पुलिस ने गुप्त सूचना पर पीएलएफआई सुप्रीमो मार्टिन केरकेट्टा को पारही छंगाबारी जंगल में एनकाउंटर में मार गिराया है। मार्टिन पर झारखंड पुलिस ने 15 लाख का इनाम घोषित कर रखा था। गुमला एसपी हारिश बिन जमा और एसडीपीओ नाजिर अख्तर की टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, मार्टिन अपनी टीम के साथ कामडारा में किसी कारोबारी से लेवी लेने पहुंचा था। इसकी सूचना मिलने पर एसपी ने एक टीम गठित कर घेराबंदी की।

पुलिस को देखते ही शुरू की थी फायरिंग: पुलिस को देखकर मार्टिन ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलीबारी की। जिसमें मार्टिन मारा गया। उसके पास से हथियार भी बरामद किए गए हैं। इस एनकाउंटर में केवल गुमला पुलिस की टीम शामिल थी। एनआईए और झारखंड पुलिस के संयुक्त प्रयास से पीएलएफआई के पूर्व सुप्रीमो दिनेश गोप को नेपाल से गिरफ्तार किया गया था। दिनेश गोप पर 25 लाख रुपए का इनाम था। उसके जेल जाने के बाद मार्टिन को संगठन का सुप्रीमो बनाया गया था। जो संगठन का बिस्तर करने में लगा था।

मार्टिन के जिम्मे ही था पूरा संगठन: मार्टिन पीएलएफआई की पूरी कमान संभाल रहा था। वह जगह-जगह वारदातों को अंजाम देकर पीएलएफआई के नाम पर खौफ पैदा कर रहा था। उसके द्वारा सबसे ज्यादा रंगदारी मांगने की वारदातें की जा रही थीं। मार्टिन के पास से दो हथियार बरामद किए गए हैं। क्षेत्र में दो अन्य उग्रवादियों को भी गोली लगने की बात सामने आई है। गुमला एसपी हरीश बिन जमा ने घटना की पुष्टि की है। क्षेत्र में अभी भी सर्च ऑपरेशन जारी है।

दिनेश गोप के बचपन का साथी था, साथ पढ़ाई भी की: मार्टिन मूल रूप से कामडारा के रेड़मा गांव का रहने वाला था और पीएलएफआई की केंद्रीय समिति का सक्रिय सदस्य था। लेवी वसूली, धमकाने और फायरिंग की रणनीति वही तय करता था। पुलिस को उसकी लंबे समय से तलाश थी। दिनेश गोप की वजह से मार्टिन का संगठन में कद बड़ा था। मार्टिन और दिनेश गोप बचपन के साथ थे। दोनों एक साथ लापुंग के महुगांव स्थित स्कूल में पढ़ाई करते थे। बाद में दोनों ने एक साथ संगठन का विस्तार किया।

धनबाद में फुटपाथ दुकानदारों का अनोखा विरोध, अर्धनग्न होकर किया प्रदर्शन

धनबाद, एजेंसी। धनबाद में राष्ट्रपति के दौरे से पहले हटाए गए पुलिस लाइन क्षेत्र के फुटपाथ दुकानदारों ने सोमवार को जिला प्रशासन और नगर निगम के खिलाफ अर्धनग्न होकर विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों दुकानदार फुटपाथ पर एकत्रित हुए और नारेबाजी करते हुए अपने रोजगार वापस देने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने भावनात्मक पोस्टर लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त की। पोस्टर पर लिखा था - बिना गुनाह किए गुनहगार बना दिया गया, हमारी गलती क्या थी जो रोजगार छीन लिया गया, मिलकर लेंगे बुलडोजर से आजादी और हरिद्वार मॉडल पर 8×6 की दुकानें बसाई जाएं। फुटपाथ दुकानदारों का कहना है कि वे पिछले कई सालों से पुलिस लाइन में दुकान लगाते आ रहे हैं। उन्हें राष्ट्रपति के आगमन से पहले हटाया गया था। तब प्रशासन ने आश्वासन दिया था कि राष्ट्रपति के जाने के बाद फिर से दुकान लगाने दिया जाएगा। लेकिन अब प्रशासन अपने वादे से मुकर रहा है। दुकानदारों ने चेतावनी दी कि अगर उन्हें रोजगार नहीं मिला तो उनके परिवार भूखे मरेंगे। कुछ ने तो आत्महत्या की धमकी भी दी। उनका आरोप है कि प्रशासन उन्हें धमकी दे रहा है कि अगर दुकान लगाई तो झूठे मुकदमे में फंसा दिया जाएगा। एक सब्जी विक्रेता ने बताया कि वह करीब 50 सालों से दुकान चला रहा है। अब रोजगार छिन जाने से घर चलाना मुश्किल हो गया है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि उन्हें वैकल्पिक स्थान पर बसाया जाए। वे पशुपालन अस्पताल परिसर या किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर दुकान लगाना चाहते हैं। जिला प्रशासन और नगर निगम की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

इंस्टाग्राम से लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर यौन शोषण में लखनऊ का छात्र गिरफ्तार

चिरकुंडा (धनबाद), एजेंसी। इंस्टाग्राम के माध्यम से लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर यौन शोषण करने का आरोपित 19 वर्षीय अर्पित शर्मा को झारखंड के चौपारण से धनबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अर्पित यूपी के लखनऊ के आलमबाग का रहने वाला है।

पुलिस ने चिरकुंडा क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाली किशोरी को भी बरामद कर लिया है, जिसे अर्पित ने बरगलाकर प्रेमजाल में फंसाया था। लड़की सात जून को अपना घर छोड़कर उसके साथ चली गई थी। आरोपित को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में धनबाद जेल भेज दिया गया। लड़की का न्यायालय में पुलिस ने बयान कराया है। आरोपित ने पुलिस को बताया कि वह कई लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर यौन शोषण कर चुका है। जानकारी के अनुसार, अर्पित लखनऊ के न्यू पब्लिक स्कूल पवनपुरी से 12वीं की परीक्षा

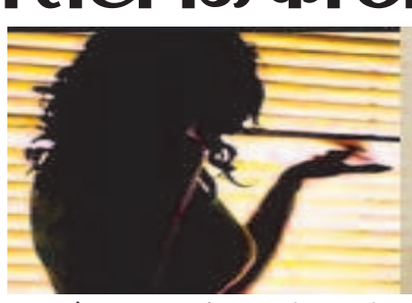

पास की है। वह इंस्टाग्राम के माध्यम से लड़कियों से दोस्ती करता था। उनको अपनी मीठी-मीठी बातों से प्रेमजाल में फंसाता था।

कुमारधुबी कोलियरी की नाबालिक लड़की को भी उसने फंसा लिया था। लड़की को ले जाने के लिए सात जून को ट्रेन से कुमारधुबी आया। उसे धनबाद से हावड़ा व फिर वाराणसी ले गया। वहां मंदिर भी गया। फिर एक होटल में काम किया, उसमें ही मिले कमरे में लड़की को लेकर रहा। लड़की के साथ संबंध बनाने की कोशिश की, मगर उसने विरोध कर दिया। तब नशीली दवा खिलाकर उससे तीन दिन संबंध बनाए। इस बीच वह बीमार हो गई।

होटल में कम पैसा मिलने के चलते वहां से सिहोर मध्यप्रदेश चला गया। वहां पहले भी कई लड़कियों को लेकर जा चुका है।

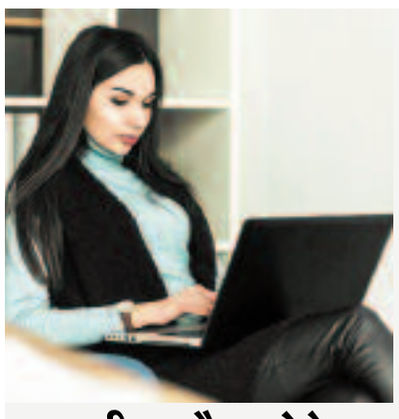

तकनीक और इनोवेशन का परफेक्ट कॉम्बिनेशन
बीटेक ईसीई

टेक और डिजिटल के बदलते युग में जॉब मार्केट में प्रोफेशनल्स की डिमांड भी बदलती जा रही है. आईटी सेक्टर के साथ-साथ लगभग सभी क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियर्स को अच्छे खासे पैकेज पर हायर किया जा रहा है. यही वजह है कि कॉलेज प्लेसमेंट सेशन में भी बीटेक ईसीई डिग्री वालों का प्लेसमेंट पैकेज सबसे तगड़ा मिलने लगा है. बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग कोर्स आज के टेक और डिजिटल युग में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है. बदलते जॉब मार्केट में कंपनियों को ऐसे प्रोफेशनल्स की जरूरत है जो इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी को अच्छे से समझते हों. आईटी सेक्टर से लेकर ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम और हेल्थकेयर तक में ईसीई इंजीनियर्स की डिमांड बढ़ी है. यही कारण है कि कॉलेज प्लेसमेंट के दौरान बीटेक ईसीई स्टूडेंट्स को हाई सैलरी पैकेज मिल रहे हैं. तकनीकी ज्ञान और मल्टी-डोमेन स्किल्स के चलते ये ग्रेजुएट्स इंडस्ट्री के लिए वैल्यूएबल एसेट बन चुके हैं.

बीटेक ईसीई कोर्स क्या है?

बीटेक ईसीई का पूरा नाम बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग है, जो चार वर्षीय ग्रेजुएशन लेवल का प्रोग्राम है. बीटेक ईसीई छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और डिवाइस कम्युनिकेशन, डिजाइन, निर्माण और रखरखाव के बारे में डिटेल जानकारी दी जाती है. इंलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में डेटा और सिग्नल को अलग-अलग माध्यमों से भेजने की तकनीक सीखी जाती है. यह कोर्स इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग दोनों का मेल है, जो हार्डवेयर और नेटवर्किंग में स्किल देता है. यह फील्ड 5जी, सैटेलाइट, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी नई तकनीकों में करियर के अच्छे मौके देती है.

नौकरी पाने के मौके

बीटेक ईसीई में इलेक्ट्रॉनिक्स का परिचय, सिग्नल और सिस्टम, एनालॉग संचार, नेटवर्क सिस्टम, माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर, नियंत्रण प्रणाली आदि जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं. ये कोर्स टेक्नोलॉजी की नॉलेज देता है. इस कोर्स के बाद करियर के बहुते सारे ऑप्शन होते है जैसे की आप इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग, कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग बन सकते है.

कौन कर सकता है ये कोर्स?

बीटेक ईसीई में एडमिशन लेने के लिए छात्र को 12वीं कक्षा पास होना जरूरी है. 12वीं में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और मैथ्स विषय होना अनिवार्य है. छात्रों को 12वीं में कम से कम 50% से 60% अंक लाने होते हैं. अलग-अलग कॉलेजों में अंकों की जरूरत थोड़ी अलग हो सकती है. आरक्षित वर्ग को कुछ छूट मिल सकती है.

स्क्रीन के पीछे से अपराध पकड़ते हैं डेटा के जासूस

क्या आप स्क्रीन के पीछे से सच उजागर करना चाहते हैं? डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट बनकर आप साइबर अपराधों का पर्दाफाश कर सकते हैं. यह वो प्रोफेशन है जहां तकनीक, सस्पेंस और न्याय साथ चलते हैं–एक ऐसा करियर जो हर दिन एक नई कहानी बनाता है.

आज का युग डिजिटल का है. हर काम अब कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट या क्लाउड के जरिए हो रहा है–चाहे बैंकिंग हो, ऑफिस वर्क, पढ़ाई या सोशल मीडिया. लेकिन जिस तेजी से डिजिटल तकनीक ने जिंदगी आसान की है, उतनी ही तेजी से बढ़े हैं डिजिटल अपराध. हैकिंग, डेटा चोरी, ऑनलाइन फ्रॉड, साइबर बुलिंग जैसे मामलों की बाढ़ आ गई है. ऐसे में इन अपराधों की तह तक जाने और सच्चाई सामने लाने का काम करते हैं–डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स. इन्हें अक्सर स्क्रीन के पीछे का जासूस या डिजिटल डेटा डिटेक्टिव भी कहा जाता है. इनकी पहचान न तो वर्दी से होती है, न ही किसी हथियार से, बल्कि इनका सबसे बड़ा हथियार होता है - तकनीक की गहरी समझ और डिजिटल साक्ष्य जुटाने की कला.

डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट कौन होता है?

डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट वह प्रोफेशनल होता है जो कंप्यूटर, मोबाइल, हार्ड ड्राइव, ईमेल, सोशल मीडिया या क्लाउड जैसे डिजिटल स्रोतों से डिलीट या छिपाई गई जानकारी को रिकवर करता है और उसे कानूनी सबूत के रूप में पेश करता है.

अगर किसी ने ऑनलाइन बैंक फ्रॉड किया है, या किसी अपराधी ने मोबाइल से सबूत मिटाने की कोशिश की है, तो ऐसे मामलों में यह एक्सपर्ट उन मिटाए गए डेटा को फिर से खोज निकालता है. ये कोर्ट में पेश करने योग्य फॉरेंसिक रिपोर्ट तैयार करते हैं, ताकि अपराधी को सजा मिल सके.

क्या होता है इनका काम?

डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट का काम बेहद पेचीदा और संवेदनशील होता है. उन्हें हर बिट और बाइट को सबूत में बदलना होता है. इनके काम में शामिल होते हैं -

- डिलीट हुए डेटा, ईमेल या कॉल रिकॉर्ड को रिकवर करना
- वायरस या मैलवेयर के जरिए की गई छेड़छाड़ का पता लगाना
- कंप्यूटर या मोबाइल में छिपाई गई फाइलों को ट्रेस करना
- साइबर क्राइम, बैंक फ्रॉड, हैकिंग की जांच करना
- डिजिटल सबूतों की वैधानिक रिपोर्ट तैयार करना
- कोर्ट और लॉ एजेंसियों को केस में तकनीकी सपोर्ट देना
- इन एक्सपर्ट्स को कई बार सीबीआई, ईडी, क्राइम ब्रांच, या साइबर क्राइम सेल के साथ काम करने का मौका मिलता है. इसके अलावा कई बार निजी कंपनियां और बैंक भी इन्हें साइबर सुरक्षा के लिए हायर करते हैं.

क्या करें पढ़ाई?

डिजिटल फॉरेंसिक्स का प्रोफेशन बनने के लिए साइंस या टेक्नोलॉजी बैकग्राउंड जरूरी होता है, लेकिन अब लॉ और क्रिमिनोलॉजी के स्टूडेंट्स के लिए भी इसमें करियर की राह खुल चुकी है.

कहां मिलती है नौकरी?

जैसे-जैसे डिजिटल क्राइम बढ़ रहा है, वैसे-वैसे डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की मांग भी तेज़ी से बढ़ रही है। ये एक्सपर्ट्स विभिन्न क्षेत्रों में काम कर सकते हैं -

- **लॉ एजेंसियां** - CBI, ED, क्राइम ब्रांच, पुलिस साइबर सेल
- **ज्यूडिशियल सेक्टर** - कोर्ट केसों में डिजिटल सबूत जुटाने में सहयोग
- **कॉर्पोरेट सेक्टर**- साइबर सिक्योरिटी डिपार्टमेंट में
- **किंग और फिनटेक कंपनियां** - फ्रॉड डिटेक्शन टीम का हिस्सा
- **प्राइवेट फॉरेंसिक लैब्स** - स्वतंत्र जांच एजेंसियों के साथ
- **फीलांस या कंसल्टेंट** - लॉ फर्म्स, स्टार्टअप्स, पत्रकारों के साथ सहयोग

भविष्य और स्कोप

डिजिटल फॉरेंसिक सिर्फ एक करियर नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे जरूरी विशेषज्ञता बनती जा रही है.

डिजिटलीकरण का विस्तार
हर सेक्टर डिजिटल हो रहा है–इसका मतलब अपराध भी डिजिटल हो रहे हैं.

डेटा प्राइवेसी कानून
भारत में नया डेटा संरक्षण कानून लागू होने से अब कंपनियों को प्रोफेशनल जांच सेवाओं की जरूरत पड़ रही है.

एआई और फॉरेंसिक्स का मेल
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब डिजिटल फॉरेंसिक की जांच को और तेज बना रहा है.

एक्सपर्ट्स की भारी कमी
देशभर में ट्रेन किए गए डिजिटल फॉरेंसिक प्रोफेशनल्स की मांग बहुत ज़्यादा है लेकिन सप्लाई कम है.

अपराध बदल रहे हैं जांच भी बदलनी होगी

जैसे-जैसे दुनिया स्क्रीन पर सिमट रही है, वैसे-वैसे अपराध भी टेक्नोलॉजी की आड़ में छिपते जा रहे हैं. लेकिन सच चाहे जितना भी गहरा छुपा हो, डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट उसे सामने लाने की ताकत रखते हैं. अगर आपको तकनीक, जांच और न्याय में रुचि है, तो यह फील्ड आपके लिए सुनहरा मौका हो सकता है.

वॉलंटियरिंग के मौके हाथ से न जाने दें

क्या आपने संकल्प लिया क्या यह कि आप देश व समाज के लिए कुछ करेंगे तो देर किस बात की देश में वॉलंटियर के रूप में काम करने के तमाम अवसर मौजूद हैं। खास बात यह कि वॉलंटियरिंग कर आप न केवल मानसिक संतोष अनुभव करेंगे, बल्कि यह काम आपके व्यक्तित्व को निखारकर करियर में भी आपको फायदा पहुंचाएगा। आजकल टीनएज से ही तमाम लोग पढ़ाई के साथ देश और समाज के लिए कुछ करने की चाहत रखते हैं। अनेक जागरूक टीनएजर विभिन्न संस्थाओं से जुड़कर या स्वयं प्रयास करके समाज को बदलने के लिए वॉलंटियर या स्वयंसेवक की भूमिका निभा रहे हैं। क्या आपकी भी इच्छा होता है कि देशसमाज के लिए कुछ करें, राष्ट्र निर्माण में अभी से अपना योगदान दें तो देर किस बात की आज ही कर दें शुरूआत।

देश में किशोरों व युवाओं को स्वयंसेवी कार्यों में लगाने वाली तमाम सरकारी, गैर सरकारी, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं हैं। इनमें से किसी के साथ जुड़कर आप वॉलंटियरिंग की दिशा में अपने कदम बढ़ा सकते हैं और समाज को बदलने में अपना योगदान दे सकते हैं। ऐसा कोई भी व्यक्ति जो लोगों की बेहतरी के लिए बिना किसी वेतन के या फिर मामूली स्टाइपेंड पर काम करना चाहता है, उसे वॉलंटियर कहते हैं। इस तरह सामाजिक बदलाव के लिए काम करने से आपको मानसिक संतोष मिलता है। इससे आपके व्यक्तित्व का विकास तो होता ही है, आगे आपके करियर में भी फायदा मिलता है।

गरीबों की मदद

आपके शहर, कस्बे या गांव में ऐसे लोग होंगे, जिनके पास रहने के लिए कोई मकान नहीं है। वे फुटपाथ पर या अन्यत्र खुले में ही गुजारा करते हैं। आप ऐसे लोगों को नाश्ता, खाना, सर्दी के दिनों में गर्म कपड़े या कंबल बांटने वाली संस्थाओं के लिए काम कर सकते हैं। अगर आपके शहर में ऐसी कोई संस्था नहीं मिलती, तो आप खुद ही अपने कुछ दोस्तों और अभिभावकों के साथ मिलकर यह काम कर सकते हैं।

ट्रैफिक में सहयोग

आप अपने शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू तरीके से चलाने में या किसी बड़ी खेल प्रतियोगिता, मेले आदि के आयोजन के दौरान स्वयंसेवक के रूप में काम कर प्रशासन की मदद कर सकते हैं। इसके लिए आयोजकों या ट्रैफिक पुलिस विभाग से संपर्क करें। आप लोगों के बीच जाकर ट्रैफिक नियमों के पालन के बारे में जागरूकता अभियान भी चला सकते हैं। किसी प्राकृतिक आपदा के समय भी आप वॉलंटियर के रूप में सहयोग कर सकते हैं।

पर्यावरण की खातिर

पर्यावरण को लेकर आज किसी छोटे शहर से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक चिंता व्याप्त है। आप अपने शहर, कस्बे के पर्यावरण को दुरुस्त रखने के लिए पौधे लगाने से लेकर प्रदूषण कम करने के तमाम प्रयासों में सहयोग कर सकते हैं।

अस्पतालों में सेवा

कई अस्पतालों, संस्थाओं को नेत्र शिविर या रक्तदान शिविर जैसे कई अभियानों के लिए स्वयंसेवक चाहिए होते हैं। इसी तरह कई अनाथालय, सीनियर सिटिजन सेंटर आदि को भी वॉलंटियर्स की जरूरत होती है। आप ऐसे मौकों पर अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

ऑनलाइन वॉलंटियरिंग

कई सामाजिक संस्थाएं अपनी वेबसाइट, ब्लॉग, जर्नल आदि को चलाने और ऑनलाइन मार्केटिंग व कम्युनिकेशन के लिए वॉलंटियर्स की मदद लेती हैं। यदि आपके पास कम्प्यूटर और इंटरनेट है तथा आप थोड़ी टेक्निकल, डिजिटल जागरूकता रखते हैं, तो किसी संस्था को इन कार्यों में मदद कर सकते हैं। खास बात यह है कि इस तरह की समाज सेवा आप घर बैठे ही कर सकते हैं!

एनसीसी, स्काउट-गाइड

नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) देश सेवा व समाज सेवा के लिए एक बेहतरीन संगठन है। इसमें एक तरह की बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग दी जाती है। इस तरह एनसीसी युवाओं को सैन्य सेवाओं में शामिल होने के लिए भी प्रेरक वातावरण तैयार करता है। यही नहीं, कई सैन्य सेवाओं में एनसीसी प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को तरजीह भी दी जाती है। एनसीसी के कैडेटों को कई तरह के सामाजिक कार्यों में लगाया जाता है। इसी तरह भारत स्काउट एंड गाइड एक ऐसा संगठन है, जो स्कूली बच्चों के भौतिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास की दिशा में काम करता है। यह संगठन स्कूली बच्चों को कई तरह के सामाजिक कार्यों में भी लगाता है।

ट्रंप सेमीकंडक्टर और चिप्स पर लगाएंगे नए टैरिफ

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अगले एक सप्ताह या उसके आसपास सेमीकंडक्टर्स और चिप्स के आयात पर नए टैरिफ लागू किए जाएंगे। यह कदम उनकी सरकार की आक्रामक व्यापार नीति का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग को वापस लाना है। सीएनबीसी के स्क्वॉक बॉक्स कार्यक्रम में बोलते हुए ट्रंप ने

कहा, हम सेमीकंडक्टर्स और चिप्स पर टैरिफ का ऐलान करने जा रहे हैं, जो एक अलग श्रेणी है, क्योंकि हम चाहते हैं कि ये अमेरिका में बनें। हालांकि, उन्होंने टैरिफ रेट या लागू होने के समय के बारे में कोई डीटेल नहीं दिया। यह घोषणा ऐसे समय आई है, जब अमेरिकी वाणिज्य विभाग अप्रैल से ही संभावित शुल्कों की तैयारी के लिए सेमीकंडक्टर मार्केट की जांच कर रहा है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, इस उद्योग से वैश्विक स्तर पर लगभग 700 अरब डॉलर की बिक्री होने का अनुमान है।

किन देशों और कंपिनयों पर पड़ेगा असर- दुनिया के अधिकांश एडवांस्ड सेमीकंडक्टर फिलहाल ताइवान से आते हैं, जहां प्रमुख चिप निर्माता कंपनी टीएसएमसी स्थित है। इसके ग्राहकों में एप्पल, एनवीडिया, क्वालकॉम और एएमडी जैसी तकनीकी दिग्गज कंपनियां शामिल हैं।

अटल पेंशन पर संकट

फंड 70 प्रतिशत खाली, समिति बोली-गांवों में बैंक सहयोगी बढ़ाओ

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा की वित्त संबंधी स्थाई समिति ने अटल पेंशन योजना (एपीवाई) का दायरा बढ़ाने की सिफारिश की है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2024-25 में योजना के लिए निर्धारित फंड में से सिर्फ 29.19 फीसदी का उपयोग किए जाने पर चिंता जताई है। समिति ने गांवों में बैंकों द्वारा नियुक्त किए जाने वाले व्यावसाय प्रतिनिधि आउटलेट्स की संख्या में कमी को लेकर भी गहरी चिंता व्यक्त की है। समिति का मानना है कि बीसी की संख्या कम होने की वजह से योजना के विस्तार पर असर पड़ा है। संसद में पेश की गई

रिपोर्ट में कहा गया है कि अनौपचारिक क्षेत्र को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए योजना से बड़ी संख्या में लोगों को जोड़े जाने की जरूरत है। योजना में निरंतर भागेदारी से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लोगों को दीर्घकालीन लाभ होगा। योजना का लाभ बड़ी संख्या में असंगठित क्षेत्र के लोगों को दिया जा सके, इसके लिए योजना से जुड़े प्रचार-प्रसार और नामांकन प्रक्रिया को बढ़ाने से जुड़े कार्यों पर वित्तीय वर्ष 2023-24 में आवंटित धनराशि में से 92.32 फीसदी का उपयोग किया गया, लेकिन वित्तीय वर्ष 2024-25 में दो फरवरी 2025 तक महज 29.19 फीसदी फंड का उपयोग किया गया। समिति ने इस भारी विसंगति को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यान्वयन की दक्षता, धन के समय पर वितरण और व्यावसाय प्रतिनिधियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में गंभीर सवाल है।

साल का सबसे बड़ा आईपीओ ला रही टाटा की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की फाइनेंस कंपनी टाटा कैपिटल अपना आईपीओ लेकर आ रही है। कंपनी ने सेबी के पास सभी जरूरी डॉक्यूमेंट फाइल कर दिए हैं। माना जा रहा है कि इस आईपीओ का साइज 2 बिलियन डॉलर (करीब 17555 करोड़ रुपये) हो सकता है। अगर ऐसा होता है तो यह साल 2025 का अब तक का सबसे बड़ा और देश का अब तक का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ होगा। अगर आप इस आईपीओ में निवेश करने के बारे में सोच रहे हैं तो पैसा तैयार रखें।

रिजर्व बैंक ने कुछ बड़े गैर बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी को शेयर बाजार में लिस्ट होने के लिए कहा है। एनबीएफसी बैंक नहीं होती हैं, लेकिन ये लोन देने और दूसरी वित्तीय सेवाएं देती हैं। टाटा कैपिटल भी एक एनबीएफसी है, इसलिए इसे भी शेयर बाजार में आना पड़ रहा है। रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार एनबीएफसी कंपनियों को सितंबर के अंत तक लिस्ट होना जरूरी है।

- **21 करोड़ नए शेयर-** कंपनी की ओर से जमा किए गए डीआरएचपी के अनुसार, इस आईपीओ में 21 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 26.58 करोड़ शेयर ऑफर फोर सेल (ओएफएस) के तहत बेचे जाएंगे। ओएफएस में टाटा संस 23 करोड़ शेयर बेचेगी, जबकि इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन 3.58 करोड़ शेयर बेचेगा।
- **कंपनी क्या करेगी पैसे का-** नए शेयर जारी करने से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल टाटा कैपिटल अपने टीवर-1 कैपिटल बेस को मजबूत करने के लिए करेगी। इससे कंपनी को भविष्य में उधार देने जैसे कामों के लिए और पैसे मिलेंगे। टीवर-1 कैपिटल बेस का मतलब है कंपनी के पास मौजूद वह पैसा, जिसका इस्तेमाल वह नुकसान होने पर कर सकती है।

सीएमआईई का दावा: बेरोजगारी 34 माह में सबसे कम

लोगों के पास रोजगार 9 साल में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रमबल भागीदारी बढ़ने से देश में बेरोजगारी दर जुलाई, 2025 में घटकर 34 महीने के निचले स्तर 6.8 फीसदी पर आ गई। 34 महीने में यह दूसरा अवसर है, जब यह दर सात फीसदी के नीचे रही। इससे पहले मई, 2025 में बेरोजगारी दर पहली बार सात फीसदी के स्तर से नीचे 6.9 फीसदी रही थी।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने कुल 43.3 करोड़ लोगों के पास रोजगार था। यह संख्या जनवरी, 2016 के बाद 9 साल में सबसे ज्यादा है।इससे पहले अप्रैल, 2025 में सर्वाधिक 43.2 करोड़ लोगों के पास रोजगार था।हालांकि, जून में यह संख्या घटकर 42.6 करोड़ रह गई।लेकिन, जुलाईके आंकड़े बताते हैं कि रोजगार में तेज सुधार दर्ज किया गया।

- **रोजगार 64 लाख बढ़ा, 33 लाख घटे**

बेरोजगार- रिपोर्ट में दावा किया गया है कि श्रम बाजार से जुलाई में भले ही 30 लाख अतिरिक्त लोग जुड़े, लेकिन रोजगार की संख्या में 64 लाख की वृद्धि दर्ज की गई।इसका मतलब है कि श्रम बाजार में शामिल होने वाले नए लोगों को तो रोजगार मिल गया, लेकिन जो बेरोजगारों की सूची में थे, उनमें से भी कई को काम मिला। इससे बेरोजगारों की संख्या में 33 लाख की गिरावट आई। श्रम बाजार के हाल के आंकड़े बताते हैं कि रोजगार मिलने की दर कार्यशील आयु वर्ग की संख्या बढ़ने की रफ्तार से कहीं अधिक तेजी से बढ़ रही है।

तार बनाने वाली मशहूर कंपनी के सीएफओ ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। पॉलीकैब इंडिया के सीएफओ गंधर्व टोंगिया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा 27 अक्टूबर, 2025 को कारोबारी घंटे खत्म होने तक या उससे पहले लागू हो जाएगा। उन्होंने यह फैसला निजी कारणों से लिया है। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक इंदर जैसिंघानी ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

इस खबर के बाद पॉलीकैब इंडिया के शेयरों में गिरावट है। स्टॉक शुरुआती कारोबार में ही 3 फीसद से अधिक लुढ़ककर 6695 रुपये पर आ गया। गंधर्व टोंगिया के इस्तीफे की सूचना कंपनी ने शेयर मार्केट को भी दी है।

इससे पहले कहां काम किया

पॉलीकैब में आने से पहले, गंधर्व टोंगिया ने दुनिया की मशहूर ऑडिट कंपनियों अर्न्स्ट एंड यंग और डेलॉइट हस्किन्स एंड सेल्स की भारतीय शाखाओं में काम किया था। वहां उन्होंने भारत और विदेश की बड़ी कंपनियों को ऑडिट और सलाहकार सेवाएं दीं। वह इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के फेलो सदस्य हैं और इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की प्रोफेशनल प्रोग्राम परीक्षा भी पास कर चुके हैं।

- **पॉलीकैब में कितने साल काम किया-** गंधर्व टोंगिया पॉलीकैब कंपनी में साल 2018 से जुड़े हुए थे। उन्हें 19 जनवरी, 2023 को कार्यकारी निदेशक और सीएफओ की जिम्मेदारी पांच साल के लिए मिली थी, जो 18 जनवरी, 2028 तक चलनी थी। यानी उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस्तीफा दे दिया।
- **पॉलीकैब के लिए क्या किया-** टोंगिया ने कंपनी के लिए बहुत महत्वपूर्ण काम किए। उन्होंने पॉलीकैब के साल 2019 में शेयर बाजार में लिस्ट होने (आईपीओ) में अहम भूमिका निभाई।

इसके अलावा, वह कंपनी के बड़े बदलाव के कार्यक्रम प्रोजेक्ट लीप को आगे बढ़ाने में भी मुख्य रहे। वह कंपनी के वित्तीय कामकाज और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग दोनों की देखरेख करते थे।

30 सितंबर तक दोबारा करवा सकते हैं केवाईसी

जन धन खाताधारकों के लिए गांव-गांव लगेंगे कैंप

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार, 6 अगस्त को ऐलान किया कि जन धन खातों के अपडेट के लिए 30 सितंबर तक पंचायत स्तर पर खास कैंप लगाए जाएंगे। इन कैंपों में जन धन खाताधारक अपना केवाईसी दोबारा करवा सकते हैं। री-केवाईसी (जिसे नो योर कस्टमर की समय-समय पर जानकारी अपडेट करना कहते हैं) एक साधारण प्रक्रिया है। इसमें आप अपने बैंक खाते में अपना निजी और पता विवरण (जैसे नाम, पता, मोबाइल नंबर आदि) अपडेट कर सकते हैं। यह जरूरी है ताकि बैंक के पास आपके हालिया और सही विवरण रहें। अगर आपकी केवाईसी की अवधि खत्म हो गई है या आपकी जानकारी में कोई बदलाव हुआ है (जैसे पता बदलना), तो

आपको नए विवरण बैंक को देना चाहिए। ऐसा न करने पर बैंकिंग नियमों का पालन नहीं हो पाएगा।

प्रधानमंत्री जन धन योजना क्या है

प्रधानमंत्री जन धन योजना देश के हर नागरिक को सस्ती व सुलभ बैंकिंग सुविधाएं देने के लिए चलाई गई एक राष्ट्रीय योजना है। इसका मकसद गरीब और बैंक सुविधाओं से वंचित लोगों को बचत खाता, रुपया भेजने की सुविधा, कर्ज, बीमा और पेंशन जैसी सेवाएं मुहैया कराना है। इस योजना के तहत, जिस व्यक्ति के पास पहले से कोई बैंक खाता नहीं है, वह किसी भी बैंक शाखा या बैंक मित्र केंद्र पर फ्री में एक बेसिक बचत खाता खोल सकता है।

बॉलीवुड सितारों के निवेश वाला आईपीओ ने किया मालामाल

पहले ही दिन तगड़ा मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड सितारों और दिग्गज निवेशक आशीष कचोलिया द्वारा समर्थित रियल एस्टेट कंपनी श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड का आईपीओ आज शेयर बाजार में लिस्ट हो गया। श्री लोटस डेवलपर्स के शेयरों ने बुधवार, 6 अगस्त को शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की और दोनों एक्सचेंजों पर लगभग 19 प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्ट हुए। बीएसई पर, श्री लोटस डेवलपर्स का शेयर 179.10 पर खुला, जो इसके आईपीओ प्राइस 150 से 19.40 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर, श्री लोटस डेवलपर्स का शेयर 18.67 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 178 पर लिस्ट हुआ। बता दें कि इस कंपनी में शाहरुख खान से लेकर अमिताभ बच्चन समेत दिग्गजों का दांव लगा हुआ है।

कितना हुआ था सब्सक्राइब

बता दें कि इस इश्यू को तीन दिन में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। 30 जुलाई से 1 अगस्त तक चले इस इश्यू में 74.10 गुना बुकिंग हुई। रिटेल शेयर 21.77 गुना, एनआईआई 61.82 गुना और क्यूआईबी 175.61 गुना सब्सक्राइब हुआ। आईपीओ में कर्मचारी कोटा भी था, जिसके लिए 21.37 गुना बोलियां प्राप्त हुईं। श्री लोटस डेवलपर्स ने मंगलवार को संस्थागत निवेशकों से 237 करोड़ रुपये जुटाए थे। कंपनी ने आईपीओ के लिए 140-150 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है।

105 प्रतिशत बढ़ गया पावर कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग का प्रॉफिट

नई दिल्ली, एजेंसी। दलाल स्ट्रीट पर हाल ही में डेब्यू करने वाली कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में आज 13 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई और यह शेयर 800 रुपये के इंट्रा डे हाई पर आ गया था। शेयरों में इस तेजी के पीछे जून तिमाही के शानदार नतीजे हैं। दरअसल, कंपनी ने अपनी पहली तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। पहली तिमाही में पावर कारोबार से जुड़ी कंपनी का प्रॉफिट सालाना आधार पर 105 प्रतिशत बढ़ गया।

- **क्या है डिटेल-** कंपनी के बयान के मुताबिक, जून तिमाही में उसका नेट प्रॉफिट 105 प्रतिशत बढ़ गया और यह 106 करोड़ हो गया, जबकि परिचालन से राजस्व पिछले वर्ष की इसी अवधि के 916 करोड़ से 81 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ 1,660 करोड़ हो गया। रेवेन्यू बढ़ोतरी मुख्य रूप से ट्रांसमिशन एवं वितरण (टीएंडडी) खंड में मजबूत एग्जिक्यूशन के कारण हुई, जो कंपनी का मुख्य फोकस क्षेत्र बना हुआ है।

बिक रही दिवालिया कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड, मिल गया खरीदार!

नई दिल्ली, एजेंसी। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में लगातार 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग रहा है। इसी के साथ यह शेयर 3.45 रुपये के इंट्रा डे हाई पर आ गया। इससे पहले बीते मंगलवार को भी कंपनी के शेयर में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा था। बता दें कि शेयरों में तेजी के पीछे एक खबर है। दरअसल, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने मंगलवार को कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स लि. के अधिग्रहण के लिए डालमिया भारत के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। कंपनी दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत है।

दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता के प्रावधानों के तहत, बोली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए समाधान योजना प्रस्तुत करने को लेकर प्रतिस्पर्धा नियामक से मंजूरी एक प्रमुख आवश्यकता है। डालमिया भारत के अलावा, कई अन्य कंपनियों ने भी कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स (जेएएल) के अधिग्रहण में रुचि दिखाई है।

क्या है डिटेल

उद्योगपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाली अडानी एंटरप्राइजेज, वेदांता समूह, जिंदल पावर और पीएनसी इन्फ्राटेक जैसी कंपनियों ने भी ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के समक्ष अपनी-अपनी समाधान योजना प्रस्तुत करने की अनुमति को लेकर प्रतिस्पर्धा आयोग से संपर्क किया है। उच्चतम न्यायालय के एक निर्देश के अनुसार, प्रतिस्पर्धा अधिनियम के तहत किसी भी पात्र समाधान योजना पर कर्जदाताओं की समिति के मतदान करने से पहले प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी लेना अनिवार्य है। डालमिया सीमेंट (भारत) लि., डालमिया भारत लि. (डीबीएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। डालमिया भारत लि., डालमिया भारत समूह की प्रमुख कंपनी है। डीबीएल मुख्य रूप से सीमेंट के निर्माण और बिक्री के कारोबार से जुड़ी है। सीसीआई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''आयोग ने डालमिया सीमेंट (भारत) लि. द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है।'' इसके अलावा सीसीआई ने तीन कंपनियों द्वारा बेकरी और कनफेक्शनरी उत्पाद, खाद्य और पेय पदार्थों का कारोबार करने वाली थियोब्रोमा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के कुछ शेयरों के अधिग्रहण को भी मंजूरी दे दी। अधिग्रहण करने वाली कंपनियों में इनफिनिटी पार्टनर्स, एक्रा इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड और एट्रीड्स इनवेस्टमेंट्स बी.वी. शामिल हैं। तीनों क्रिसकैपिटल समूह का हिस्सा हैं। बता दें कि इसी प्रक्रिया के तहत अदाणी समूह ने भी सीसीआई के समक्ष एक आवेदन किया है। जेएएल को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण, इलाहाबाद पीठ के तीन जून, 2024 के आदेश के तहत कंपनी ऋण शोधन समाधान प्रक्रिया में लाया गया था।

पीएम किसान की बढ़ेगी किस्त

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम किसान योजना के लाभार्थियों के लिए जरूरी खबर है। कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि

भारत सरकार ने पीएम किसान योजना के तहत नए पंजीकरण के लिए 14 राज्यों में किसान आईडी अनिवार्य कर दी है। मंत्री ने यह भी पुष्टि की कि इस योजना के तहत प्रदान किए जाने वाले 6,000 रुपये वार्षिक लाभ को बढ़ाने का कोई प्रस्ताव फिलहाल विचाराधीन नहीं है।

2019 में शुरू की गई थी योजना- बता दें कि फरवरी 2019 में शुरू की गई, पीएम-किसान एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जिसका उद्देश्य कृषि योग्य भूमि वाले किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करना है। इस कार्यक्रम के तहत, पात्र किसानों के आधार से जुड़े बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से तीन समान किश्तों में सालाना 6,000 सीधे हस्तांतरित किए जाते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, स्थापना के बाद से सरकार ने 20 किस्तों के माध्यम से 3.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया है।

क्या है डिटेल

अंतिम छोर तक पहुंच और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, किसान-केंद्रित डिजिटल बुनियादी ढांचा विकसित किया गया है, जिससे बिचौलियों को इस प्रक्रिया से हटा दिया गया है। राज्यों ने अपने किसान रजिस्टर बनाने के लिए कई नामांकन मोड भी बनाए हैं, जिनमें स्व-पंजीकरण, सीएससी मोड, ऑपरेटर मोड (राज्य कृषि और राजस्व अधिकारियों के माध्यम से) और सहायक मोड शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि ये सिस्टम स्थानीय प्रशासन को अधिकृत क्षेत्र-स्तरीय अधिकारियों के माध्यम से पंजीकरण के दौरान शिकायतों या विसंगतियों का समाधान करने की अनुमति देते हैं। इस योजना के तहत पात्रता मुख्य रूप से कृषि योग्य भूमि पर आधारित है, जिसमें उच्च आय वाले किसानों को शामिल नहीं किया गया है।

कैनेडियन ओपनः

टॉसन ने कीज को हराया

सेमीफाइनल में ओसाका से भिड़ेंगी

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। क्लारा टॉसन ने कैनेडियन ओपन में मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज पर 6-1, 6-4 से जीत हासिल कर 2025 के अपने दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टॉसन को पहला सेट जीतने में सिर्फ 27 मिनट लगे। दूसरा सेट टॉसन के लिए ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहा। इगा स्वियाटेक और मैडिसन कीज पर लगातार जीत के साथ क्लारा टॉसन ने अपने सातवें डब्ल्यूटीए सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। टॉसन का अगला मुकाबला चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका से होगा, जिन्होंने 10वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। ओसाका ने स्वितोलिना को आठ मैचों में पांचवीं बार हराकर अपने करियर में पहली बार कैनेडियन ओपन सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कुल मिलाकर, इस जीत के साथ ओसाका छठी बार डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। मियामी ओपन 2022 के बाद यह उनका पहला सेमीफाइनल है। टॉसन के साथ अपने सेमीफाइनल मुकाबले के बारे में बात करते हुए, ओसाका ने कहा, वह वाकई बहुत मजबूत हैं। मैंने इस साल ऑकलैंड में उनके साथ खेला था और चोटिल होने के कारण मुझे बीच में ही मैच रोकना पड़ा था। इसलिए, मैं बहुत खुश हूं कि मैं स्वस्थ हूं और मुझे उम्मीद है कि देखने आने वाले सभी लोगों के लिए यह एक अच्छा मैच होगा। ओसाका और टॉसन का सेमीफाइनल मुकाबला उनके करियर का दूसरा मुकाबला होगा। टॉसन ने इस साल की शुरुआत में ऑकलैंड में अपना पहला मैच जीता था। उस मैच में, ओसाका को पहला सेट 6-4 से जीतने के बाद रिटायर होना पड़ा था।

एशिया कप 2025 से पहले जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की होगी अग्नि परिक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में संपन्न एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारतीय टीम की सफलता के बाद जहां मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली थी, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब अपने प्रमुख खिलाड़ियों का ध्यान रखना चाहता है। खास बात यह है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह का एशिया कप से पहले परीक्षण किया जा सकता है। हाल के दिनों में भारत के लिए सबसे खास श्रृंखलाओं में से एक में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह 5 में से केवल तीन मैचों में ही खेले, लेकिन सिराज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पांचों टेस्ट में हिस्सा लेते हुए 185 से ज़्यादा ओवर फेंके और 23 विकेट लिए। पिछले दो महीनों में इतने ज्यादा कार्यभार को देखते हुए बीसीसीआई अब 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले इन दोनों खिलाड़ियों पर ध्यान दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि दोनों तेज गेंदबाज एक महीने के ब्रेक के दौरान पूरी तरह फिट रहें। उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चयन बैठक से पहले उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा, जो अगस्त के अंत में होनी है। गौरतलब है कि एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा जबकि भारत अपना पहला मैच 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ खेलेगा, जबकि फाइनल 28 सितंबर को होना है। केवल 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होने हैं, लेकिन इसके बावजूद बीसीसीआई कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि एशिया कप के तुरंत बाद भारतीय टीम 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी।

ये 10 भारतीय क्रिकेटर्स कभी भी कर सकते हैं संन्यास का ऐलान

वापसी अब लगभग नामुमकिन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र हो चुकी है कि एक बार टीम से बाहर हुए खिलाड़ी के लिए वापसी की राह बेहद कठिन हो जाती है. कुछ खिलाड़ी शानदार घरेलू प्रदर्शन से वापसी कर लेते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जिनके लिए टीम इंडिया का दरवाजा लगभग हमेशा के लिए बंद हो जाता है. यहां हम बात कर रहे हैं उन 10 भारतीय क्रिकेटरों की, जिनकी राष्ट्रीय टीम में वापसी अब लगभग असंभव मानी जा रही है.

विजय शंकर

विजय शंकर 2019 की वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का हिस्सा थे, लेकिन बीच टूर्नामेंट में ही चोट के बाद वो बाहर हो गए थे. उसके बाद शंकर टीम में वापसी नहीं कर सके. विजय शंकर घरेलू स्तर पर भी प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और अब भारतीय टीम में वापस चयन से दूर हो चुके हैं.

हनुमा विहारी

हनुमा विहारी ने 2021 के सिडनी टेस्ट में साहसी बल्लेबाजी कर टीम को ड्रॉ दिलाया था, लेकिन इसके बाद से उन्होंने कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है. 2022 के बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है.उनका भारतीय टीम में वापसी करना अब न के बराबर है.

जयदेव उनादकट

34 वर्षीय तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने 2010 में भारत के लिए डेब्यू किया था और 2023 में भारत की ओर से कुछ मुकाबले भी खेले थे, लेकिन बाद में वो टीम से फिर से बाहर हो गए थे. आज के समय में भारतीय टीम में युवा पेसर्स की भरमार के बीच उनकी जगह बनना अब मुश्किल है.

युजवेंद्र चहल

35 साल के हो चुके चहल फिलहाल दो साल से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. उनके स्थान पर युवा स्पिनर्स को प्राथमिकता दी जा रही है. उम्र और हालिया फॉर्म को देखते हुए भारतीय टीम में उनकी वापसी अब मुश्किल लग रही है.

अमित मिश्रा

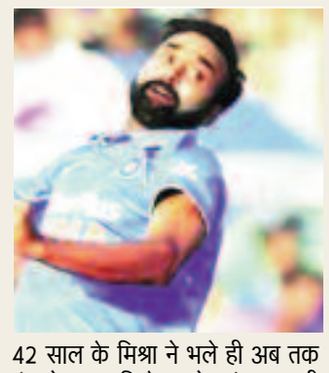

42 साल के मिश्रा ने भले ही अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा नहीं की है, लेकिन उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2017 में खेला था. भारतीय टीम में उनकी वापसी की संभावना न के बराबर है.

अजिंक्य रहाणे

टीम इंडिया के पूर्व उपकप्तान रह चुके रहाणे को अब घरेलू टूर्नामेंट्स में भी लगातार अनदेखा किया जा रहा है. दिलीप ट्रॉफी जैसी प्रतियोगिताओं में भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, जिससे यह साफ है कि अब उनकी टीम में वापसी की संभावना बेहद कम है.

मनीष पांडे

मनीष पांडे 2021 के बाद से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन औसत रहा है, जिससे चयनकर्ता उन्हें टीम में दोबारा मौका नहीं दे रहे.

चेतेश्वर पुजारा

भारत के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अब कमेंट्री करते नजर आ रहे हैं. उनकी क्रिकेट के मैदान से दूरी और उम्र को देखते हुए ऐसा माना जा रहा है कि वो कभी भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर सकते हैं.

हर्षल पटेल

हर्षल पटेल आईपीएल में विकेट जरूर लेते हैं, लेकिन उनकी इकोनॉमी रेट हमेशा से चिंता का विषय रहा है. टीम इंडिया में इस समय तेज गेंदबाजों की लंबी कतार है, जिससे टीम में उनकी वापसी मुश्किल दिखती है.

दीपक हुड्डा

10 वनडे और 21 टी20 मैच खेलने के बाद से दीपक हुड्डा 2 साल से टीम से बाहर चल रहे हैं. आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन कुछ खास नही रहा है, जिसके चलते उन्हें दोबारा टीम इंडिया में मौका मिलना मुश्किल लगता है.

क्या मोहम्मद शमी की टेस्ट क्रिकेट में वापसी अब मुश्किल हो गई है?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट से बाहर चल रहे हैं। भारत और इंग्लैंड सीरीज के बाद क्या उनकी टेस्ट क्रिकेट में वापसी होगी। इसे लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। मोहम्मद शमी वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद इंजरी की वजह से एक साल से अधिक समय तक क्रिकेट से दूर रहे। फिट होने के बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट में खेला। उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था और इसी वजह से उन्हें टी20 और फिर वनडे फॉर्मेट में जगह दी गई। वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उनकी वापसी अभी तक नहीं हो पाई है। न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज, ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज, इंग्लैंड टेस्ट सीरीज तीन ऐसे मौके थे, जब शमी की टेस्ट में वापसी हो सकती थी। लेकिन चाहे फिटनेस का कारण रहा हो या युवाओं को अधिक मौके देना, शमी भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं बना पाए। हाल के मैचों में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने युवा तेज गेंदबाजों को अहमियत दी है। इंग्लैंड दौरे के लिए आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया गया। इंग्लैंड दौरे पर रवाना होने से पहले मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्पष्ट किया था कि शमी 100 प्रतिशत फिट नहीं हैं। उनके साथ कुछ समस्याएं हैं। टीम प्रबंधन ने शमी को लेकर जोखिम लेने से मना कर दिया।

नतीजन, युवाओं को इंग्लैंड में मौका मिला और उन्होंने इसे भुनाने की पूरी कोशिश की। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने शानदार गेंदबाजी की। आकाश दीप ने बर्मिंघम टेस्ट और प्रसिद्ध कृष्णा ने द ओवल टेस्ट में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। कृष्णा ने तीन टेस्ट में 14, आकाश दीप ने 3 टेस्ट में 13 विकेट लिए। बुमराह और सिराज टेस्ट में लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सिराज ने 5 मैचों में 23 विकेट लिए, जो सीरीज में सर्वाधिक रहे। वहीं बुमराह ने भी 3 मैच में 14 विकेट लिए।

सवाल ये है जसप्रीत बुमराह, सिराज की मौजूदगी और आकाश दीप और कृष्णा के चमकदार प्रदर्शन के बाद क्या अब भी शमी की टेस्ट टीम में वापसी संभव है?

शमी की वापसी होगी या नहीं, इसका जवाब तो बीसीसीआई दे सकती है। लेकिन, कुछ चीजें हैं, जो फिलहाल इस तेज गेंदबाज के पक्ष में नहीं दिखती। शमी के साथ इंजरी की समस्या रहती है। वह 3 सितंबर को 35 साल के हो जाएंगे। टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया मैनेजमेंट युवा तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रही है, जो मौका मिलने पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में फिटनेस, उम्र शमी के पक्ष में नहीं है, साथ ही युवा गेंदबाजों से कड़ी प्रतिस्पर्धा भी है। ऐसे में टेस्ट में उनकी वापसी मुश्किल हो गई है। 2013 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने वाले शमी ने 64 मैचों में 229 विकेट लिए हैं। उन्होंने आखिरी टेस्ट जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

शुभमन गिल, साई सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल एशिया कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की रेस में शामिल- रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल के अलावा यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में जगह बनानने की दौड़ में शामिल हैं जो 9 सितंबर से शुरू होगा। भारत को सितंबर के अंत हमें वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है, लेकिन इसके बावजूद ये तीनों खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह बनाने की रेस में शामिल हैं। एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान अगस्त के तीसरे सप्ताह में किया जा सकता है। हालांकि गिल और यशस्वी ने व्यस्त शेड्यूल की वजह से पिछले कुछ टी20 सीरीज में भारत के लिए नहीं खेले थे, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद वो एशिया कप के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। बीसीसीआई के सूत्रों के मुताबिक टीम इंडिया के सेलेक्टर्स ने विकल्प खुले रखे हैं। एशिया कप का फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा जबकि इसके लगभग एक सप्ताह के अंदर ही वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू हो जाएगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगा। गौरतलब है कि जायसवाल ने आईपीएल 2025 में 160 के स्ट्राइक रेट से 559 रन बनाए थे, जबकि गिल ने 15 मैचों में 155 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 650 रन बनाए थे। गुजरात टाइटंस में गिल के ओपनिंग पार्टनर साई सुदर्शन आईपीएल 2025 में 156 के औसत से 759 रन बनाकर ऑरेंज कैप विजेता रहे थे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया कि अभी पांच हफ्ते का ब्रेक है और कोई क्रिकेट नहीं होने के कारण संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा के शानदार प्रदर्शन के बावजूद इन तीनों को भी टी20 टीम में जगह मिलनी चाहिए।

Chennai Grand Masters:

एक दिन के लिए स्थगित हुआ चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट, इस कारण लेना पड़ा फैसला

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय सहित कई दिग्गज खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण है। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट को एक दिन के लिए स्थगित किया है और अब इसका आयोजन बुधवार के बजाए गुरुवार को होगा। आयोजकों को यह फैसला इसलिए लेना पड़ा क्योंकि जिस होटल में इसे होना है वहां आग लग गई। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय सहित कई दिग्गज खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण है। भारतीय ग्रैंडमास्टर और टूर्नामेंट के निदेशक श्रीनाथ नारायण ने एक्स पर लिखा, पिछली रात होटल में आग लग गई जहां चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स होना था। सभी खिलाड़ी सुरक्षित हैं और उन्हें पास के एक अन्य होटल में भेजा गया है। टूर्नामेंट एक दिन के लिए स्थगित किया जाता है।

खिलाड़ियों को अंततः होटल वापस लाया गया, लेकिन सुरक्षा जांच के बाद टूर्नामेंट एक दिन बाद शुरू होगा।

समय में नहीं होगा बदलाव – चेसबेस इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई के होटल हयात रीजेंसी के नौवें तल्ले पर आग लग गई जिस कारण पूरे होटल में धुआं छा गया और सभी को होटल से बाहर निकाला गया। इस दौरान वहां सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि मैच का समय वही रहेगा, लेकिन अब कार्यक्रम से रेस्ट डे हटाया गया है। उन्होंने कहा, समय वही रहेगा और टूर्नामेंट 15 अगस्त को ही समाप्त होगा। बीच में एक दिन का विश्राम था और अब वह कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स की पुरस्कार राशि एक करोड़ रुपये है। इस प्रतियोगिता में भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी, अनुभवी विदित गुजराती और नीदरलैंड के अनीश गिरी जैसे नामी खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के अवॉन्डर लियांग के खिलाफ करेंगे। पहली बार इसमें मास्टर्स और चैलेंजर्स वर्ग में क्लासिकल राउंड रॉबिन प्रारूप में नौ से अधिक दौर खेले जाएंगे। इससे पहले दो सत्र में सात दौर ही खेले जाते थे। इसमें 19 ग्रैंडमास्टर्स भाग लेंगे और फिडे सर्किट अंक भी मिलेंगे जो 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह पाने के लिए अहम होंगे। टूर्नामेंट में निहाल सरीन और जर्मनी के विंसेंट केमेर जैसे खिलाड़ी भी भाग ले रहे हैं। चैलेंजर्स वर्ग में डी हरिका, आर वैशाली, हर्षवर्धन जीबी, अभिमन्यु पुराणिक, ग्रैंडमास्टर अधिबान भास्करन भी हिस्सा लेंगे।

द हंड्रेड: 45 गेंदों में 0 रन, खेल शुरू होते ही हीरो बने राशिद खान

वॉर्नर-विलियमसन की टीम का काम तमाम

नई दिल्ली, एजेंसी। नए सीजन का आगाज राशिद खान की हीरोपंती के साथ हुआ है. 5 अगस्त को लंदन स्पिरिट और ओवल इन्विंसिबल के बीच मुकाबले के साथ द हण्ड्रेड का आगाज हुआ, जिसमें राशिद खान ने अपने नाम के मुताबिक कमाल किया. बल्लेबाजों को नाच नचा देने वाली राशिद खान की गेंदों का ही नतीजा रहा कि मेंस कैटेगरी में खेला द हण्ड्रेड का पहला मैच लो-स्कोरिंग रहा. इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि टीम में वॉर्नर-विलियमसन जैसे बल्लेबाजों के होने के बावजूद लंदन स्प्रिट ने 45 गेंदें बर्बाद की. मतलब, उन पर कोई रन ही नहीं बनाए. अब ऐसे में ओवल इन्विंसिबल को जो टारगेट मिला, वो इतना छोटा रहा कि उसे चेज करना उनके लिए आसान हो गया. पहले बैटिंग करने उतरी लंदन स्पिरिट का हाल इतना बुरा रहा कि 45 गेंदें तो उसने डॉट खेली हीं, उसके अलावा उससे अपनी इनिंग की पूरी 100 गेंदें भी नहीं खेली गई. लंदन स्प्रिट की पारी सिर्फ 94 गेंदों में ही सिमट गई. इन 94 गेंदों में उसने सिर्फ 80 रन बनाए. लंदन स्प्रिट को डेविड वॉर्नर और केन विलियमसन से उम्मीदें थीं मगर उन दोनों की कहानी 9-9 रन से आगे नहीं बढ़ सकी. लंदन स्पिरिट की इस हाल के जिम्मेदार वैसे तो ओवल इन्विंसिबल के सारे गेंदबाज रहे. मगर राशिद खान और सैम करन की भूमिका इसमें कुछ ज्यादा रही.

खेल शुरू होते ही हीरो बने राशिद खान – द हण्ड्रेड के नए सीजन का खेल शुरू होते ही राशिद खान हीरो बन गए. ओपनिंग मैच में उन्होंने अपने कोटे की 20 गेंदों में जितने रन नहीं दिए, उससे ज्यादा गेंदें डॉट फेंकी. उन्होंने 20 गेंदों में सिर्फ 11 रन देकर 3 विकेट चटकाए. इस दौरान 15 गेंदें उन्होंने डॉट फेंकी. मतलब, उन पर कोई रन नहीं दिए. राशिद खान की ही तरह सैम करन ने भी 3 विकेट चटकाए. उन्होंने 19 गेंदें फेंकी, जिस पर 18 रन देने के अलावा 10 गेंदें उन्होंने डॉट फेंकी. बेहरेनडॉर्फ ने 20 में से 7 गेंदें डॉट फेंकी और 17 रन देकर 1 विकेट लिया ।

आज की पीढ़ी को रिश्ते में एडजस्ट करना नहीं सिखाया गया

छोटे पर्दे पर ऐक्टर गौरव चोपड़ा ने एक लंबा वक्त बिताया है। टीवी शो उतरन में काम करने के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वहीं फिल्मों में भी उनके काम को सराहा गया। पिछले कुछ सालों से वह छोटे पर्दे से दूर थे, लेकिन अब उन्होंने पुष्पा इंपॉसिबल से वापसी की है।

आप पिछले कई साल से छोटे पर्दे से दूर हैं। इतने वक्त तक टीवी इंडस्ट्री से दूर रहने के पीछे क्या वजह रही? क्या आप किसी बदलाव के बारे में सोच रहे थे?

सबसे पहली बात जो बतानी जरूरी है कि अगर किसी एक मीडियम में, किसी प्लेटफार्म में, किसी ऐक्टर को दर्शकों ने अपने दिल में थोड़ी सी भी जगह दी है और आप उस प्लेटफॉर्म को छोटा समझें तो ये तो नाशुक्री की बात होगी। मेरे साथ ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। मैं वो ऐक्टर कहलाना चाहता हूं, जो मीडियम को महत्व नहीं देता। मैं अपने दर्शकों और खुद के रिश्ते को महत्व देना चाहता हूं। लोगों को इतना भरोसा होना चाहिए कि अगर ये ऐक्टर किसी शो में आ रहा है, तो अच्छा ही होगा। रहीं 4-5 साल के बाद वापसी की तो उसकी वजह एक तो कोविड था। उस समय में संजीवनी के नाम से 2020 में आखिरी शो कर रहा था। उसके बाद मेरी दुनिया ने ही एक ब्रेक ले लिया था।

क्योंकि अपने कोविड की शुरूआत में ही ब्रेक ले लिया था, तब से अब तक दर्शक की सोच टीवी शोज और फिल्मों को लेकर काफी बदली है। वापसी के बाद आप इस बदलाव को किस तरह देख रहे हैं?

ये बदलाव का वक्त है तो अगर देखने के माध्यम बदले हैं तो लोगों का टेस्ट भी बदलता है। जैसे इंटरनेशनल कॉन्टेंट देखने से भी लोगों की पसंद पर फर्क पड़ा है। मुझे लगता है कि ये जो बदलाव एक दौर है, एक वक्त के बाद जब बदलाव पूरा होने को होगा, तो दर्शक अपनी-अपनी पसंद के हिसाब से सेटल हो जाएंगे, जिसको जो मीडियम पसंद होगा वो उसमें कॉन्टेंट देखेगा। जो दर्शक जैसा शो देखना चाहते हैं उनके लिए वैसा ही कॉन्टेंट बनाया जाएगा।

आपने अपने करियर में काफी काम किया है और आज एक बात कही जाती है कि काम के दबाव का असर लोगों के रिलेशनशिप पर भी पड़ रहा है, जिस वजह से रिश्ते बिखर रहे हैं। आपने भी रिलेशनशिप में ऐसा उतार-चढ़ाव देखा है? इस बारे में आप क्या सोचते हैं?

जी काम का दबाव रिश्ते पर जरूर पड़ता है। महिलाओं और मर्दों पर अलग-अलग पड़ता है। मर्दों से काम करने की समाज की अपेक्षा एक अलग ही दबाव है जबकि महिलाओं के लिए वो सपने को पूरा करने जैसा है। मैं तो खुद को बड़ा खुशकिस्मत मानता हूं कि मैं इतने संपन्न परिवार से था कि मैं कह सका मुझे ऐक्टर बनना है, वरना एक आम लड़के को 15-16 साल की उम्र में ही इस बात का अहसास करा दिया जाता है कि जल्दी घर की जिम्मेदारी उठाने लायक बनो। जो 1950 में देखा जाता था कि शादी के लिए एक लड़के में क्या गुण होने चाहिए, वो ही आज भी देखा जाता है। महिलाओं की स्थिति काफी बदल गई है। आज ये कोई उम्मीद नहीं करता कि आप घर आएंगी तो घर का काम ही करेंगी या बच्चे पालेंगी। वो काम करना चाहें, तो करती हैं। जब एक सोशल बदलाव आता है तो उसमें एक अडजस्टमेंट की जरूरत होती है। सच्चाई ये है कि उस अडजस्टमेंट के बारे में बच्चों को जागरुक नहीं किया जा रहा, उन्हें उसके बारे में पढ़ाया नहीं जा रहा। जो आपने माता-पिता के जीवन में देखा है, अब वैसा नहीं होगा। अब जिम्मेदारी कैसे बांटनी है, बच्चे को कैसे पालना है, ये हमें सोचना होगा। इसके लिए आज की पीढ़ी को तैयार नहीं किया गया है, इस वजह से मतभेद बढ़ रहे हैं और समाज का दबाव उस रिश्ते पर असर कर रहा है।

दिल्ली से मुंबई तक का सफर कैसा रहा?

जहां आपकी पैदाइश होती है, जहां आपने बचपन बिताया होता है, उस जगह से थोड़ा ज्यादा लगाव होता ही है। मैंने दिल्ली में सेंट कोलम्बस स्कूल से पूरी पढ़ाई की, जिसे आज के दौर में लोग शाहरुख खान के स्कूल के नाम से जानते हैं। वहां से और भी स्टार्स निकले हैं। हमारे स्कूल में इस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाता था कि लड़कियों के प्रति आपका व्यवहार कितना जेंटलमैन वाला है। आपकी पर्सनैलिटी कैसी है, इस पर भी जोर दिया जाता था। स्कूल के बाद मैंने फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की। कोर्स के बाद से ही मुझे ऐक्टिंग का शोक लगा था। फिर दिल्ली से मुंबई आ गया। मेरे लिए सबसे अच्छी बात ये रही है कि मुझे कभी स्ट्रगल नहीं करना पड़ा, मुझे आते ही काम मिल गया था।

अपने रिश्ते पर अविका गौर ने खुल कर की बात, बोलीं मैं मिलिंद को काफी डांटती हूं

अविका गौर और मिलिंद चंदवानी टीवी शो पति पत्नी और पंगा में साथ नजर आएंगे, जो इस समय दर्शकों के बीच खासा चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मौके पर कपल ने शो में भाग लेने के अपने अनुभव, रिश्ते के उतार-चढ़ाव, और अपनी जिंदगी के कई पहलुओं के बारे में खुलकर बात की। साथ ही उस किस्से को भी बताया, जब मिलिंद ने उन्हें फ्रेंड-जोन कर दिया था। अविका गौर ने बताया कि इस रियलिटी शो के लिए हां कहने का फैसला उन्होंने अकेले नहीं लिया, बल्कि मिलिंद ने उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, दिलचस्प बात यह है कि मैंने खुद यह फैसला नहीं लिया था, मिलिंद भी इस फैसले में शामिल थे। उन्होंने मुझे इसके लिए प्रोत्साहित किया। मैं इसे जबरदस्ती नहीं कहूंगी, लेकिन उनका स्पष्ट मानना था कि मुझे एक रियलिटी शो करना चाहिए ताकि जो लोग मुझे प्यार करते हैं और सराहते हैं, वे मुझे असली रूप में देख सकें। मुझे लगता है कि उनका विचार सही था। अविका ने कहा, पहले मैं अपनी छवि को लेकर काफी सजग रहती थी और हर चीज को परफेक्ट और डिप्लोमैटिक रखना चाहती थी, लेकिन मिलिंद ने मेरी इस सोच को तोड़ने में मदद की। अगर शो में मेरी कोई कमी नजर आएगी, तो मैं उसे सुधारने की कोशिश करूंगी। अविका ने कहा, मैं मिलिंद को काफी डांटती हूं, लेकिन बाद में जब मुझे लगता है कि मैं ज्यादा सख्त हो गई हूं तो माफी भी मांग लेती हूं। अपने रिश्ते की शुरुआत के बारे में बात करते हुए अविका ने कहा, हमारा रिश्ता दोस्ती से शुरू हुआ था। शुरुआत में मुझे फ्रेंड-जोन में रखा गया, लेकिन छह महीने बाद मिलिंद को अपनी भावनाओं का एहसास हुआ। अब छह साल हो चुके हैं और हमारी सगाई हो चुकी है। हमने इस पूरे सफर को बेहद खूबसूरती से जिया है। बता दें कि पति-पत्नी और पंगा कलर्स चैनल पर हर शनिवार और रविवार रात 9.30 बजे प्रसारित होगा।

फरहान अख्तर ने अपनी 120 बहादुर की सह-कलाकार राशि खन्ना की जमकर तारीफ की

'120 बहादुर' का टीज़र लॉन्च केवल एक प्रमोशनल इवेंट नहीं था, बल्कि यह आपसी सम्मान, कलात्मक तालमेल और साझा उद्देश्य का एक सशक्त उत्सव बन गया। इस कार्यक्रम में पैन-इंडिया स्टार राशी खन्ना और फरहान अख्तर ने दर्शकों को अपने ऑफ-स्क्रीन रिश्ते की एक झलक दिखाई, जो आपसी सम्मान और सच्ची केमिस्ट्री पर आधारित था। टीज़र में जहाँ रेजांग-ला के युद्ध की एक गंभीर और भावनात्मक कहानी दिखाई गई, वहीं मंच पर एनर्जी ताज़गी भरी, फिर भी बेहद सम्मानजनक रही। फिल्म में राशि के किरदार पर बात करते हुए फरहान अख्तर ने उनकी तारीफ़ करने से खुद को रोक नहीं पाए- राशि, आपके साथ काम करना एक बेहद शानदार अनुभव रहा। वह कहती हैं कि यह कहानी खुद उनके पास आई, लेकिन मुझे लगता है कि शायद इसका उल्टा हुआ है। मेरा मानना है कि रास्ते खुद उन लोगों को ढूंढते हैं जो उन्हें निभाने के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं। और इस भूमिका के लिए राशि को लेना – इससे बेहतर निर्णय हम कर ही नहीं सकते थे। वह फिल्म में बेहद शानदार हैं। आपने जो अभी देखा है, वह तो सिर्फ़ एक टीज़र है – असली जादू अभी बाकी है। यह एक सच्चे सम्मान का पल था, जिसने राशि को भी भावुक कर दिया। उन्होंने उतनी ही गर्मजोशी और सच्चाई से जवाब दिया- जब हम इस फिल्म के लिए एक साथ आए, तो सबसे पहले मुझे फरहान सर का धन्यवाद करना है क्योंकि उन्होंने ही बातचीत की शुरुआत की। मैं थोड़ी शर्मीली हूं, लेकिन सर बहुत ही विनम्र और सहज थे।एक व्यक्ति के रूप में उनकी ख़ासियत पर विचार करते हुए, उन्होंने आगे कहा- मेरे माता-पिता ने हमेशा सिखाया है कि किसी इंसान को समझना हो, तो यह देखो कि वह अपने आसपास के लोगों से कैसा व्यवहार करता है। और फरहान सर हर किसी को बराबरी का सम्मान देते हैं – चाहे वह कोई भी हो। यह एक ऐसी खूबी है जो मैंने बहुत कम लोगों में देखी है। इसलिए मैं उन्हें एक इंसान के तौर पर और भी ज़्यादा पसंद करती हूं। बेशक, मैं उन्हें एक अभिनेता और निर्देशक के रूप में सराहती हूं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उन्हें एक इंसान के रूप में भी बहुत पसंद करती हूँ। वह बहुत ही प्रेरणादायक और बहुत ही अनुशासित हैं। और अब तो सब जानते हैं कि जब मैं कुछ कहती हूं, तो दिल से कहती हूं। और मैं दिल से कह रही हूं – यह अनुभव वाकई अद्भुत रहा है। और मैं सच में उम्मीद करती हूं कि आगे भी मुझे उनके साथ काम करने के ऐसे और मौके मिलें। मीडिया ने भी उनकी सहज दोस्ती और मंच पर साझा किए गए हल्के-फुल्के पलों को तुरंत भांप लिया। फरहान और राशि की हाज़िरजवाबी और सेंस ऑफ ह्यूमर ने पूरे इवेंट को जीवंत बनाए रखा। '120 बहादुर' जैसी फिल्म, जो गहरे भावनात्मक स्तर और जटिल पात्रों पर आधारित है, उसमें ऑफ-स्क्रीन तालमेल ऑन-स्क्रीन प्रभाव को और भी गहरा बना देता है। और जहाँ एक ओर पूरी नज़र फिल्म

इस वजह से रुबीना ने स्वीकारा पति पत्नी और पंगा का ऑफर

लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री रुबीना दिलैक और उनके पति अभिनव शुक्ला पॉपुलर शो पति-पत्नी और पंगा में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि उन्होंने मां बनने के बाद शो का ऑफर क्यों स्वीकार किया।

अभिनेत्री ने बताया, इस शो की कहानी उनकी जिंदगी के नए दौर से मेल खाती है। साथ ही इस शो के जरिए उन्हें अपने पति अभिनव के साथ स्क्रीन पर नया अनुभव करने का मौका मिला। मां बनने के बाद मैं अपने पति के साथ ज्यादा समय बिताना चाहती थी। कुछ मस्ती भी करनी थी, इसलिए मैंने यह शो किया।

जब अभिनेत्री से पूछा गया, क्या रियलिटी शो स्क्रिप्टेड होते हैं?

छोटी बहू फेम अभिनेत्री ने बताया, रियलिटी शो स्क्रिप्टेड नहीं होते, लेकिन उन्हें थोड़ा निर्देशित किया जाता है। अगर कोई चीज अच्छी चल रही हो, तो शो के निर्माता उसे और हाइलाइट करते हैं। यह स्क्रिप्टेड नहीं, बल्कि गाइडेड होता है। वहीं, अभिनेता अभिनव शुक्ला ने रियलिटी शो में स्क्रीन टाइम और रिश्तों की लंबी उम्र के बारे में भी बात की। उनके मुताबिक, रिश्ते में जितना ज्यादा स्क्रीन टाइम होता है, रिश्ता उतना ही कम समय तक चल सकता है। रुबीना ने उनकी बात का समर्थन करते हुए कहा, अभिनव सही कह रहे हैं। जितना ज्यादा हम एक-दूसरे की बातों और सोच को स्वीकार करेंगे, रिश्ता उतना ही बेहतर होगा। एक अच्छा रिश्ता तब बनता है, जब हम एक-दूसरे को वैसे ही अपनाएं, जैसे हम हैं। जब हम ये समझते हैं कि हम अलग हैं और फिर भी एक-दूसरे की इज्जत करते हैं, तो रिश्ते में प्यार और समझ बढ़ती है।

अभिनव शुक्ला ने बताया कि जब किसी बात पर बहस या मतभेद होता है, तो वह उसे संभालने का एक शांत तरीका अपनाते हैं। अभिनव ने कहा, जब हम दोनों के बीच झगड़ा होने लगता है, तो मैं थोड़ा पीछे हट जाता हूं, या फिर रुबीना को स्पेस देता हूं, थोड़ी देर बाद शांत होकर दोबारा उस बात पर चर्चा करता हूं, ताकि समस्या आसानी से सुलझ जाए। कुछ परेशानियां, कुछ घंटों में सुलझ जाती हैं, तो कुछ में ज्यादा समय लग जाते हैं। अभिनव ने मजाकिया अंदाज में कहा, हमारे रिश्ते में तो मैं बस यही कहता हूं, जो तुम कहो। और, अब ये लाइन काफी फेमस हो गई है।

साभार एजेंसी

सलमान संग बड़े पर्दे पर नजर आएंगी चित्रांगदा , बोलीं- यह रियल हीरोज को सम्मान

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म का टाइटल बैटल ऑफ गलवान है। उन्होंने फिल्म को साहस और वीरता की एक सच्ची और जमीनी कहानी बताया। वास्तविक घटनाओं पर आधारित इस फिल्म को चित्रांगदा ने रियल हीरोज का सम्मान बताया। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह का कहना है कि उन्हें इस फिल्म में सबसे खास चीज जो नजर आई है, वह थी इसकी भावनात्मक गहराई और मजबूत थीम। चित्रांगदा ने फिल्म के बारे में बताया, यह एक ऐसी कहानी है जो साहस और वीरता को दर्शाती है। आर्मी बैकग्राउंड होने की वजह से मैंने इस फिल्म से जुड़ने के बारे में सोचा। मैंने इस घटना के बारे में पहले काफी सुना था। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। चित्रांगदा सिंह ने आगे कहा, फिल्म की कहानी सुनकर गर्व होता है, और मैं फिल्म में अपनी भूमिका को एक किरदार से बढ़कर मानती हूं, क्योंकि फिल्म का उद्देश्य केवल वास्तविक नायकों को सम्मान देना और कम चर्चित कहानियों को मुख्यधारा में लाने का एक प्रयास है। फिल्म में सलमान खान के साथ काम करने के अनुभव के बारे में चित्रांगदा ने कहा, सलमान जिस प्रोजेक्ट का हिस्सा होते हैं, वह अपने आप में बड़ा बन जाता है। चाहे अभिनेता हो या तकनीशियन, सब कुछ बड़े स्तर पर होता है। यह कहानी ऐसी है जिसे बताया जाना चाहिए, और मुझे खुशी है कि मैं इसका हिस्सा हूं।

इससे पहले सलमान खान फिल्म्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इंडिया गेट से चित्रांगदा सिंह की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की। साथ में लिखा, सादगी और शालीनता का रूप चित्रांगदा सिंह का बैटल ऑफ गलवान की टीम में स्वागत है। बता दें कि इस फिल्म से पहले चित्रांगदा ने अपनी फिल्म रात अकेली है-2 के निर्देशक हनी त्रेहन के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया था। उन्होंने बताया था कि इस फिल्म में एक शॉट के लिए उन्हें 28 रीटेक देने पड़े थे, उनके करियर में ऐसा पहली बार हुआ था। अभिनेत्री ने कहा था, हनी बहुत सख्त निर्देशक हैं। इस चुनौतीपूर्ण किरदार ने मेरे अभिनय को और बेहतर बना दिया था। चित्रांगदा का मानना है कि वास्तविक जीवन पर आधारित कहानियां उन्हें एक कलाकार के रूप में प्रेरित करती हैं। ऐसी कहानियां दर्शकों के लिए एक नई दुनिया तैयार करती है और इन्हें बताना जरूरी है।

सारे जहां से अच्छा में मेरा किरदार लंबा नहीं, लेकिन असरदार है: कृतिका कामरा

अभिनेत्री कृतिका कामरा इन दिनों सारे जहां से अच्छा सीरीज के रिलीज होने का इंतजार कर रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपनी भूमिका को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें इस सीरीज में काम करके खुशी और आत्मविश्वास महसूस हुआ। साथ ही बताया कि इसमें सिर्फ एक या दो नहीं, बल्कि कई मुख्य कलाकार हैं। कृतिका कामरा ने कहा, मैंने पहले भी कई ऐसी कहानियों में काम किया है जिनमें महिला किरदार बहुत मजबूत रहे हैं, और ये अनुभव मेरा आत्मविश्वास को बढ़ाता है। लेकिन मेरे लिए ये सबसे जरूरी है कि जो रोल मुझे मिल रहा है, वो दमदार हो और कहानी ऐसी हो जो मुझे पसंद आए और जिसपर मैं भरोसा कर सकूं। उन्होंने कहा कि सारे जहां से अच्छा देशभक्ति से भरी कहानी है। इसमें कई पहलू हैं; हर किरदार और घटना के पीछे कई रहस्य छिपे हैं। कृतिका ने कहा, भले ही मेरा रोल ज्यादा लंबा न हो, लेकिन कहानी में मेरे किरदार का असर काफी बड़ा है, इसलिए मुझे अपने किरदार को लेकर पूरा विश्वास है कि वह दर्शकों के दिलों में उतरेगा। मैं खुद को इस सीरीज का जरूरी हिस्सा मानती हूं। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए किरदार की लंबाई नहीं, बल्कि उसका असरदार और मकसद होना ज्यादा जरूरी है। एक एक्टर के तौर पर मुझे वही रोल पसंद आते हैं जो कुछ मतलब रखते हों। मैं सच में चाहती हूं कि ये शो जल्दी लोगों तक पहुंचे, क्योंकि इसकी कहानी बहुत मजबूत और प्रेरणादायक है। इस सीरीज में कृतिका कामरा के अलावा, प्रतीक गांधी, रजत कपूर, सनी हिंदुजा, सुहैल नय्यर, तिलोत्तमा शोम और अनूप सोनी अहम रोल में हैं। इसकी कहानी 1970 के दशक के समय पर आधारित है,.

उम्र बढ़ना अभिनेत्रियों के लिए एक समृद्ध अनुभव - ईशा कोप्पिकर

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर का मानना है कि उम्र बढ़ना अभिनेत्रियों के लिए एक समृद्ध अनुभव है। उनके अनुसार, जीवन के अनुभवों से मिली समझ को अभिनेत्री अपनी ताकत बना सकती हैं, जो उनकी अभिनय कला को और निखारता है। ईशा ने 2019 में रिलीज हुई फिल्म सांड की आंख का उदाहरण देते हुए कहा, इस फिल्म में युवा अभिनेत्रियों को बुजुर्ग किरदारों में दिखाया गया। नीना गुप्ता ने भी सवाल उठाया था कि 50-60 साल की महिलाओं के किरदार के लिए 30 साल की अभिनेत्रियों को क्यों चुना जाता है? ऐसे में उन अभिनेत्रियों को मौका क्यों नहीं मिलता, जो अपनी प्रतिभा साबित कर चुकी हैं? उन्होंने आगे कहा, उम्र के साथ भावनात्मक समझ गहरी होती है, और यही गहराई किसी किरदार को खास बना सकती है।